हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

1 मार्च, 1978

खण्ड 1, अक 3

अधिकृत विवरण

विषय–सूची

बुधवार, 1 मार्च 1978

पृष्ठ संख्या

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

(3) 1

नियम 45 के अधीन सदन के पटल पर रखे गए

तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

(3) 27

अताराकित प्रश्न एवं उत्तर (3) 32

ध्यानाकृर्षण सूचना

(3) 42

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान

(3)42– 75

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 1 मार्च, 1978

विधान. सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन सैक्टर– 1, चण्डीगढ में 9–30 बजे प्रातः हुई ।

अध्यक्ष (ब्रिगेडियर रण सिंह) ने अध्यक्षता की

तारांकित प्रश्न एंव उत्तर

Villages affected by Floods

***198 Shri Shamsher Singh :** Will the Minister for Revenue be pleased to state -

(a) the total number of villages affected by recent floods in Narwana Sub-Division in the year 1977 alongwith the area affected in acreage togetherwith the loss suffered in terms of crops, cattle, houses etc. by the people separately alongwith the relief granted by the Government to them ;

(b) the long & short term steps the Government proposes to take to avert floods in this area in future and the work done so far; and

(c) whether it is a fact that the water logging on both sides of Sirsa Branch is due to non lining of the canal and is causing floods conditions from Batta to Gurthali ? If so, is there any proposal to brick-line it and instal tubewells on its both sides to lower the water level ?

Revenue Minister (Sh. Preet Singh) :

(a) Statement is laid on the table of the House.

(b) Fifteen villages of Narwana Sub-Division will be protected by constructing ring bunds around abadies and in addition, Kapil Muni Link Drain out falling into Sirsa Branch is to be constructed as short term measure. Pundri Drain, Dubal Link Drain and Brahmna Link Drain will be constructed as long term measures. The work of construction of Ring Bunds and Kapil Muni Link Drain is in progress.

(c) (c) The flood conditions from Batta to Gurthali are due to accumulation of rain waters year after years and due to absence of proper drainage works. There is, however, a proposal for lining Sirsa Branch for the area near Batta and Gurthali and its provision exists in the project Estimate for modernisation of existing channels in Haryana. The work on it will be taken up on the sanction of project Estimates. There is no proposal for lowering the water level by installing tubewells on both sides of Sirsa Branch as the quality of water is marginal to saline.

STATEMENT

Total No. of villages affected	Area affected	Loss suffered in terms of			Relief granted
		Crops	Cattle	Houses	
38	27,330 Acres	15,860 Acres	228	809	327 Quintals Atta, 72 Quintals Dal, 12 bags of rice, 12 bags of Milk powder, 396 Sirkis, 122

Quintals Bhusa and 1000 clothes have been distributed. Apart from this loans in kind for Wheat/Gram seeds amounting to Rs. 1.08,100, for fertilizer Rs. 4,45,720 and Rs. 1 lac for tractor cultivation charges has been distributed. Dewatering operations had also been undertaken.

श्री शमशेर सिंह : स्पीकर साहब, फ्लड एडवाईजरी कमेटी की जे'? रिपोर्ट थी, उसमें यह था कि कुरुक्षेत्र जिले का जों पानी कलायत कांस्टीच्युएंसी में दाखिल होता है, उसको सिसल सिसमौर ड्रेन के जरिए सुदकैन डिस्ट्रीब्यूटरी में डाला जाएगों, लेकिन अब उस सारी प्रपोजल की रिवर्स करके कुरुक्षेत्र का सारा पानी कलायत के पास लाकर कलायत में डाला जी रहा है । क्या मन्त्री महोदय को इस बात की नलिज है?

श्री प्रीत सिंह : ऐसी बात नहीं है । यह जे'।. नई प्रपोजल पुण्डरी ड्रेन की बनी है यह पुण्डरी से लेकर चमुखा से आगे डुमेर खुर्द जाएगी और सिरसा ब्रांच में इसका आउट फाल होगा ।

श्री शमशेर सिंह : क्या यह ठीक है कि पुण्डरी ड्रेन में कलायत के एरिए का पानी नही जा सकता, क्योंकि वह सारी की सारी पिछले पानी के आउट काल के लिए 0ंचे लेवल पर ले जाई गई है?

श्री प्रीत सिंह : यह टैक्नीकल प्वांयट है और यह प्रपोजल इंजीनियर्ज की सलाह से बनाई गई है ।

श्री शमशेर सिंह : स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब नहीं आया है ।

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह :) : यह ड्रेन कन्टूर के हिसाब से बनाई गई है और यह ड्रेन पलवल, खरक और पांडवा वगैरह से गुजरेगी और कलायत भी इस में आ जाएगा । इसका बहाव बिल्कुल नैचुरल होगा ।

Shri Shamsher Singh : It will not receive the flood waters of Kolayat Constituency of Narwana Sub-Division. My question has not been replied.

श्री वीरेन्द्र सिंह : नरवाना सब–डिवीजन का पानी अगर इसमें नहीं आएगा, तो मैं सदन को आश्वासन दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा में जहां भी पानी की मार हुई है, वहां बाकायदा प्रोग्राम बनाए गए हैंऔर लिंक ड्रेनज बनाई गई हैं । हम हर रकबे में ड्रेन प्रोवाइड कर रहे हैं ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि क्या पुण्डरी ड्रेन को अगली बरसात आने से पहले कम्पलीट कर दिया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, पुण्ड्री ड्रेन बहुत लम्बी ड्रेन है और इस पर 127 लाख के करीब खर्च आएगा । यह 1979 तक कम्पीट होगी ।

Bhanu Bridge

*205 **Shri Pratap Singh Thakran :** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state -

(a) the year and cost of construction of Bhanu Bridge on Haryana State Highwry together with the names of officers from S . D . E. to Chief Engineer and the contractor who have got constructed this bridge ;

(b) whether it is a fact that concrete from lower side of the slabs of this bridge fell down soon after completion due to bad quality of work ;

(c) the amount spent on repairs and maintenance of this bridge since its construction to-date ; and

(d) whether any enquiry by the Vigilance was conducted ; if so, the result thereof ?

Irrigation & Power Minister (Sh. Verender Singh) :

(a) (i) October, 1970 to August, 1971.

(ii) Rs. 5,53,970/–

(iii) Shri B.R. Varma, S.D.E.

Shri R.K. Aggarwal, Executive Engineer.

Shri K.L. Kapoor, S.E., also Add. C.E, since May,1971. Shri I.C. Gupta, Chief Engineer.

(iv) Shri Amarjit Singh, Contractor.

(b) No.

(c) Rs. 31,512/-

(d) Yes. The report of the Vigilance Department does not attribute the damaged that occurred in year 1974 to any ulterior motives or malafide intention on the part of the field staff. The report has however brought out negligence on the part of field staff. The report of the Vigilance Department is being examined by the Government/ Department.

Improvement Trusts in the State

***220 Chaudhri Sher Singh :** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the total number of Improvement Trusts set up in the State at present togetherwith the number of Trusts whose Chairmen are belonging to Scheduled Castes; and

(b) the number of persons belonging to Sheduled Castes in each of the Improvement Trusts taken as Member ?

Industries Minister (Dr. Mangal Sein) :

(a) Nineteen. None of the Chairman of these Improvement Trusts belongs to Scheduled Castes.

(b) Six. The details are as under :—

Gurgaon	1	Rohtak.	.1
Rewari..	.1	Hissar	.1
Jhajar	1	Bhiwani	1

चौधरी गया लाल : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि इम्प्रूवमैंट ट्रस्टों के जो चेयरमैन लगाए गए हैं, वे 20 प्रतिशत रिजर्वेशन के हिसाब से नहीं लगाए गए हैं, क्या कोई योग्य हरिजन नहीं मिला?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, वास्तव में चेयरमैनों की नियुक्ति करते समय परसैटेज की कोई बात नहीं होती । जो आदमी योग्य नजर आए, उनको लगा दिया गया है ।

श्री शमशेर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि इम्प्रूवमैंट ट्रस्टस के जो चेयरमैन या मैंबर बनाए गए हैं वे केवल आर0एस0एस0 और जनसंघ के ही हैं?

डाक्टर मंगल सैन : यह सरासर गलत बात है ।

चौधरी राम किशन : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि हरियाणा में जितने इम्प्रूवमैंट. ट्रस्ट्स नामजद किए गए हैं, क्या उनमें बैकवर्ड क्लासिज के नुमाईंदे भी लिए गए हैं?

डाक्टर मंगल सैन : यह प्रश्न मेन प्रश्न में कवर नही होता, अगर माननीय सदस्य अलग से नोटिस देंगे तो इसका जवाब दे दिया जाएगा ।

चौधरी भजन लाल : मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जैसे कि अभी बताया गया कि 8 हरिजन लिए गए हैं जोकि 20 प्रतिशत रिजर्वेशन के हिसाब से बहुत कम हैं । क्या मन्त्री महोदय इस कमी को पूरा करने की कोशिश करेंगे?

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट्स के चेयरमैनों की नियुक्ति के समय ऐसा कोटा निर्धारित करने का कोई प्रेसीडैंट नहीं है और अब तो वे नियुक्त हो चुके हैं । जब कोई नए इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट्स बनेंगे, तो उस वक्त विचार किया जा सकता है क्योंकि अब तो मामला आगे निकल चुका है ।

School Buildings Damaged

***226 Swami Aditya Vesh :** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the district-wise number of school buildings damaged during the recent floods;

(b) the number of buildings out of those referred in part (a) above which have been repaired so far togetherwith the number of buildings which are yet to be repaired; and

(c) the district-wise number of schools to whom the grants for repairing the buildings have been given so far ?

Education Minister (Col. Rao Ram Singh) :

(a) 517 school buildings were damaged by recent floods. A statement showing district-wise number of such buildings is laid on the table of the House.

(b) 49 school buildings have been repaired, so far and 468 are yet to be repaired.

(c) A statement is laid on the table of the House.

STATEMENT—I

Part (a)

Statement showing district-wise number of school buildings damaged by flood.

Sr. No.	Name of the District	Number of buildings damaged
1.	Gurgaon	167
2 .	Mohindergarh	97
3 .	Kurukshetra	-36
4 .	Jind	26
5 .	Rohtak	129
6 .	Sonepat	62
	Total :	517

STATEMENT— II

Part (C)

Statement showing districtwise number of schools for which grant has been sanctioned for the repair of flood demaged buildings.

Sr. No.	Name of the District	No. of Schools to which grant has been sanctioned
1.	Gurgaon	37
2.	Mohindergarh	5
3.	Kurukshetra	Nil
4.	Jind	3
5.	Rohtak	18
6.	Sonepat	1
	Total :	64

स्वामी आदित्य वेश : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि 49 बिल्डिग्ज की मुरम्मत होगेके बाद जो बाकी रह गई हैं उनकी मुरम्मत कब तक हो जाएगी? क्या बरसात से पहले पहले हो जाएगी?

कर्नल राव राम सिंह : सरकार से एजुकेशन डिपार्टमेंट के लिए पिछले साल के बजट में साढे 5 लाख रुपया बिल्डिग

रिपेयर करने के लिए मिला था । और फ्लड से बरबाद हुई बिल्डिगों की रिपेयर करने के लिए एजुकेशन डिपार्टमैंट ने फाइनांस डिपार्टमैंट से 10 लाख रुपया रिपेयर के लिए मांगा और वह मिला । इस तरह से साढ़े 15 लाख रुपया मिला जिसका इस्ते– माल कर लिया गया है । जो पैसा बाकी था 'उससे 84 स्कूल बिल्डिंग्ज की रिपेयर का प्रबन्ध कर दिया गया है । अगले साल जो पैसे की मांग की गईहै, उसमें काफी पैसा मिलने की उम्मीद है । उस पैसे के अनुसार जितनी बिल्डिंम्ज रिपेयर हो सकेंगी, वह बरसात से पहले रिपेयर करने की कोशिश करेंगे, लेकिन इस वक्त यह कहना मेरेलिए मुमकिन नहीं है कि सब बिल्डिंग्ज की रिपेयर बरसात से पहले हो जाएगी या नहीं ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि स्कूल के अन्दर जो बिल्डिंग फण्ड होता है, उसको इस्तेमाल करने की इजाजत देंगे कि जहां रिपेयर की जरूरत हो, उस फण्ड से की जाये? सुना यह जाता है कि जितना बिल्डिग फण्ड होगा उतना ही वहां के लोग जमा करवाते हैं । क्या इसको इस्तेमाल करने की इजाजत देंगे?

कर्नल राव राम सिंह : स्कूलों मेंजो बिल्डिंग फण्ड चार्ज किया जाता है, उसकी तादाद, वह अमाउंट इतना कम होता है कि अगर उससे बिल्डिग की रिपेयर करें तो उससे कुछ भी नही हो सकता, क्योंकि डैमेजिज बहुत ज्यादा होते हैं । इसलिए एजुकेशन डिपार्टमैंट विचार कर रहा है कि बिल्डिग फण्ड को अमलगामेट

करके उन बिल्डिग्ज की रिपेयर की जाये, जहां ज्यादा रिपेयर की जरूरत है ।

चौधरी सन्त कंवर : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि अगर बरसात से पहले स्कूलों की रिपेयर नहीं कर पाते तो बच्चों को कहीं बैठाने का इन्तजाम एजुकेशन डिप, र्टमैंट करेगा?

कर्नल राव राम सिंह : सिंचाई मन्त्री ने बाढ़ के बारे में काफी कुछ कहा है और मेरे ख्याल में इस दफा हरियाणा में बाढ़ को रोकने का काफी प्रबन्ध किया जा रहा है । अगर फिर भी कोई बाढ आई, तो उसका पक्का बन्दोबस्त हरियाणा सरका र करेगी ।

स्वामी आदित्य वेश : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि 49 स्कूल बिल्डिग्ज की जो मुरम्मत की है, वह किस–किस किले की बिल्डिग्ज हैं?

श्री अध्यक्ष : यह तो बता दिया गया हैं ।

चौधरी खुरशीद अहमद : जैसा कि एजुकेशन मिनिस्टर साहब ने बताया कि फ्लड से डैमेज बड़ा एक्सटैंसिव हुआ है, क्या इस डैमेज को पूरा करने के लिए सरकार ग्रांट भी एक्स– टैंसिव और एक्स्ट्रा–आर्डिनरी क्रिएट करेगी ताकि इस सिचुएशन को मीट किया जा सके?

कर्नल राव राम सिंह : इस साल 20 लाख रुपया की मांग की थी, जिसमें से 10 लाख रुपया सैक्शन होचुका है और

इस्तेमाल हो चुका है । जिसका इस्तेमाल अभी नहीं हुआ है, उसको बिल्डिंग्ज की रिपेयर के लिए एलाट कर दिया गया है । अगले साल 80 लाख रुपए की मांग की है । I would like to give the number of schools district-wise for the repairs of which funds have been sanctioned. In fact, this information is already given in Statement II. मेरे एक दोस्त ने डिन्ट्रिक्ट व ईज मांग की थी, उसकी स्टेटमैंट रिप्लाई के साथ लगी हैं, आप पढ़ सकते है ।

चौधरी ईश्वर सिंह : गवर्नमैंट मिडल और हाई स्कूलों की बिल्डिंग्ज को पी0डब्ल्यू0डी0 के अण्डर लाया जा रहा है, क्या प्राइमरी स्कूलों को भी पी0डब्ल्यू0डी0 के अन्डर लाने की कोई स्कीम है?

कर्नल राय राव सिंह : गवर्नमैंट की पालि–सी है कि हर जगह जहां पर गवर्नमैंट का स्कूल चल रहा है, उसकी लैण्ड को, बिल्डिग को टेक–ओवर किया जाएगा । ग्रामीण पंचायतों को बार–बार रिक्वैस्ट कर रहे हैं कि वे पंचायत में रैजोल्यूशन मूव करके, पंचायत की तरफ से उस बिल्डिग और लैण्ड को एजुकेशन डिपार्टमैंट को गिफ्ट कर दिया जाए । इसके बाद जब एजुकेशन महकमा उनको टेक ओवर कर लेता है तो एजुकेशन महकमा उस बिल्डिग को टेक–ओवर करने के लिए भी पी0डब्ल्यू 0 डी0 को लिखता है । एक दफा पी0डब्ल्यू0डी0 जब बिल्डिग को टेक–ओवर

कर लेता है तो उस बिल्डिग की जिम्मेवारी पी0डब्ल्यू0 डी0 की हो जाती है ।

श्री फतेह चंद विज : जो इवैक्यू बिल्डिग्क हैं, जिन को सरकार ने खरीद–लिया है, उनकी मुरम्मत करवाने के लिए क्या सरकार के पास कोई योजना है?

कर्नल राव राम सिह : मेरे दोस्त ने जो सवाल पूछा है, वह इस सवाल से पैदा नही होता, इसके लिए सैप्रेट नोटिस दें, जवाब दे दिया जाएगा ।

श्री हीरा नन्द आर्य : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि रिपेयर के लिए जो उन्होंने अमाउंट बताया है, क्या वह सफिशिएंट है या नही? किसी बिल्डिग को रिपेयर करने कें–लिए अमाउंट अलाट करने का क्या क्राइटेरिया है? क्या प्रायारेटी के आधार पर दिया जाएगा? कौन रिपोर्ट करेगा कि किस बिल्डिग कई हालत कितनी खराब है?

कर्नल राव राम सिंह : किस आधार पर डिमांड करेंगे, इसके लिए डिस्ट्रिक्ट एजुकेशन आफिसर हैं, जिनसे रिपोर्ट मांगी गई है कि कौन कौन से स्कूल डैमेज हुए हैं, कितना एस्टीमेट है–। वह एस्टीमैट बनाकर भेजते हैऔर एजुकेशन डिपार्टमैंट यह सारी इनफर्मेशन कुलैक्ट कर लेता है जहां तक प्रायरिटी का ताल्लुक है, जिन स्कूलों की छत गिरने वाली है, एक्सीडैटं का खतरा पैदा होता है, उनको रिपेयर में प्रायरिटी दी जाती है ।

श्रीमती शकुन्तला भगवाडिया : जो हायर सैकेण्डरी स्कूल है, उनमें बहुत से स्कूल ऐसे हैंरू जिन में बच्चों को वैठने के लिए जगह नहीं है । क्या ऐसे स्कूलों की बिल्डिगें इस स्कीम के तहत नहीं आएंगी?

कर्नल राव राम सिंह : यह सवाल तो बाउ से डैमेज हुए स्कूलों के बारे में है । लेकिन फिर भौं मैं' जवाब दें देता. हूं कि जे'।. एजुकेशनल इंस्टीच्यूशन्ज हैं–हाई, स्कूल, हायर सैकेण्ड्री स्कूल हैं, मिडल स्कूल हैं, इनकी बिल्डिंग्ज की हालत बहुत खराब है । इस पर एजुकेशन डिपार्टमैंट गौर कर रहा है । जैसा कि मैंने बताया कि बिल्डिग फण्ड को अमलगामट कर रहे हैं और उन्हीं बिल्डिंग्ज के लिए पैसा देना ठीक होगा, जहां हालत बहुत खराब है और वहां नई बिल्डिंग्ज बनाने कीव्यवस्था की जाएगी या रिपेयर की जाएगी ।

श्री लहरी सिंह महरा : कुछ स्कूलों में बहुत डैमेज हुआ है और उनका एस्टीमेट बन कर भी आ गया है । इतना डैमेज हुआ है कि बच्चे आकाश की नीली छतरी के नीचे बैठे हैं । क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि इनके बैठने का क्या इन्तजाम किया जाएगा?

कर्नल राव राम सिंह : जिन सवालों का जवाब मैं दे चुका हूं उनमें यह सवाल कवर हो जाताहै । लेकिन– मैं फिर दोहरा देता हूं कि जितना पैसा मिला हैउसके अनुसार जो रिपेयर

हो सकती हैवह करवाई जा रही है? करवा भी चुके हैं और आगे केलिए भी करवाएंगे । अगले अल 80 लाख रुपए की मांग की गई है और यह रुपया फ्लड इफैक्टिड स्कूलो की रिपेयर के लिए सफिशिएंट होगा ।

चौधरी संत कंवर : मैं आप से पूछना चाहता हूं कि जब तक बिल्डिग की रिपेयर का इन्तजाम नहीं होता तब तक क्या सरकार उन बच्चों को किसी प्राइवेट बिल्डिग में, किराए की' बिल्डिग में या टैटं लगाकर बैठाने का इन्तजाम करेगी?

कर्नल राय राम सिंह : यह बहुत अच्छा सवाल है, मैं मैंबर साहिबान से रिक्वैस्ट करूंगा कि वे उन का इन्तजाम करने में सहयोग दें, गांवों में चौपाले होती हैं, धर्मशालाएं होती हैं और भी जगहें होती हैं । अपने अपने हलके में ऐसी जगह देखकर बच्चों को बैठाएं या मैंबर साहिबान एजुकेशन डिपार्टमैंट को कोई अच्छा सा सुझाव दें, मैं उनका धन्यवादी हूंगा ।

कामरेड शंकर लाल : क्या मन्त्री जी बताने की कृपा करेंगे कि रतिया सिरसा आदि नाले जो बहते हैं और उनसे जो स्कूलों को नुक्सान हुआ है, वे भी बाढ़ के अन्दर आ जाते हैं? –(विघन)–

कर्नल राव राम सिंह : स्पीकर साहब, यह प्रश्न क्लीयर नहीं है ।

Mr. Speaker : Yes, it is not clear.

चौधरी राम किशन : क्या मन्त्री महोदय बताने का कष्ट करेंगे कि डिस्ट्रिक्ट जीन्द में खासकर सफीदों और कलायत का जो एरिया है, जो कि बहुत भारी फ्लड अफैक्टिड है और जिसकी वजह से कई सौ स्कूल बरबाद हुए हैं, इनमें से कितने स्कूलों की मुरम्मत का इन्तजाम किया गया ?'

कर्नल राव राम सिंह : स्पीकर साहब, डिस्ट्रिक्ट वाईज लिस्ट मैंने दी हुई है । उसके मुताबिक डिस्ट्रिक्ट जीद के 28 स्कूल अफैक्टिड थे । इन्होंने जो कहा कि जिला जींद फ्लड से बहुत बैडली अफैक्टिड है इसके बारे में तो मैंने आंकडे दिये हुए हैं । उनके अनुसार गुड़गांव में 167, महेन्द्रगढ़, में 97, कुरुक्षेत्र में 38, जींद में 20, रोहतक में 129 और सोनीपत में 62 स्कूल अफैक्टिड हैं ।

चौधरी खुरशीद अहमद : क्या मिनिस्टर साहब यह बताएंगे कि टोटल डैमेज जो स्टेट में स्कूल की बिल्डिग्ज का हुआ. उसका एस्टिमेट कितना आपके पास आया और स्कूल बिल्डिग बनाने के लिए ग्रांट की सैक्शन के लिए कितनी डिमांड हर डिस्ट्रिक्ट से आपके पास आई?

कर्नल राव राम सिंह : जो टोटल डैमेज हुआ है उसकी फिगर इस वक्त मेरे पास नहीं है । I will let you know the figures. परन्तु जो पैसा– हमको अलाट हुआ है, उसके बारे में मैं आपको बता देता हूं । पिछले सालकी साढ़े पांच लाख रुपए की

नार्मल रिपेयर ग्रांट थी । इसके अलावा हमने 20 लाख रुपए की डिमांड की थी, जिसमें से दस लाख. रुपया एडिशनल अलाट हुआ था । इस साल के लिए एक तो साढ़े पांच लाख रुपए की नार्मल रिपेयर ग्रांट होगी और इसके अलावा 80 लाख रुपए की और डिमांड की है ।

श्री अध्यक्ष : बाकी डिटेल्ज पे कल परसों तक आपको बता देंगे ।

के देवी दास : सोनिपत डिस्ट्रिक्ट में मन्त्री महोदय ने 82 स्कूल फ्लड से अफैक्टिड बताए हैं । क्या चे बताएंगे कि उनमें से कितने स्कूलों की म्उरम्मत होचुकी है और बाकी स्कूलो की मुरम्मत कब तक हो जाएगी?

कर्नल राव राम सिह : स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि सोनीपत डिस्ट्रिक्ट में 62 स्कूल डैमेज हुए हैं । जहां तक रिपेयर का सवाल है वहां अभी तक एक भी स्कूल की बिल्डिग रियेयर नहीं हुई है, लेकिन जो पैसा सैक्शन हुआ है, उसमें से एक स्कूल की बिल्डिग के लिए पैल एलोकैट कर दिया गया है ।

चौधरी लाल सिंह स्पीकर साहब, स्कूलों के बारे में मेरा एक बहुतें जरूरी सवाल था । मैंने रिक्वैस्ट भी तीन दफा की, परन्तु आपने मेरी तरफ देखा ही नहीं ।

श्री अध्यक्ष : आप अलग से बात करना, अच्छे रहोगे । अगला प्रश्न श्री संत कंवर जी का है । **चौधरी जगजीत सिंह पोहलू :** स्पीकर साहब, मेरे प्रश्न संख्या 258 का क्या हुआ.

श्री अध्यक्ष : उसके लिए ऐक्सटैंशन दी गई है ।

Benefits to Ex-Servicemen

***258 Chaudhri Jagjit Singh Pohloo :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the benefits being provided to the Ex-servicemen in the State at present; and

(b) whether it is a fact that some posts in Class I, II, III services in the State have been reserved for Ex-servicemen; if so, whether such posts have been filled in by Ex-servicemen according to their reserved quota ?

Mr. Speaker : Extension has been asked for in respect of this question which has been granted. The communication received in this connection from the Minister concerned is as under :—

अस. क्रमांक 1698–2 जी.उस. –II–78/10

देवी लाल मुख्य मन्त्री, हरियाणा सरकार,

चण्डीगढ ।

दिनाक 27— 2— 78

तारांकित विधान सभा प्रश्न 258

प्रिय श्री रण सिंह,

तारांकित विशन सभा प्रश्न 258 का. उतर विधान समा कार्य सूची के अनुसार दिनाक 1—3— 1978 को देय है ।

इस प्रश्न में वांछित सूचना सभी विभागों में एकत्रित की जा रही है । सूचना को प्राप्त करने में कुछ समय लगने की सम्भावना है । अतः मेरी प्रार्थना है कि इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए आप कृपया एक मास का समय देने की कृपा करें ।

सादर सहित,

श्री रण सिंह,

आपका

अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा,

(हस्ताक्षर)

चण्डीगढ ।

(देवी लाल)

Drains to Avoide Floods

***247 Chaudhri Sant Kanwar :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the steps being taken

by the Govt. to dig out drains in the flood affected areas of the Hassangarh constituency to avoid any further loss of the villages caused by the recent floods in the constituency ?

सिंचाई तथा बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह :) : राज्य सरकार ने हसनगढ़ चुनाव क्षेत्र में निम्नलिखित ड्रेने खोदे जाने का निर्णय लिया है –

(1) कुलताना–छुडानी, बपनियां ड्रेन का बनाना ।

(2) गांधरा ड्रेन की रि–मॉडलिंग करना ।

(3) पाकस्मा ड्रेन की रि–मॉडलिंग करना ।

(4) वैस्ट जुओं ड्रेन की रि–मॉडलिंग करना ।

(5) कन्हेली ड्रेन की आर–डी–4000– 6000 तक पीचिंग करना ।

(6) बलियाना लिंक ड्रेन ।

चौधरी सन्त कंवर : क्या मन्त्री जी बताएंगे कि कुलताना ड्रेन कहां से शुरू की जाकी?

श्री वीरेन्द्र सिंह : सांपला से ।

चौधरी सन्त कंवर : क्या इन नहरों को कंटूर के हिसाब से बना रहे हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : सारी ड्रेनज कन्टूर के हिसाब से बना रहे हैं । अगर मैंबर साहबान को कोई शिकायत हो, तोवे मेरे नोटिस में लादे ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : क्या मन्त्री महोदय बताने का कष्ट करेंगे कि जिन ड्रेनज का इन्होंने जिक्र किया है इनमें से कितनी ड्रेनज के पर काम शुे हो चुका हे? (विघन) –

श्री वीरेन्द्र सिंह : कुलताना–छुडानी–बपनिया ड्रेन पर तो अभी काम' शुरू रू नहीं किया गया, री–मॉडलिग का काम बहुत जल्दी शुरू किया जाने वाला है, पिचिंग का काम भी शुरु किया जाने वाला है और बलियाना लिंक–ड्रेन पर काम शुरू किया जा चुका है ।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मारफत मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि मेरे प्रश्न संख्या 258 का जवाब कौन सी डेट को मिल जाएगा ।

श्री अध्यक्ष : वह आप मेरे से पूछ लेना, क्योंकि उसकी ऐक्सटैशन की मैंने इजाजत दी है ।

चौधरी सन्त कंवर : अध्यक्ष महोदय, हमें बाढ से बहुत डर लग रहा है । इस वजह से मैं मन्त्री महोदय से पूछ रहा हूं कि क्या ये ड्रेनज अगली बरसात आने तक पूरी कर ली जाएंगी?

श्री वीरेन्द्र सिंह : जहां तक कुस्ताना–छुडानी–बपनिया ड्रेन का ताल्लुक है, यह अगली बरसात तक मुकम्मल नहीं हो सकती, क्योंकि सात सौ क्यूसिक्स कैपे सिटी की यह ड़ेन बनेगी और इस पर 134 लाख रुपया खर्च होगा । री –मॉडलिंग आफ गांधरा ड्रेन पूरी कर दी जाएगी । री–माँडलिंग आफ पाक्समा ड्रेन पूरी कर दी जाएगी । री–मॉडलिंग आफ वैस्ट जुआ ड्रेन पार्टली पूरी हो जाएगी । इसका 85 लाख रुपए का ऐस्टीमेट है । कइनाली ड्रेन का पीचिंग वर्क पूरा हो जाएगा । इसी तरह बलियाना लिंक ड्रेन पूरी कर दी जाएगी ।

चौधरी मेहर सिंह राठी : क्या मन्त्री महोदय बताएगे कि दिल्ली रोहतक रोड पर बहादुरगढ़ मन्त्री के पास जो पुल है, उसे चौड़ा करने की कोई स्कीम है, क्योंकि वहां पानी बहुत रुकता हे?

श्री वीरेन्द्र सिंह : यह कौन सी ड़ेन पर हे?

चौधरी सन्त कंवर : यह वैस्ट जुआ ड्रेन पर है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : उसको चौड़ा किया जा रहा है ।

चौधरी हरि चन्द हूडा : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जसैया ड्रेन पर मकडौली वाली जो थली है, उसकी लाइनिंग के लिए क्या सरकार सोच रही है जो कई गांव के पानी को रोकती है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस सवाल का अलग नोटिस होना चाहिए, क्योंकि ये तो जसैया में ही रहते हैं और मैं वहां कभी–कभी जाता हूं ।

श्री जय नारायण : क्या मन्त्री जी बताएंगे कि कलानौर और चिड़ी ब्लॉक्स के अन्दर भी फ्लडज को रोकने का इन्तजाम किया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के सदस्यों को दुबारा यह आश्वासन दिलाना चाहता हूं कि जो भी फ्लड अफैक्टिड एरियाज हैं, हमने उन सबकी स्कीमें तैयार की हैं, और सब जगह फ्लड को रोकने का पूरी तरह से प्रबन्ध किया जाएगा ।

10. 00 बजे ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : क्या मिनिस्टर साहब बताएंगे कि जिन ड्रेनों का उन्होंने यहां जिक्र किया है, उनके लिए हसनगढ कांस्टीच्युएंसी में जमीन एक्वायर कर ली गई हे?

श्री वीरेन्द्र सिंह : नयी ड्रेन सिर्फ दो बननी हैं, बलियाना और कुलताना । इन ड्रेनों के लिए कार्यवाही चालू है । जमीन एक्वायर करने में दिक्कत आने वाली नहीं है । मैं खुद जाकर लोगों को मना लूंगा ।

श्री रघुनाथ गोयल : जो पुरानी ड्रेने हैं, और जिन पर पुल नहीं हैं, जौने के लिए रास्ते 'भी नहीं हैं, क्या मिनिस्टर साहब बताने का कष्ट करेंगे वहां पर पुल बनाए जाएंगे?

श्री वीरेन्द्र सिंह : जहां पर बहुत तकलीफ है, उनको सुविधा दे ने की कोशिश की जाएगी ।

श्री भले राम : मन्त्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि जो पुरानी ड्रेन्ज हैं, उनकी पानी निकलने की कैपेसिटी कम हो गई है, क्योंकि उनमें काफी मिट्टी भर गई है, क्या उनकी सफाई की जाएगी?

श्री वीरेन्द्र सिंह : जहां भी आश्वयकता होगी, उनकी सफाई की जाएगी ।

Consumer Store

***268. Shri Har Swarup Bura :** Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Consumers Store at Meham; if so, the time by which the same is likely to be opened there ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : No.

चौधरी हरस्वरूप बूरा : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि लोगों की डिमांड को देखते हुए नए कंज्यूमर स्टोर खोलने के लिए सर्वे करवाया गया है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : कोई डिमाण्ड महकमे को नहीं आई है ।

चौधरी खुरशीद अहमद : क्या मन्त्री जी बताएंगे कि जब किसी जगह पर नया कन्ज्यूमर स्टोर खोलना हो तो क्या क्राइटेरिया रखा गया है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : कन्ज्यूमर स्टोर की मांग तो लोगों ने करनी होती है । पहले जब को– आप्रेटिव स्टोर खोले जाते थे, तो सैन्टरली स्पौंसर्ड स्कीम के तहत बोलते थे । जिस नगर या शहर में पचास हजार या इस से अधिक आबादी हो, वहां पर स्टोर खोल दिया जीता था । अब हमने इस पालिसी में कुछ रिलेक्सेशन दे दी है । अब जहां से भी मांग आएगी, वहां पर कन्ज्यूमर स्टोर खोल दिया जाएगा ।

चौधरी सन्त कंवर : यहां पर पचास हजार या उससे पर की आबादी तो शहरों में ही हो सकती है । मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या देहातों के अन्दर भी कन्ज्यूमर को–आप्रेटिव स्टोर खोलने की कोई स्कीम जे रें–गौर है जहां पर पचास हजार से कम आबादी हु?

श्री वीरेन्द्र सिंह : अब हमने पचास हजार की आबादी में रिलैक्सेशन इन–पालिसी कर दी है । अब चाहे दो हजार की आबादी हो, वहां पर स्टोर खोल सकते हैं ।

श्री जय नारायण वर्मा : क्या मन्त्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि कन्ज्यूमर स्टोर जो सामान खरीदते हैं, वे सीधा उत्पादक से खरीदते हैं या व्यापारियों से खरीदते हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : कन्ज्यूमर स्टोर में जो सामान खरीदा जाता है वह व्यापारियों से नही खरीदा जाता है । अगर कोई ऐसी शिकायत है तो आप नोटिस में लाएं ।

श्री मूल चन्द मंगला : क्या मन्त्री महोदय बतलाएंगे कि हरियाणा में कुल कितने कन्ज्यूमर स्टोर है, कितने स्टोर्ज में फायदा हो रहा है और कितने में घाटा हो रहा है?

Mr. Speaker : No need to reply

श्री देवी दास : क्या मिनिस्टर साहब के नोटिस में यह बात है कि कन्ज्यूमर स्टोर उत्पादक से नहीं खरीदते हैं, बल्कि व्यापारियों से खरीदते है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : आपके नोटिस में ऐसी बात है तो शिकायत करें, इनक्वायरी करा लेंगें?

चौधरी गजराज बहादूर नागर :को–आप्रेटिव सोसाइटी के जो स्टोर हैं, उन्के डायरैक्टर पहली सरकार ने नियुक्त किए थे और वे ही आज तक बंगलिग करते चले आ रहे हैं, तो क्या उन पर कन्ट्रोल करने का सरकार का विचार है?

श्री वीरेन्द्र : कोई शिकायत आएगी, तो कानूनी ऐक्शन लेंगे। हम पहले वाली सरकार की तरह से गैर–कानूनी काम नहीं करते ।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह : को–आप्रेटिव कन्ज्यूमर स्टोर सस्ते दाम पर सामान मुहैया करने के लिए हैं । क्या मन्त्री महोदय बताएगे कि हरियाणा में कन्ज्यूमर स्टोर अपने माल को बाजार के भाव पर बेच रहे हैं या इससे मंहगा बेच रहे हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : कन्ज्यूमर स्टोर उन दिनों माल सप्लाई करता है, जब माल की शार्टेज हो, हालांकि हमें उसमें घाटा भी उठाना पड़ता है । जनता के रिलिफ के लिए यह घाटा बरदाश्त करना पड़ता है ।

श्री वीरेन्द्र सिंह : मेरा सवाल यह नहीं है ।

Co-operative Sugar Mills at Jind

***236 Shri Ram Kishan :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any scheme under consideration of the Government to set-up a Co-operative Sugar Mills at Jind; if so, the time by which it is likely to be set-up ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : Jind is one of the places under consideration for setting up the Sugar Mills in the State.

चौधरी संत कंवर : क्या मिनिस्टर साहब बताएंगे किं जींद के अलावा भी किसी जगह शुगर मिल बनाने की योजना हे?

श्री वीरेन्द्र सिंह : : जींद को भी अभी चुना नहीं है, यह भी अन्डर–कन्सीड्रेशन है ।

श्री भले राम : गोहाना के एरिया में बहुत अधिक गन्ना होता है तो मैं मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं कि वहां भी शुगर मिल लगाने की योजना है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : मैंबर साहिबान कल से शुगर मिल के बारे में काफी चिन्तित हैं, कि कहां– कहां लगाए जा रहे है । जहां–जहां पर मिल लग। ने का मामला अन्डर कन्सीड्रेशन है, उन जगहों के नाम बता देता हूं ताकि मैंबर साहिबान को दूह विश्वास हो जाय कि ये–ये जगह अन्डर कन्सीड्रेशन हैं । जींद, गोहाना, मेहम, पलवल, शाहबाद और बराडा में मिल लगाने की जगहों के बारे में मामला अन्डर–कन्सीड्रेशन है ।

चौधरी शेर सिंह : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि मिल लगाते समय यह क्राइटेरिया भी सामने रखेंगे कि जिस एरिया– में गन्ना ज्यादा होता हो वहां पहले लगाया जाए?

श्री वीरेन्द्र सिंह : प्रायरिटी बाद में फिक्स की जाती है पहले लाईसैस लिए जाते हैं ।

राव वीरेन्द्र सिंहः क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि नये शुगर मिल को लगाने का फैसला करने से पहले इस बात को देख लिया हए कि जो एग्जिस्टिग शुगर मिल्ज हैं, उनमें क्रशिंग कैपेसिटी के मुताबिक गन्ना पेला जा रहा है या कम पेला जा रहा है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : इस समय हरियाणा में को–आप्रेटिव शुगर मिल्ज चार हैं । सारे के सारे मिलों में कैपेसिटी के हिसाब से गन्ना पेला जा रहा है ।

श्रीमती शान्ती देवी : : स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मिनिस्टर साहब से' यह पूछा चाहती हूं कि सोनीपत शुगर मिन की 12 हजार किवटल गन्ना प्रतिदिन क्रशिंग कैपेसिटी है परन्तु 3–4 की रेशो के हिसाब से लिया जा– रहा है, ऐसा क्यों किया जा रहा है?

श्री वीरेन्द्र सिंह : इसके बारे में काल–अटैशन मोशन आई हुई है । इस बारे में जल्दी ही जवाब देने वाला हूं ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : क्या मन्त्री महोदय बताएंगे कि जींद जिले के अंदर कौन–सी जगह चुना है जहां पर यह मिल बनेगी? (हसी)

Electricity connections given to Agricultural Tubewell

***282. Chaudhri Shiv Ram Verma :** Will the

Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number of electric connections given to agricultural tubewells in Karnal and Kurukshetra Districts, separately during the period from 1st April, 1977 to 31st December, 1977;

(b) the number of tubewells to which electric connections are likely to be given in the districts as referred to in part (a) above, during the period from 1st January, 1978 to-date ;

(c) the number of electic connections given for the improvement of Kaller Land out of those referred to in part (a) above; and

(d) the number of electric connections given to the tubewells installed on Kaller Land out of those mentioned in part (b) above?

Irrigation and Power Minister (Sh. Verender Singh)

STATEMENT

(a) Distract No. of Agriculture tubewells energised from 1-4-1977 to 31-12-1977

Karnal 2297

Kurukshetra 1501

(b) District No. of agriculture tubewells likely to be

(c) energised from 1-1-1978 to 28-2-1978

Karnal	800 (approximately)
Kurukshetra	500 (approximately)

(d) District No. of electric connections given for improvement of Kallar Land out of those referred in part 'a' above.

Karnal	444
Kurukshetra	40

(e) District No. of tubewells likely to be energised Kallar Areas out of those referred in part 'b' above.

Karnal	70
Kurukshetra	10

चौधरी शिबराम वर्मा : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इन दोनों जिलों में उनके पास अलग–अलग तौर पर कितनी–कितनी टैस्ट–रिपोर्टस पैंडिंग पड़ी हैं, जिनके लिए लोग कनैक्शन देने की मांग कर रहे हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : करनाल में 31–1–1 978 तक 1, 815 टैस्ट रिपोर्टस पैंडिंग पड़ी हुई थीं और कुरुक्षेत्र में 1, 497 टैस्ट–रिपोर्टस 3 1– 1– 1978 तक पैडिंग पड़ी हुई थीं ।

श्रीमती शान्ती देवी : : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि सोनीपत की क्या पोजीशन हे?

श्री वीरेन्द्र सिंह : किस बारे में? (विघन)

कंवर राम पाल सिंह : मन्त्री महोदय ने यह तो बता दिया कि इतनी–इतनी टैस्ट रिपोर्टस पैंडिंग पड़ी हैं लेकिन क्या वे यह भी बता–नें का कष्ट करेंगे कि उनके पास टैस्ट–रिपोर्टस कब आईं और कितनी देर से पैडिंग पड़ी हैं महकमे के पास?

श्री वीरेन्द्र सिंह : सर, यह डैटा तो इस समय मेरे पास नहीं है कि कब यह रिपोर्टस आयीं और कितनी देर से यह पैडिंग पड़ी हैं, लेकिन एक बात मैं सदन को और आनरेबल मैंबर को यह बताना चाहता हूं कि 3 क्य 9– 1 977 तक जो एग्प्लीकेशन्ज महकमे के पास आई हुई हैं, उन सब को 3 1– 3– 1978 तक कनैक्शन देने की पूरी कोशिश की जाएगी । (थम्पिग)

चौधरी गंगा राम : स्पीकर साहब, सबसे पहले तो मैं आपसे यह प्रार्थना करूंगा कि आप मेरी तरफ भी थोड़ा ध्यान दे दिया करो क्योंकि अब यहां पर सुरेन्द्र नहीं बैठा –बल्कि मैं बैठा हूं ।

श्री अध्यक्ष : मुश्किल यह है कि वह कहते हैं कि मैं आपकी तरफ ज्यादा ध्यान देता. हूं । खैर, आप सवाल पूछिए ।

चौधरी गंगा राम : मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि हरियाणा के जिन इलाकों में टयूबवैल लग ही नहीं सकते, क्या उन इलाकों की नहरों में पानी की माता बढ़ाई जाएगी?

श्री वीरेन्द्र सिंह : पानी आने दो साहब, जरूर कुछ न कुछ सोचा जाएगा ।

चौधरी शिव राम वर्मा : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जितने. ' कुनैक्शन उन्हेंने देने थे, वे तो दे दिए, लेकिन जितने भी नए कनैक्शन दिए जा रहे हैं, या वे अमी देने वाले हैं, उनको बिजली आवश्यकता–नुसार पूरी देने का प्रबन्ध किया जाएगा?

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, बिजली तो अब भी पूरी मिल रही है । जैसे कि कल भी मैंने बताया था कि हमारी और भी नई स्कीमें हैं, नए यूनिट्स कमीशन होने वाले हैं, नए प्रोजैक्ट्स लगा रहे हैं । मेरे कहने का मतलब यह है कि हम साथ–साथ ही उत्पादन बढ़ाने का प्रोग्राम बनाकर उसी हिसाब से चल रहे हैं ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि कही उनके पास मीटरों की शार्टेज तो नहीं है अगर शार्टेज है तो उसको कैसे पूरा किया जाएगा?

श्री वीरंन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मीटरों की शार्टेज तो, है क्योंकि महकमे को मीटर्ज नहीं मिल रहेहैं । इसलिए अब लोगों को यह कहा जा रहा है कि जौ भी मीटर उन्हें अवेलेबल हें, वह उन्हें ले आएं ।

श्री हीरा नन्द आर्य : मन्त्री महोदय ने यह तो बता दिया कि 24 घंटे बिजली दे रहें है, लेकिन वह लो–बोल्टेंज होने की वजह से टयूबवैल्ज की मशीनें सड़ रही हैं, क्या इस समस्या के बारे मेंकोई विचार कर, उसका प्रबन्ध कर रहे हैं या नहीं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : ऐसी कोई शिकायत हमारे पास अभी तक तो आई नहीं । अगर कोई बताएगा तो जरूर कुछ न कुछ सोचा जाएगा ।

कंवर राम पाल सिंह : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि टैस्ट रिपोर्ट आने और कुनैक्शन मिलने में जो कई बार महीनों और सालों लग जाते हैं, इस अर्से को फिक्स करने के बारे मे विचार किया जाएगा कि इतने महीने के अन्दर जरूर कुनैक्शन मिल जाना चाहिए?

श्री वीरेन्द्र सिंह : जरूर विचार किया जाएगा ।

चौधरी लाल सिंह : मैं मन्त्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि नारायणगढ में टयूबवैल कुनैक्शन कब मिलेगा? – (हंसी)–

चौधरी शिवराम वर्मा : : जैसा कि मन्त्री महोदय ने बताया कि मीटर्ज की कमी है और इस समस्या का हल अभी तक नहीं हो पाया है । क्या वह मीटर सिस्टम को समाप्त करके फलैट रेट सिस्टम, जैसे कि पंजाब ड़े चालू है, लगाने के लिए तैयार हैं?

श्री वीरेन्द्र सिंह : मैंने कल भी बताया– था कि यह मामला अभी अन्डर कन्सीड्रेशन आफ दी गवर्नमैंट है ।

चौधरी हरस्वरूप बूरा : मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जब महकमें को मीटर मिल नहीं रहे हैं तो लोग बेचारे कहां से लाएंगे? जब आपको पता है कि बाजार में मिल जाते हैं तो महकमें को खरीदने में क्या कठिनाई है ?

श्री वीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, महकमे को तो इन–लम्प–सम खरीदने पड़ते है. जिन फर्मों से हम खरीद सकते हैं उनके पास माल है नहीं । तारांकित प्रश्न सं0 297

यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि माननीय सदस्य, श्री देवेन्द्र शर्मा सदन में उपस्थित नहीं थे ।

Hospital at Dhanana

***320. Shri Tek Ram :** Will the Minister for Food

and Supplies be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that the buildings of Hospitals at Dhanana, Bond and Chang have been completed and are ready but a doctor and medicines have not been provided so far; and

(b) If so, the time by which the doctors and other staff will be posted there and the medicines provided ?

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा :).

(ए) रूरल डिस्पैंसरी धनाना में दान की गई बिल्डिंग में कार्य कर रही है। और प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र, बौंदकलाए और डिस्पैसरी चांग सरकारी भवनों में कार्य कर रहे हैं ।

(बी) उपरोक्त प्रत्येक डिस्पैसरी/स्वास्थ्य केन्द्र में उचित माता में दवाईयां उपलब्ध की गई हैं । इन स्वास्थ्य केन्द्र/डिस्पैसरियों में अधिकांश स्टाफ कार्य कर रहा है । और रिक्तियों को शीघ्र भरने का प्रयत्न किया जा रहा है ।

श्री टेक राम : क्या मन्त्री महोदया यह बताएगी कि धनाना में जो रूरल डिस्पैसंरी है, उसको प्राइमरी हैल्थ सैन्टर बनाने का कोई विचार है?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : अभी ऐसा कोई विचार नहीं है ।

चौधरी संत कंवर : क्या मन्त्री साहिबा यह बताने की कृपा करेंगीं कि अगर कोई गांव प्राइमरी हैल्थ सैन्टर के लिए बिल्डिंग दे दे तो क्या आप उस गांव में प्राइमरी हैल्थ सैन्टर खोलने की कृपा करेगी?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा :: यह तो विचार करने की बात है । और बजट की एलोंकेशन के बाद ही सोचा जा सकता है ।

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, अगर इस तरह का सवाल लोक सभा में पूछा जाए तो उसका स्पष्ट उत्तर आता है । –(विघन)–

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : सर, केन्द्र ने एक क्राइटेरिया बनाया हुआ है कि एक ब्लाक मेंही हम प्राइमरी हैल्थ सैन्टर खोलते हैं । इसमें अगर कोई तबदीली करनी है तो कैबिनट डिसीजन या केन्द्र की इजाजत लेने के बाद हीकुछ किया जा सकता है । – (विघन)––

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, इस प्रकार से छोटे देहात तो सारे रेह जाएंगे क्योंकि किसी भी देहात की आबादी 2 5, 000 की नहीं होगी । इसका मतलब तो यह हुआ कि छोटे देहातों में तो प्राइमरी हैल्थ सैन्टर खोले ही नहीं जाएंगें ।

श्री अध्यक्ष : यह प्राइमरी हैल्थ सैन्टर तो 10,000 की आबादी वाले गांव में भी खुले हुए हैं ।

चौधरी संत कंवर : स्पीकर साहब, लोक सभा में कोई भी मिनिस्टर इस तरह का अस्पष्ट जवाब दे नही सकता । मेरी गुजारिश है कि मन्त्री महोदया स्पष्ट जवाब दें ।

श्री अध्यक्ष : मेरा ख्याल है कि मिनिस्टर साहिबा फिर से विचार कर लें । ऐसी क्या बात है? –(विघन)–

चौधरी मेहर सिंह राठी : क्या मन्त्री महोदया यह बताने की कृपा करेंगी कि मेरे हल्के में एक गांव असौंध है, वहां के लोगों ने दरखास्त भी दी हुई है, वहां पर 40, 000 की आबादी है और वे बिल्डिग भी दे रहे हैं. वहां पर कब तक प्राइमरी हैल्थ सैन्टर खोलने पर विचार किया जाएगा?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : बजट में इस साल जो भी हैल्थ के बारे में एलोकेशन होगी, उसके अनुसार ही हम और अधिक प्राइमरी हैल्थ सैन्टर खोलने पर विचार करेगे, जहां तक इस गांव का सम्बन्ध है, इस पर अवश्य विचार कर लिया जाएगा ।

चौधरी उदय सिंह दलाल : स्पीकर साहब, मैं वजीर साहिबा को एक बात बता0 कि जहां तक आबादी का सवाल है.

श्री अध्यक्ष : यह तो पूछने का टाईम है । बताने का टाईम थोड़ी देर बाद (विघन) –

चौधरी उदय सिंह दलाल : मैं मन्त्री महोदया से यह कहना चाहता हूं कि आपको एक ब्लाक में कम से कम एक

प्राइमरी हैल्थ सैन्टर तो जरूर खोलना चाहिए । मेरे गांव के अन्दर आबादी भी बहुत है लेकिन वहां पर अभी तक कोई भी प्राइमरी हैल्थ सैन्टर नहीं है । शहरों में तो छोटे–छोटे वार्डों में कई–कई डाक्टर बैठा रखे हैं लेकिन वहां पर एक प्राइमरी हैल्थ सैस्टर भी नहीं है, इसका क्या कारण है?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : हर ब्लाक में हमने एक प्राइमरी हैल्थ सैन्टर खोला हुआ है । हरियाणा में तो 87 ब्लाक हैं और 89 सैन्टर खुले हुए हैं ।

चौधरी राम किशन : क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि प्रान्त के अन्दर कितने प्राइमरी हैल्थ सैन्टर्ज हैं और क्या उनके अन्दर स्टाफ पूरा है और अगर पूरा नहीं है तो कब तक पूरा कर दिया जाएगा?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : स्पीकर साहब, प्रान्त के अन्दर 87 प्राइमरी हैल्थ सैन्टर्ज हैं और लगभग सब के अन्दर पूरा स्टाफ है और जहां–जहां कमियां हैं, हम इन्टव्यूज लेकर पूरी कर रहे हैं ।

श्री जय नारायण : राज्य के सरकारी अस्पतालों औरे प्राइमरी हैल्थ सैंन्टर्ज में दवाईयों की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण मरीजों को बाजार से दवाई लाने के लिए कहा जाता है । क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि दवाईयों की कमी का क्या कारण है?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : स्पीकर साहब, 197 7– 78 के स्टेट प्लान के अन्दर टोटल बजट का 1 9 परसैन्ट हैल्थ के लिए दिया गया था । उसके अनुसार हम दवाईयां दे रहे हैं । लगभग 82 पैसे पर–कैपिटा हिस्से में आता है । अगर इस बार बजट में ज्यादा मिल जाएगा, तो हम ज्यादा दवाईयां दे देंगे ।

श्री देवी दास : सोनीपत के अन्दर अस्पताल के लिए जमीन एक्वायर की गई थी और वहां पर अस्पताल बनाने का प्रोग्राम था । क्या मन्त्री महोदया बताने का कष्ट करेंगी कि वहां अस्पताल बनेगा या वह खटाई में पड़ गया है?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : यह बिल्कुल सैप्रेट क्वैश्चन है ।

चौधरी संत कंवर : क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि एक प्राइमरी हैल्थ सैन्टर में कितने डाक्टर और कितनी नर्सिज होती हें?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : एक प्राइमरी हैल्थ सैन्टर में निम्न स्टाफ हाता है –

मैडिकल आफिसर्ज	3
फार्मासिस्ट्स	2
ए–एल.एम / स्टाफ नर्स / दाई	8

हैल्थ इंस्पैक्टर्ज	3
लेडी हैल्थ विजिटर वैक्सीनेटर्ज ड्राइवर	1
फैमिंत्री वैलफेयर खन्ड वरकैर्ज	4
फैमिंत्री वैलफेयर एक्टैशन एजुकेटर	1
टीबी. मल्टीपर्पज वर्कर	1
बेसिक हैल्थ वरकर्ज	12
स्मालपॉक्स सुपरवाइजर	1
कमप्यूटर	1
लेबॉरेटरी असिस्टैंट	1

श्री अध्यक्ष : जो चीज अवेलेबल है उसके बारे में सवाल पूछना ठीक नहीं है, क्योंकि टाईम बहुत कीमन्त्री है और कम है ।

श्री जय नारायण : कलानौर के अन्दर 1 5 हजार से भी ज्यादा आबादी है, क्या वहां पर प्राइमरी हैल्थ सैन्टररू खोलने का सरकार का कोई विचार है?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : यह पहले आ चुका है ।

चौधरी लाल सिंह : मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि जहां लोग बहुत गरीब हैं और वे दवाईयां भी नहीं

खरीद सकते और जहां पर आबादी भी कम है, वहां पर भी सरकार का हस्पताल खोलने का विचार है?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : जरूर किया जाएगा । आप लिखकरदें । हमें पूरा ध्यान है, हम इन्तजाम करेंगे ।

चौधरी शिव राम वर्मा : स्पीकर साहब, कई प्राइमरी हैल्थ संन्टर्ज में एक्स–रे ऐप्रेट्स तो हैं, लेकिन वहां पर कोई ट्रेड रेडियोग्राफर नहीं है । इसके कारण वहां पर जो मशीन है, वह खराब हो रही है । क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगीं कि क्या ट्रेंड रेडियो– ग्राफर शीघ्र भेजने का इन्तजाम किया जाएगा?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : यह ठीक है कि रेडियोग्राफर्ज की कमी– है । जिस वक्त हम पोस्ट एडवरटाईज करते हैं, तो बहुत कम लोग आते हैं लेकिन यत्न कर रहे हैं कि जहां कमी है वहां पूरी की जाए ।

चौधरी ईश्वर सिंह : क्या मन्त्री महोदया बताने की कृपा करेंगी कि प्राइमरी हैल्थ सैटर्ज में समान रूप से दवाई क्यों नहीं दी जाती और एक प्राइमरी हैल्थ सैन्टर में कितने रुपए की दवाई दी जाती है?

श्रीमती डाक्टर कमला वर्मा : एक प्राइमरी हैल्थ सैन्टर में 8 हजार रुपए की प्लान्ड और 6000 की नान–प्लान्ड दवाई दी जाती है और एक सब–सैन्टर में दो हजार की दवाई दी जाती हैं ।

Octroi

***345. Ski Mange Ram Gupta :** Will the Minister for Industries be pleased to state whether it is a fact that octroi duty on salt is being charged in Jind city while bringing it from the outside ?

उद्योग मन्त्री (डाक्टर मंगल सैन) : नमक पर चूगीकर चार्ज किया जाता था, अब इसको समाप्त कर दिया गया है ।

श्री मांगे राम : क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह कर अबरू' भी चार्ज किया जाता है?. –

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, जब जनता सरकार आई, तो मैनैं पूछा कि यह नमक पर चुंगी कैसी? चूंकि यह पहले वाले लोगों ने लगाई थी और यह पुरानी चलौ आ रही थी ' हमने आते ही उसको खत्म कर दिया ।

Factories getting quota in Karnal District

***326. Lala Balwant Rai Tayal :** Will the Minister of Industries be pleased to state the number of factories in Karnal District which are getting quota from the Industries Department together with the quota got by them from 1.1.1977 to 31.3.1977 and 1.4.1977 to 30.4.1977 respectively and names of the items for which the quota was given to them ?

Industries Minister (Dr. Mangal Sein) : The statement at Annexure 'A' is laid on the table of the House.

ANNEXURE 'A'

Period		Item	No. of Factories	Quota Allotted
1-1-1977 to 31-3-77	1.	Steam Coal	114	394 Wagons
	2.	Paraffin Wax	10	6.750 M.T.
	3.	Mutton Tallow	5	19.064 M.T.
	4.	Cement	Nil	No quota holder of Cement at Karnal District
1-4-1977 to 30-4-77	1.	Steam Coal	41	112 Wagons
	2.	Paraffin Wax	6	3.062-1/2 M.T.
	3.	Mutton Tallow	Nil	
	4.	Cement	Nil	No quota holder of Cement at Karnal Distt.

लाला बलवन्त राय तायल : स्पीकर साहब, स्टेटमैंट को देखने से पता लगता है कि करनाल में कोई सीमेंट का कोटा होल्डर नहीं है । क्या मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि सरकार ने सीमेंट से कट्रोल खत्म कर दिया है या सीमेट का कोटा लेना लोग पसन्द नहीं करते?

डाक्टर मंगल सैन : अध्यक्ष महोदय, मेरे आदरणीय मित ने 1– 1–1977 से 31–3– 1977 तक तया दूसरे 1– 4– 1977 से 3–4– 1977 तक के समय की बाबत पूछा है । यह पुरानी बात है । अब अगर कोई डिमांड होगी तो जरूर देंगे ।.

Accidents of Haryana Roadways Buses

***324. Rao Dalip Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of accidents took place of the buses of the Haryana Roadways during the years 1975-76, 1976-77 and 1977-78 to–date ;

(b) the number of lives lost in the accidents referred to in para (a) above; and

(c) the amount of loss suffered by the Haryana Roadways in value in the accidents as referred to in part (a) above ?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री जगन नाथ :) : (क), (ख), (ग) कथन सदन की मेज पर रखा जाता है–

कथन

	दुर्घटनाओं की संख्या
(क) 1975–76	240

1976—77	315
1977— 78	303
(अप्रैल 77 से दिसम्बर 77)	

जो दुर्घटना में मारे गए

(ख) 1975— 76	159
1976— 77	188
1977— 78	128
(अप्रैल— 77 से दिसम्बर— 77)	

हरियाणा रोडवेज की जो हानि हुई

(लाखों में)

(ग) 1975— 76	4. 83
1976—77	7. 94
1977— 78.	7.80
(अप्रैल— 77 से दिसम्बर—7 7)	

राव दलीप सिंह : स्पीकर साहब, 197 5–7 6 में 240 ऐक्सीडेन्ट हुए, 197 6–7 7 में 315 ऐक्सीडेन्ट हुए और 1977–7 8 में 303 ऐक्सीडेन्ट होना बताया गया है । इस तरह से ऐक्सीडेन्ट की रफ्तार बढ़ती जा रही है । कहीं ऐसा तो नहीं कि बसों की मैन्टीनेंस ठीक न हो या ड्राईवर्ज को पूरी सहुलियतें न दी जा रही हों जैसे मकान, भत्ता आदि । क्या पार्लियामेन्टरी सेक्रेटरी साहब ज्यादा ऐक्सीडेन्ट होने का कारण बताने की कृपा करेंगे?

श्री जगन नाथ : स्पीकर साहब, 1976– 77 में 315 ऐक्सीडेन्ट हुए और 1977–7 8 में 303 हुए तो इस प्रकार कम ऐक्सीडेन्ट हुए हैं । यह सवाल तो मारुति के बारे में होना चाहिए था ।

राव दलीप सिंह : स्पीकर साहब, 197 5–7 6 में 159 मौतें हुई, 1976–77 में 188 मौतें हुई और 197 7– 78 में 128 मौते हुई । क्या पार्लियामेन्टरी सेक्रेटरी साहब बताने का कष्ट करेंगे कि मरने वालों को क्या कोई मुआवजा दिया जाता है और अगर दिया जाता है तो कितना?

श्री जगन नाथ : मुआवजा दिया जाता है और वह मुआवजा पांच हजार रुपए है ।

श्री फतेह चन्द विज : क्या चीफ पार्लियामेन्टरी सेक्रेटरी महोदय बताने की कृपा करेंगे कि ज्यादा ऐक्सीडेन्ट होने का

कारण कहीं यह तो नहीं कि पिछली सरकार ने अपने चहेतों को भर्ती कर लिया हो?

श्री जगन नाथ : उन्होंने ज्यादा ऐक्सीडेन्ट करवाए तभी तो उनका ऐक्सीडेन्ट हो गया ।

Shamlat Land under Cultivation

***333. Shri Des Raj :** Will the Minister for Revenue be pleased to state the district-wise and block-wise total area of Shamlat Land under Cultivation in the State and its income during the years 1974-75, 1975-76, 1976-77 to 31st December, 1977.

Mr. Speaker : * Extension has been asked for in respect of this question which has been granted. The communication received in this connection from the Minister concerened is as under :-

Tara Singh, D.O.No. SI (DPH)-78/9086

Development Minister, Haryana. Dated Chandigarh, the 28.2.78.

Subject :- Starred Assembly Question No. 333.

My dear

The starred Assembly Question No. 333 by Shri Des Raj, M.L.A. has been fixed for answer on 1.3.78. The reply to the Assembly Question is not ready as the required information is awaited from the Deputy Commissioners/Block Development and Panchayat Officers.

I shall be grateful if you kindly extend the time for answering the question under proviso (2) of Rule 41 (II) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Punjab Legislature Assembly, 1950. This question may be included in the list of questions for any date after 31st March, 1978.

With regards,

Yours sincerely,

Sd/-

(Tara Singh)

Brig. Ran Singh,

Speaker, Haryana Vidhan Sabha, Chandigarh.

A.C.Rs of Engineers

***354. Dr. Brij Mohan Gupta :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that the A. C. Rs. of Engineers are being countersigned by the Deputy Commissioners or S.D.Os (Civil); and

(b) if so, whether the Government intends to change this procedure so as to get them countersigned by the officer of their own department ?

Chief Minister (Chaudhri Devi Lal) :

(a) The reports of Engineers are written and countersigned by their departmental superiors. However, Deputy Commissioners and Sub-Divisional Officers (Civil)

record their remarks on certain limited aspects e.g. reputation for honesty, relationship with the public and contribution towards implementation of development schemes and Government policies.

(b) It is not intended to change the existing procedure.

डाक्टर वृज मोहन गुप्ता : स्पीकर साहब, जनता सरकार के आने पर हरियाणा में पुलिस डिपार्टमेंट की ए 0 सी 0 आरज0 उनके डिपार्टमेंट को दे दी गई लेकिन दूसरे डिपार्टमेंट की ए 0 सी 0 आर 0 एक ही व्यक्ति के हाथ में हैं और उत्तर में यह भी बताया गया है कि इस प्रोसीजर को अभी चेन्ज करने की इंटेन्शन नहीं है । मैं मुख्य मंडी महोदय से पूछना चाहता हूं कि एक तरफ तो हम डिसेन्ट्रलाईजेशन आफ पावर की बात करते हैं और दूसरी तरफ हमने पावर्ज सेन्ट्रलाईज की हुई हैं । अभी पावर एक ही हाथ में हैं । यह भी कहा जा रहा है कि इस प्रोसीजर को चेन्ज करने का कोई इरादा नहीं है । ये दो गों बातें यानी डिसेन्ट्रलाईजेशन आफ पावर और सेन्ट्रलाईजेशन आफ पावर आपस में मेल नहीं खातीं ।

चौधरी देवी लाल : जैसा कि मैंने बताया है कि तीन आसपेक्ट्स यानी रेपूटेशन फार आनेस्टी, रिलेशनशिप विद पब्लिक और कन्ट्रीब्यूशन टूअर्ड्ज इम्ंत्रीमेन्टेशन आफ डिवेलपमेन्ट स्कीम्ज और गवर्नमेंट पालिसीज–इन मामलात पर तो डी मी0 रिपोर्ट देगा और बाकी आस्पेक्ट्स पर डिपार्टमेंट के हैड्ज रिपोर्ट देंगे । यह

इसलिए जरूरी है कि डिवेलपमेंट वर्क्स बगैर कोआर्डीनेशन के ठीक ढंग से चल नहीं सकते ।

श्री लछमन सिंह : जब सरकार टेक्नोक्रेट्स की ए 0 सी0 आर 0 डिप्टी कमीश्नर से लिखवाती है तो क्या मुख्य मन्त्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि जो टेक्नोक्रेट्स के चीफ हैं या हैड हैं वे काबिले एतबार नहीं हें?

चौधरी देवी लाल : टेक्निकल रिपोर्ट तो उनकी हैल्प से लिखी जाती है ।

Mr. Speaker : The Question Hour is over.

नियम 45 के अधिन सदन के पटल पर रखे गये तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Water Supply Connections

***362. Shri Ran Singh Maan :** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the number of direct water supply connections given in the villages falling under the jurisdiction of Dadri Public Health Division at present; and

(b) the number of existing connections for which there is no regular or departmental sanction ?

सिंचाई एवं विद्युत मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) :

(ए) 245

(बी) शून्य

Flow of River Yamuna

***359. Kanwar Ram Pal Singh :** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) whether it is a fact that during the last rainy season, the flow of River Yamuna near village Mundigarh and Baledha in Karnal Sub-division had changed its course towards Haryana side resulting in erosion of a considerable agricultural land of Haryana State;

(b) if so, the total agricultural land eroded since the last rainy season ; and

(c) the steps being taken by the Government to prevent the soil erosion in future ?

राजस्व मंत्री (श्री प्रीत सिंह) : (ए) हां ।

(बी) गांव मुन्दीगढी –2 7 एकड़ ।

गांव बलेडा – 65 एकड़ ।

(सी) इस कार्य के लिए सिंचाई विभाग ने एक योजना बनाई है जिस पर 9. 44 लाख रुपए खर्च होने की संभावना है । यह राज्य बाढ़ कन्ट्रोल बोर्ड द्वारा अनुमोदित की जा चुकी है तथा इस स्कीम को शीघ्र ही कार्यान्वित किया जाएगा ।

Block and Panchayats Samitis in the State

***363. Shri Mool Chand Jain :** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) the total number of Block and Panchayat Samitis in the State togetherwith the names thereof;

(b) the number and names of the Block and Panchayat Samitis but of those referred to in part (a) above whose term have expired; and

(c) the number of Block Samitis at present whose Chairmen are Government Employees.

विकास एवं पंचायत मन्त्री (सरदार तारा सिंह) :

(ए)तथा (बी) 87 संख्या तथा नाम इत्यादि स्टेटमैंट में दिए गए हैं जो विधान सभा के सम्मुख रखा गया है ।

(सी) शून्य ।

STATEMENT

Names of the Blocks/Panchayat Samitis in the Haryana State District-wise.

District AMBALA

1. Ambala
2. Barara
3. Bilaspur

4. Chhachhrauli
5. Jagadhri
6. Naraingarh
7. Pinjore
8. Raipur Rani

Distt. BHIWANI

1. Bhiwani
2. Dadri-I
3. Dadri-II
4. Badhra
5. Loharu
6. Tosham
7. Bawani Khera

Distt. GURGAON

1. Ballabgarh
2. Ferozepur Jhirka
3. Faridabad
4. Gurgaon
5. Hodel
6. Hathin

7. Nuh

8. Pataudi

9. Punhana

10. Palwal

11. Sohna

Distt. HISSAR

1. Bhuna

2. Barwa la

3. Fatehabad

4. Hissar-I

5. Hissar-II

6. Hansi-I

7. Hansi-II

8. Narnaund

9. Ratia

10. Tohana

Distt. JIND

1. Jind

2. Julana

3. Kalayat

4. Narwana

5. Rajaund

6. Safidon

7. Uchana

Distt. KARNAL

1. Assandh

2. Charaunda

3. Karnal

4. Madlaud a

5. Nilokheri

6. Nissang

7. Pani pat

8. Smalkha

Distt. KURUKSHETRA

1. Guhla

2. Ladwa

3. Pundri

4. Shahbad

5. Thanesar

6. Kaithal

Distt. MOHINDERGARH

1. Ateli Nangal
2. Bawal
3. Kanina
4. Khol
5. Mohindergarh
6. Narnaul
7. Nangal Chaudhry
8. Rewari
9. Jatusana

Distt. ROHTAK

1. Beri
2. Bahadurgarh
3. Jhajjar
4. Kalanaur
5. Meham
6. Nahar
7. Rohtak
8. Sahalawas
9. Chiri

10. Sampla

Distt. SONEPAT

1. Ganaur
2. Gohana
3. Mundlana
4. Rai
5. Sonepat
6. Kathura
7. Kharkhauda

Distt. SIRSA

1. Dabwali
2. Baragudha
3. Sirsa
4. Rania

Payment of Sales Tax

***402. Master Shiv Parshad : Will** the Minister for Finance be pleased to state—

(a) the district-wise amount of interest realised from the traders for remitting the amount of sales-tax late during the year between the period from 1-4-1977 to 31-12-

1977 by the Haryana Sales Tax Department ;

(b) the district-wise amount paid as interest to the traders on account of issuing late the Refund Adjustment Orders and Refund Vouchers during the year 1977 upto 31-12-1977;

(c) the number of Refund Vouchers or Refund Adjustment Orders issued three months after the receipt of applications togetherwith the district-wise details thereof; and

(d) whether the interest was paid to traders thereon; if not, the reasons therefor ?

Finance Minister (Chaudhri Satbir Singh Malik) :

(a) Total amount of interest realised is Rs. 8,84,154.50 and District-wise break-up is laid on the table of the House.

(b) Nil.

(c) 50. District-wise break-up is laid on the table of the House.

(d) No interest was paid to traders, on account of reasons given below :—

(i) The delay in granting Refunds in some cases is beyond the control of assessing authorities. It has been observed that the delay quite often takes place on account of the fact that the appellant assessees apply for refund immediately after the announcement of the decision in the appeals whereas there is always some time lag between the date of

announcement of the orders and the date on which the order is communicated by the appellate authorities. If this period is excluded, the number of cases in which delay has occured in issuing Refund Vouchers/ Refund Adjustment Orders would be very few.

(ii) The delay in issuing Refund Vouchers/Refund Adjustment Orders also sometimes occur on account of the fact that the applications received for the issue of Refund are in the first instance incomplete or these are not filed in accordance with the provisions of law.

(iii) The delay sometime occurs on account of time taken in verification of original payments made in different treasuries.

(iv) Interest has also not been paid because the concerned dealers did not ask for the same.

(a) STATEMENT

Sr.No	Name of the District	The district-wise amount of interest realized from the traders for remitting the amount of Sales Tax late during the year between the period from 1-4-1977 to 31-12-1977 by the Haryana Sales Tax Department.

		Rs.
1.	Ambala	1,35,512.00
2.	Bhiwani	2,761.00
3.	Faridabad	4,06,979.00
4.	Gurgaon	19,237.00
5.	Hissar	25,765.50
6.	Jind	14,879.00
7.	Karnal	66,971.00
8.	Kurukshetra	1,64,236.00
9.	Mohindergarh	284.00
10.	Rohtak	19,335.00
11.	Sirsa	11,983.00
12.	Sonepat	16,212.00
		8,84.154.50

(b) STATEMENT

Sr. No.	Name of the District	The number of Refund Voucher or Refund Adjustment Orders issued three months after the receipt of applications together-with the district-

wise details thereof.

1.	Ambala	32
2.	Bhiwani	Nil
3.	Faridabad	Nil
4.	Gurgaon	4
5.	Hissar	Nil
6.	Jind	Nil
7.	Karnal	Nil
8.	Kurukshetra	Nil
9.	Mohindergarh	7
10.	Rohtak	2
11.	Sirsa	5
12.	Sonepat	Nil
		50

अतारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Provision of Bus Service

41. Swami Aditya Vesh : Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to provide bus service to each village of the State together with the No. of villages which are

likely to be provided bus service during the year 1978; and

(b) whether there is also a proposal under consideration of the Govt. to nationalise the Capital and Mewat Bus Services in Gurgaon ?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल :) :

(क) परिवहन विभाग का यह प्रयत्न रहा है कि राज्य के प्रत्येक गांव में जहां सड़क पक्की बन चुकी है वहां बस सुविधा उपलब्ध की जाये । इस प्रकार के गांवों की सूचना एकत्रित की जा रही है ।

(ख) हरियाणा राज्य में परिवहन का शत–प्रतिशत राष्ट्रीयकरण हो चुका है । कैपिटल एवं मेवात कम्पनियों की बसें देहली राज्य में रजिस्टर्ड हैं । इसलिये इन बसों का राष्ट्रीयकरण करने का कोई प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता ।

Loss of Cattle Wealth

42. Swami Aditya Vesh : Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) whether it is a fact that some dangerous disease of cattle spread out in Mewat Area in the recent past;

(b) if so, whether it is a fact that 5000 cattle heads died in the said area and out of those 3000 died in Hathin area alone;

(c) whether it is a fact that no precaution was

taken before hand by the veterinary department and even ordinary medicines like Himalaya Vathissa and stomach powder were not available in the veterinary dispensaries; and

(d) if so, whether the Government intends to make an enquiry in the matter and to fix the responsibility for the negligence ?

विकास एवं पंचायत मंत्री (सरदार तारा सिंह):

(क) जी हां ।

(ख) जी नहीं–केवल 75 पशु मेवात एरिया में खतरनाक बिमारी से मरे जिसमें से 25 हथीन इलाके के थे ।

(ग) जी नहीं । यह तथ्य ठीक नहीं हैं ।

(घ) प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता ।

Injecting concentrated Tetravalent

43. Swami Aditya Vesh : Will the Minister for Development & Panchayats be pleased to state whether there is any arrangement to inject concentrated tetravalent (OAC, ASIA/ Types) to the Cattle free of charge in the State, if not, the reasons therefor.

विकास एवं पंचायत मन्त्री (सरदार तारा सिंह) : नहीं जी । इसका कारण यह है कि यह एक कीमन्त्री वैक्सीन है । परन्तु फिर भी वैक्सीन की अधिक कीमत के दृष्टि– गत केन्द्रीय सरकार ने एक योजना चलाई है जिसके अनुसार वैक्सीन की 50

प्रतिशत कीमत पशु के मालिक द्वारा दी जाती है और शेष 50 प्रतिशत कीमत केन्द्रीय सरकार तथा राज्य सरकार 2रू1 के अनुपात में देते हैं । यह सबसिडि स्कीम केवल करनाल, गुडगावां, अम्बाला तथा कुरुक्षेत्र जिलों में ही लागू है ।

Scheme for Educated Unemployed

44. Swami Aditya Vesh : Will the Minister for Industries be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up an industry in every block of the State to provide employment to the educated unemployed youth, if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be implemented ?

उद्योग मंत्री (डाक्टर मंगल सैन) : नहीं । शेष प्रश्न उत्पन्न नहीं होता ।

Waters of Beas-Ravi

65. Shri Surrender Singh : Will the Minister for Irrigation **and** Power be pleased to state the stand taken by the Haryana Government on the question of distribution and carrying of the waters of BeasRavi particularly when the Punjab Government has declared that they will get the case reopened by the Central Government ?

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) : हरियाणा सरकार का रावी–व्यास के फालतू पानी के बटवारे के मामले में यह स्टैड है कि भारत सरकार का 1976 में इस बारे में लिया गया निर्णय अन्तिम है और पुनः उद्घाटित नही किया जा सकता।

Jawahar Lal Nehru Canal

66. Shri Surrender Singh : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total estimated cost of Jawahar Lal Nehru Canal together with the amount so far spent; and

(b) the date by which the canal referred to in part (a) above will be completed togetherwith the area likely to be irrigated by the said canal ?

सिंचाई एवं बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) :

(ए) जवाहर लाल नेहरू नहर परियोजना की कुल अनुमानित लागत 72. 77 करोड रुपये है जिसके समक्ष 3 1— 1 2— 1977 तक खर्च की गई धनराशि 36. 91 करोड़ रुपये है ।

(बी) यह परियोजना वर्ष 1980—8 1 के अन्त तक पूर्ण होने की सम्भावना है । इस नहर प्रणाली के अन्तर्गत कलचरेबल कमांड एरिया 2, 49, 902 हैक्टेयरज होगा और रावी—व्यास के फालतू पानी में हरियाणा के भाग का पानी मिलने के पश्चात् सतत स्पलाईज मिलने पर पूर्ण रूप से सम्मुन्नत होने के बाद संभावित सिंचित क्षेत्र 1, 5 4, 939 हैक्टेयरज है ।

Siwani Canal

67. Shri Surrender Singh : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the number of days for which the water was released in **B.** N.C./ Siwani Canal from July, 1977 up-to-date togetherwith the month-wise and

date-wise quantum of water so released ?

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : Water was released for 197 days in Siwani Canal from 1.7.1977 to 15.2.1978. Statement showing the month-wise and date-wise quantum of water released is placed on the table of the House.

STATEMENT

Statement showing daily/monthly quantum of water released for Sewani Canal System (including Nigana Feeder Stage-IV) from 1-7-77 to 15-2-1978 (in cusees)

Date	July 1977	August 1977	Sept. 1977	October 1977	Nov. 1977	Dec. 1977	Jan. 1978	February 1978	Remarks
1	113	63	271	272	137	217	193	115	
2	113	22	255	287	87	209	209	108	
3	185		281	295	57	115	62	M	
4	261		297	295		161	56	-	
5	307	-	279	299	-	177	56	201	
6	324		303	291	209	137	77	201	
7	322	-	295	279	185	87	63	201	
8	304	-	301	279	185	75	74	201	
9	312	75	297	275	245	177	100	201	

10	304	40	255	279	167	87	92	201
11	145	56	165	273	177	167	-	201
12	256	56	279	275	92	-	201	Lkg
13	225	51	287	279	89	-	264	-
14	221	46	263	283	89	-	285	-
15	209	36	201	279	89		193	-
16	153	36	129	291	89	-	209	-
17	69		94	299	134		193	
18	42	-	217	291	89	-	201	
19	51	-	201	295	89	201	107	
20	108	-	185	295	89	209	115	
21	193		193	287	88	201	94	
22	201	-	193	287	88	209	62	
23	185	-	193	209	88	258	48	
24	279	-	193	249	241	272	56	
25	169	161	247	193	285	209	35	
26	255	193	185	333	272	62	-	
27	271	217	263	209	212	-	-	
28	131	271	279	209	217	-	70	

29	140	263	287	201	217	193	77	
30	185	255	299	201	217	193	53	
31	80	255	--	180	-	177	77	
Total quantum of water released during the month (in Cs. days)	61132096		7187	8269	4283	3793	3322	1745-36808 Cs. Days
No. of days for which the water was leased	3117		30	31	28	22	28	10-197 days

re-

Hospital at Bhiwani

68. Ski Surrender Singh : Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state whether it is a fact that the Government had decided to built a 500 bedded hospital at Bhiwani if so, the time by which the said building of the hospital is likely to be completed ?

Food and Supplies Minister (Smt. Dr. Kamla Verma): It is a fact that the Government had decided to build a 500 bedded hospital at Bhiwani, In view, however, of the stringent financial position, the extension of the work has been restricted to 250 bedded hospital.

The building of 250 bedded hospital will be completed during the current year.

Minerals Factory at Narnaul

76. Sathi Ayodhya Parshad : Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) the total capital outlay of the factory functioning in the public sector in the name of Minerals Ltd. at Narnaul up-to-date togetherwith the total profit accrued and the loss suffered therefrom so, far;

(b) the total number of permanent and temporary labourers, employees and officers in the said factory, separately;

(c) whether strike took place in the said factory ;

if so, the total number of days for which the strike was held;

(d) whether the factory is running in loss; if so, the reasons thereof; and

(e) the quantity of stone being used as a raw material in the said factory and the place from where the same is acquired and whether the stone being used is of inferior or superior quality alongwith the position of the market demand of the material manufactured by the said factory ?

Industries Minister (Dr. Mangal Sain):

(a) Total gross capital assets of marble factory as on 31. 3. 1977. 10.82 lakhs

Total losses accrued upto 31.3.76. 12.45

Estimated loss from 1.4.76 to 31.3.76. (The balance sheet for 1.4.76 to 31.3.77 is under finalisation). 7.00 "

Total loss from 1.4.73 to 31 .3.77. 19.45 "

(b)

	Permanent	Temporary	Total
(a) No . of officers	1	2	3
(b) No. of employees.	8	22	

30

(c) No. of casual labour — —

405

(c) No

(d) Information at Annexure 'A' is attached, (e) Information at Annexure 'B' is attached.

ANNEXURE-'A'

Yes. The loss can be attributed to the following reasons :—

(i) Cutting expenses of marble are very high.

(ii) Bigger sizes of slabs are not received due to natural cracks in the marble blocks from which the slabs are prepared. The market for smaller sizes of marble is very uncertain.

(iii) The colour of marble slabs extracted by the marble factory is not uniform.

(iv) Machines installed in the factory for cutting marble slabs are of different sizes. These machines are out dated and the production is very low.

(v) Production of marble chips has been stopped as the deposits of pure white marble have been exhausted.

(vi) The tiles unit which was set up in 1975 is running below capacity as it has not been possible to develop regular market for these tiles till now

(vii) Frequent changes in the top management and some important posts i.e. Mining Engineer, Marketing Manager and Accounts Officer have been vacant for considerable length of time.

ANNEXURE—'B'

The quantity of stone used as raw material during 1976-77 is given below :-

(a) For production of marble slabs-2940 cft.

(b) For production of marble chips and powder-2544 tons.

The raw material is extracted from Anti-Beharipur mines which are located about 27 Km. from Narnaul.

2. The marble slabs available as raw material contain natural cracks with the result, bigger sized slabs cannot be produced. Besides, the cutting expenses are very high because of the fact that the stone is very hard and it contains high quantity of iron and Magnesium. Moreover the colour of the marble slabs is not uniform. The pure white marble which is required for the production of chips is not available. These factors do not help in the production of superior quality product.

3. The factory can produce small sized slabs for which there is not much demand which is also very uncertain.

Slab Stone Mine

80. Sathi Ayodhya Parshad : Will the Minister for

Industries be pleased to state—

(a) the annual income accrued from the Slab Stone Mine Golwa Tehsil Narnaul during the last ten years ;

(b) whether the Government is aware that there have been a decrease in the income as compared to some previous years ; if so, the reasons thereof ;

(c) whether it is a fact that this mine has been given on cheaper rates as compared to the rates on which it was given previously ; and

(d) whether there is any specific rule that either tenders should be invited or open auction should be held to give these mines on lease every year; if so, whether the necessary rules were observed to give these mines on lease ?

उद्योग मन्त्री, (डाक्टर मंगल सैन) :

(क) विवरणी (अनुबन्ध– 1) संलग्न है ।

(ख) विवरणी (अनुबन्ध–2) संलग्न है ।

(ग) विवरणी (अनुबन्ध–3) संलग्न है ।

(घ) विवरणी (अनुबन्ध–4) संलग्न है ।

अनुबन्ध–1

वर्ष	वार्षिक रायल्टी	बकाया राशि जो त्रैमासिक	कुल जोड़

		किश्तों में वसूल की गई	
1968-69			
1969-70			
1970-71			
1971-72	1764.00		1764.00
1972-73	2456.00	12345.00	14801.00
1973-74	4402.00	12345.00	16747.00
1974-75	2841.45	12345.00	15186.45
1975-76	7627.62	12345.00	19972.62
1976-77	2867.90	12345.00	15212.90
1977-78	3182.34	12345.00	15527.34

अनुबन्ध–2

जी हां । खनिज के उत्पादन के अनुसार रायल्टी प्रति टन ली जाती हैं । पट्टे– दार ने कम उत्पादन दिखाया है जिससे सरकार को कम रायल्टी आई ।

अनुबन्ध–3

जी हां । उपरोक्त समिति के पास इस खान का ठेका 41,00 0/– रुपये प्रतिवर्ष की दर से 11– 9– 1965 से

10—9—1970 तक के समय के लिए था । ठेके की राशि अदा न करने पर ठेके को समाप्त किया गया तथा इस समिति से 1, 2 9, 665. 50 पैसे वसूल किये जाने थे । इस समिति के सदस्यों की लिमिटिड जिम्मेवारी होने के कारण वसूली नहीं हो पाई । इस समिति को इस शर्त पर 10 वर्षो के लिए खनिज पट्टा प्रदान किया गया कि वह बकाया राशि 40 त्रैमासिक किश्तों में अदा करेगी ।

अनुबन्ध—4

नहीं ।

पंजाब माइनर मिनरलज कन्सैशन रूल्ज, 1964 में ऐसा कोई रूल नही जिसके अनुसार माइनिंग लीज देने के लिए या तो टैडंर मंगवाये जाये या खुली निलामी की जाये । इस सोसाईटी को निर्धारित प्रोफार्मा पर प्रार्थना पत की बजाय उस द्वारा पारित रैजोलूशन के आधार पर माईनिंग लीज प्रदान की गई ।

Lecturers in the State

88. Rao Dalip Singh : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the total number of lecturers in the state at present;

(b) the total number of lecturers confirmed out of those referred to in part (a) above ; and

(c) the total number of lecturers who have not been confirmed for more than three years and five years

separately and casewise reasons for not confirming them for such a long time ?

शिक्षा मन्त्री (कर्नल राव राम सिंह :) :

(बी) यह अनुमान किया. जाता है कि यह प्रश्न सरकारी महाविद्यालयों के प्राध्यापकों से सम्बन्ध रखता है । सरकारी सेवा में 676 प्राध्यापक हैं ।

(बी) 338

(सी) तीन वर्ष से अधिक सेवा वाले 97

पांच वर्ष से अधिक सेवा वाले 331

प्राध्यापकों के कुल 339 स्थायी पद हैं जिनके विरुद्ध 338 प्राध्यापकों को स्थायी किया जा चुका है । इनमें ऐसे 92 प्राध्यापक भी शामिल हैं जो कि इस समय बतौर वरिष्ठ प्राध्यापक स्यानापन्न तौर पर कार्य कर रहे हैं । एक स्थायी पद ऐसे प्राध्यापक के लिए आरक्षित रखा गया है जिसके विरुद्ध न्यायालय में केस लम्बित है ।

Compensation for Acquisition of Land for Jawahar Lal Nahru Canal

90. Rao Dalip Singh : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether it is in the notice of Government that compensation for land acquired for Jawahar Lal Nehru Canal has not been paid to the land owners so far; and

(b) the time by which the compensation as referred to in part (a) above is likely to be given ?

सिंचाई एव बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) जबकि कुछ भूमि–स्वामी, जिनकी भूमि जवाहरलाल नेहरु नहर के लिए अभिग्रहण की गई थी, को क्षति–पूर्ति की राशि का भुगतान किया जा चुका हैं, कुछ भूमि मालिकान को अभी मुआवजा की राशि दी जानी है ।

(ख) वांच्छित कार्यवाही की जा रही है और बकाया राशि का भुगतान, जितनी जल्दी हो सका कर दिया जाएगा ।

Breeders or Foundation Seeds

100. Shri Lehri Singh Mehra : Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the total quantity of Breeders or Foundation Seed allotted to Haryana Seed Development Corporation Ltd. by National Seed Corporation, Haryana Agricultural University, Hissar during the year 1976-77 ;

(b) the quantity of certified seed produced by the Corporation from the foundation seed as referred to in part (a) above ;

(c) the quantity of certified seed supplied by the

Seed Development Corporation to Haryana Farmers at the time of sowing i.e. September , 1977 ; and

(d) the quantity of certified seed sold out of the State by the Corporation during the year 1977 ?

सिंचाई एवं बिजली मन्त्री (श्री वीरेन्द्र सिंह) :

(मात्रा क्विटलों में)

		कल्याण सोना	सोना लिका	कुल
(ए) आधार बीज की कुल माला		625	3,283	3908
1 राष्ट्रीय बीज निगम से उपलब्ध		–	–	–
2. हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से उपलब्ध		–	–	–
3. अन्य स्त्रोतो से उपलब्ध ब्रीडर सीड		–	–	–
(बी) उपरोक्त आधार बीज से निगम द्वारा पैदा किये गये प्रमाणित बीज की मात्रा		13,505	59,880	73,385
(सी) हरियाणा बीज विकास निगम द्वारा हरियाणा के किसानों को रबी 1977 में दिये गये प्रमाणित बीज की माता	(1) गेहूं			
(डी) राष्ट्रीय बीज निगम अन्तर्राजिय बिक्री	कल्याण			5,857

के लिये दिये गये प्रमाणित बीज की मात्रा

सोना	
सोनालिका	36,209
एचडी. 2009	7,068
सी.– 306	1,568
एस.– 308	52
योग	50,754
(2) चना	
जी.– 130	13,312
सी–214	470
सी– 235	125
एच.–208	600
योग :	14,507
कल्याण	
सोना	7, 400
सोनालिका	23,127
योग	30527

ध्यानाकर्षण सूचना

Mr. Speaker : I have received a notice of a Call Attention Motion concerning the crashing of price of cotton and the hardship being faced by the cotton growers from Sarvshri, Bhajan Lal, Shankar Lal , Mool Chand Jain and Sukhdev Singh, M. L. As.

The motion is admitted.

Shri Bhajan Lal may please read his motion.

चौधरी भजन लाल : माननीय अध्यक्ष महोदय, बाजार में कपास की कीमत बहुत अधिक गिर जाने के कारण राज्य में कपास उत्पादकों को बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड रहा है, यहां तक कि किसानों को उनका उत्पादन मूल्य भी नही मिल रहा है । इसके साथ ही कपास खरीदने में भारत की कपास निगम कजूसी से काम ले रही है, जिसके कारण किसानों के स्टाक महीनों क्य कसर में बिना थिके पड़े रहते हैं–ऐसे स्टाक की माला तथा कवाल्टी में होने वाली हानि पूर्णतया स्पष्ट है ।

कपास उत्पादकों की दयनीय स्थिति इस बात की मांस करती है कि सरकार इस ओर तुरन्त ध्यान दे ।

Mr. Speaker : The Hon. Minister may please make the statement.

Irrigation and Power Minister (Shri Verender Singh) : The notice has been received just now. I beg some time for making the statement .

Mr. Speaker : When do you propose to make the statement ?

Shri Verendar Singh : Let it be after three days.

Mr. Speaker : Alright .

श्री हीरा नन्द आर्य : स्पीकर साहब, एक काल अटेन्शन मोशन मैंने भी दिया था।

श्री अध्यक्ष : उसका जवाब आपके पास जा चुका होगा ।

श्री हीरा नन्द आर्य : मेंरे पास तो अभी तक नहीं पहुंचा है जी ।

श्री अध्यक्ष : आप फिर कन्फर्म कर ले ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चचा (पुनरारम्भ) तथा धन्यवाद् प्रस्ताव पर मतदान

श्री अध्यक्ष :'. अब गर्वनर साहब के ऐड्रैस पर बहस करेंगे ।

स्वामी आदित्य वेश (हथीन): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए, कल मैंने कुछ बातों की ओर इस सभा का ध्यान आकर्षित किया था । मैं

चाहूगा कि कुछ और बातों का उल्लेख कर दिया जाता तो बड़ा कम्पलीट और कंप्रीहेनसिव अभिभौष हो जाता । उदाहरण के तौर पर मैं यह बताना चाहता हूं कि इस अभिभाषण में शराबबन्दी के बारे कोई खास उल्लेख नही किया गया । आज जबकि सारे देश के विभिन्न राज्यों ने मुरार जी भाई के आवाह्न पर नशाबन्दी का एलान किया है, मिसाल के तौर पर राजस्थान की सरकार ने अपने 28 जिलों में से सभी 18 जिलों में ड्राई (एरिया घोषित कर दिया है, उसी तरह से उत्तर प्रदेश ने अपने 56 जिलों में से 28 जिलों को ड्राई ऐरिया डिक्लेयर कर दिया है, गुजरात और मद्रास में भी इस, बारे में काफी अच्छे कदम उठाये गये हैं पर हमारी हरियाणा सरकार की तरफ से अभी तक ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है । मैं चाहूंगी कि अगर सरकार इसेको बन्द कर दे तो बहुत से देहाती भाईयों का भला होगा । आप जानते हैं कि थाथ लोग किस प्रकार से शराब पी पी कर झूम रहे हैं, गिर रहे हैं, इस सम्बन्ध में किसी ने कहा है कि–

नशा पिला कर गिराना तो सब को आता है,

मजा तो तब ' है कि गिरते को थाम ले सौकी ।

स्पीकर साहब, अगर हम चाहते हैं कि जनता का उत्थान हो, जनता का आर्थिक विकास हो तो चाहे हमें कितना भी नुकसान उठाना पड़े पर देहातों में कम से कम शराब के ठेकों को

अवश्य बन्द कर देना चाहिये जैसे आर्य समाज के प्रसिद्ध कवि श्री चन्द्र प्रकाश जी ने अपने बड़े सुन्दर शब्दों में कहा है–

धन माल बटोर चाहे जितना इस बात का ध्यान जरूर रहे,

अपना घर बसाने को औरों का घर बर्बाद न कर ।

अगर हम चाहते हैं कि जनता का भला हो तो मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि चाहे सरकार को शराब के ठेके बन्द करने से कितना भी नुकसान क्यों न हो, इस साल अप्रैल से देहातों में सारे शराब के ठेके बन्द कर देने चाहिये । इससे जनता पार्टी का गौरव ज्यादा 0ंचा होगा और मुरारजी भाई की दृष्टि में हरियाणा ही एक राज्य होगा जिसे सब से ज्यादा गौरव प्राप्त होंगा । अतः मेरा सरकार से निवेदन है कि कम से कम देहातों में पूर्णरूप से शराब के ठेकों को बन्द कर दिया जाए (इस समय थी उपाध्यक्ष महोदय पदासीन हुए ।)

डिप्टी स्पीकर साहब, इससे आगे मैं कहूंगा कि कई राज्यों ने दसवीं क्लास की शिक्षा को निशुल्क कर दिया है । उदाहरण के तौर पर बिहार और केरल सरकार ने ऐसा किया है । पंजाब के बाद आर्थिक सम्पन्नता में हरियाणा नम्बर 2 पर आता है, इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि यहां जो लोग 300 रुपये मासिक इन्कम ग्रुप के हैं उनके बच्चों के लिये निशुल्क शिक्षा 10वी क्लास तक कर दी जाए तो बहुत अच्छा होगा और इससे

पढ़ाई का ज्यादा से ज्यादा विकास होगा । इससे शिक्षा के स्तर की परसेन्टेज भी बहुत 0ंची होगी । इस से आगे मैं कहना चाहता हूं कि क्लास 3 और क्लास 4 एम्पलाइज की तरफ से बार बार हड़तालें होती हैं, वे लोग ज्यादा वेतन की मांग करते हैं । मैं चाहूंगा कि उनको भी सभी वही सहूलियतें जैसे आवास भत्ता महंगाई भत्ता, और चिकित्सा आदि की सहूलियतें, जैसे कि क्लास 1 और क्लास 2 के इम्पलाइज को दी जाती हैं, दी जाएं ताकि जो अराजकता का वातावरण हमारे राज्य में फैला हुआ है, वह खत्म हो । मैं यह समझता हूं कि इन सभी बातों का भी राज्यपाल के अभिभाषण में जिकर आना चाहिये था । इससे आगे डिप्टी स्पीकर साहब, मैं बताना चाहता हूं कि जब से जनता सरकार बनी है तब से चोरी, डकैती और कतल के मामले बहुत बढ़े हैं और पुलिस इतनी लापरवाह हो गयी है कि पलवल के थाने में से फरवरी के तीसरे सप्ताह में 2 डाकू भाग गये और अभी तक उनका जरा सा भी संकेत नहीं मिला कि वे कैसे, कहां और किस वातावरण में भागे और अभी तक सरकार ने इस सकध में कोई कदम नही उठाया । डिप्टी स्पीकर साहब, दिन दिहाडे हमारे हथीन हल्के के पहाड़ी ग्राम में डकैती का केस हुआ लेकिन इस सम्बन्ध में अभी तक सरकार की ओर से कोई कदम नहीं उठाया गया । मैं चाहूंगा कि सरकार पुलिस को और थोड़ा सक्रिय बनाये और जनता को और उत्साहित करने के लिये वी 0 डी 0 एस 0 स्कीम के अन्तर्गत लोगों को काफी बनूके' दी जाए, वालन्टरी टेर निंग दी जाए तो इससे ज्यादा लाभ होगा और अराजकता भी कम होगी ।

इससे आगे मैं यह चाहूंगा कि बहन को बाप की जायदाद में हिस्से के लिये जो गांव गांव में झगड़े हो रहे हैं, अगर इन झगड़ों को हमारी सरकार समाप्त कर दे तो मैं समझता हूं कि गांव गांव में जो अशांति का वातावरण फैला हुआ है और इससे जो भाई बहन का प्यार कम होता जा रहा है, इसमें काफी सुधार आ सकता है, अतः इस बारे में सरकार कोई न कोई कदम जरूर उठाये ।

डिप्टी स्पीकर साहब, आप देखेंगे कि पिछले दिनों में, शायद कल रात भी ओले पड़े हैं, जिसके कारण किसान की फसल का बहुत भारी नुकसान हुआ है, अतः इस अभिभाषण में भी किसानों की सहायता की बात भी अवश्य आनी चाहिये थी, इससे अभिभाषण को और चार चांद लग जाते । आपको पता है कि जब किसी कारखाने में जरा सी कमी आती है तो बड़ी बड़ी इंशोरेन्स कंपनियां उनको मुआवजा देती हैं, लेकिन किसान की फसल चाहे ओलों के कारण, या पानी की कमी के कारण, या फलड के कारण, या बिजली की कमी के कारण तबाह हो जाती है तो उसे किसी 'भी किस्म की राहत नहीं दी जाती । अतः मैं सरकार से कहूंगा कि किसान की फसल का भी इंशोरेन्स कराया जाए ताकि किसान भी निश्चिन्त होकर अपना उत्पादन बढ़ा सके । जिस प्रकार से कारखानेदारों को बिजली 7 पैसा से 11 पैसा पर–यूनिट के हिसाब से दी जाती है उसी निम्न दर से 'किसानों को भी बिजली दी जानी चाहिये लेकिन किसानों को 21 पैसे से 31 पैसे

पर–यूनिट के हिसाब से बड़े भारी. रेट्स पर बिजली दी जॉती है । इस प्रकार ये दो प्रकार की विषमताओं को समाप्त करने के लिये सरकार को कोई न कोई कदम उठाने चाहिये ताकि इससे किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो इससे किसानों का ज्यादा भला होगा ।

इससे आगे डिप्टी स्पीकर साहब आजकल हया–रें प्रान्त में बहुत से नौजवान बेरोजगार घूम रहे हैं । उन नौजवानों को सरकार रोजगार देने की व्यवस्था करें, यह मेरी प्रार्थना है । अगर रोजगार नहीं दिया जा सकता तो कम से कम जीवन निर्वाह करने के लिये सहायता अवश्य मिलनी चाहिए । मुझे बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि इससे तो वही नौजवान अच्छे है जोकि किसी को छुरा मारकर या जेब काटकर जेल में चले जाते हैं, वहां पर उनको रहने के लिये जगह मिलती है, भोजन की व्यवस्था होती है, दराई की व्यवस्था होती है लेकिन बेरोजगारी के मारे नौजवान दर दर की ठोकरें खाते मारे मारे फिरते हैं । अगर सरकार चाहती है कि हमारे राज्य में शांति हो, कतले कम हों, लूट मार कम हो तो पढ़े लिखे बेकार नौजवानों को रोजगार प्रदान करे तभी हमारा राज्य पूर्ण सम्पन्न होगा । कई दूसरे राज्यों में भी इस तरह की व्यवस्था की जा रही है अतः हरियाणा सरकार को भी इस तरफ पूरा पूरा ध्यान देना चाहिये ।

इसके इलावा मैं यह भी जिक्र करना चाहता हूं कि सरकार देहातों में स्माल स्केन इंडस्ट्री खोलना चाहती है पर हमारे

जो बैक हैं वे गांव के लोगों को रुपया देने में बड़ी अरुचि दिखा रहे हैं । अगर सरकार चाहती है कि गांव के लोगों को उद्योग धन्धे जल्दी से जल्दी दिये जाएं तो इसके लिये जरूरी है कि जिस प्रकार से बैक सरमाएदारों और कारखानेदारों को किसी– देरी किये बिना पैसा निकल कर दे देते हैं, उसी प्रकार जो हमारे नये–नये साथी उद्योग धन्धे करने के लिये आ रहे है, उनको भी उदारता के साथ पैसा दिया जाये । डिप्टी स्पीकर साहब, हमारे कछ नोटीफाईड एरियाज हैं, वे हैं तो गांव, पर उनको नोटीफाइड एरिया बना दिया गया है और इन एरियाज में जो हमारे नये–नये एन्टरप्रन्योर साथी हैं, उनको हर तरह की सहूलियतें नही दी जा रही हैं, जैसे कि एन्टरप्रन्योर को दी जाने की व्यवस्था है, उसी तरह नोटिफाईड एरिया के एन्टरप्रन्योर को सहूलियते दी जानी चाहिये । यह जो नोटिफाईड एरियाज कमेटी हैं, इनको गांव को इकाई समझा जाना चाहिये । गवर्नर साहब के अभिभाषण में यह भी बड़ा सुन्दर प्रोग्राम रखा गया है कि इस साल हम ऐसी 110 यूनिटों को लोन देंगे । यह प्रोग्राम सरकार ने बड़ा सुन्दर रखा है । लेकिन मुझे यह बात बड़े दुख के साथ कहनी पड़ती है कि गुड़गांव जिले में अभी तक केवल एक यूनिट को लोन दिया गया है और बाकी नई 60 यूनिटे तैयार हैं लेकिन उनमें से एक को भी नहीं दिया गया । हम गांव– गांव में जन–सभाओं में कहते हैं कि लोगों की तकलीफ को दूर किया जाएगा और उनको अपनी बात कहने का पूरा मौका दिया जाएगा वह तभी होगा जब हम इसकी ओर पूरी तरह से ध्यान देंगे । इसलिये मैं सरकार से निवेदन

करूंगा कि लोगों को जितनी जल्दी हो सके ये ऋण दिये जाए । इसी तरह से हर जिले में जो एक अच्छा हस्पताल बनाने की तवजीव है यह भी बहुत अच्छी. है । मैं चाहूंगा कि जिले में ही नही जल्दि हर विधान सभा क्षेत्र में एक एकं ऐसा हस्पताल होना चाहिये । आज. हमारे हस्पतालों में यह हालत है कि वहां पर बांधने के लिये पट्टी भी नहीं मिलेती । अभी मन्त्री महोदया ने प्रश्नोत्तर काल में बताया था कि हर हैल्थ सैटर को 6 हजार रु 0 की दवाइयां दी जाती हैं लेकिन मेरी समझ में नहीं आता कि वह दवाइयां कहां चली जाती हैं । हम तो यह देखते हैं कि किसी आदमी को अगर चोट आ जाती हैं तो' उसे चोट पर लगाने के लिए दवाई नही मिलती । इसलिये मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि स्वास्थ्य के लिये अगर वह अच्छी मावा में दवाइयां मुहैया करे तो इससे लोगों को बहुत फायदा होगा ।

इसी तरीके से हमारे मेवात के क्षेत्र में जो बांध बनाया जा रहा है वहां पर जो मजदूर काम करते है उनको 3. 40 रु 0 प्रति दिन के हिसाब से मजदूरी दी जाती है । उपाध्यक्ष महोदय, आप अन्दाजा लगाएं कि जिसके दों–चार बच्चे है वह 3. 40 रु0 में कैसे गुजारा कर सकता है । जब सरकार की तरफ से रे ट हा– रु 0 तय किया हुआ है तो उन बेचारों को ठेकेदार की तरफ से 3 40 रु 0 क्यों दिये जाते हैं । वहां पर ठेकेदार लोगों की गरीबी का नाजायज फायदा उठा रहे हैं । इसलिये सरकार इस तरफ ध्यान दे ।

इसके अलावा हमारी जो छठी श्रेणी से लेकर ग्यारवीं–बारहवीं श्रेणी तक की पाठ्य पुस्तके हैं उनमें कु छ शब्द जोड़ दिये गये हैं जिनके कारण बहुत विवाद हो रहा है । जैसे वेद, आर्य, अनार्य तथा सोम शब्दों की व्याख्या गल्त करवा दी गई है इसलिये ऐसे जो गल्त व्याख्या है, मैं चाहूंगा कि ऐसी व्याख्या को निकाल दिया जाए । इनसे लोगों को इधर उधर की भ्रांतियां पैदा हो रही हैं । हमारे देश के लोगों को इन पाठ्य पुस्तकों से जो हमारी संस्कृति के प्रति आकर्षण पैदा होना चाहिये था, वह नहीं हो रहा है इसलिये ऐसी व्याख्याओं को हटाया जाए । हमारे देश के जो बडे बड़े विद्वान हैं उनकी सलाह से इन पुस्तकों में सही व्याख्या का इस्तेमाल किया जाए । उपाध्यक्ष महोदय, ये कुछ मोटी मोटी बाते थीं जिनकी ओर मैंने सदन का ध्यान आकर्षित किया है और मुझे पूर्ण आशा है कि सरकार इनकी ओर अवश्य ध्यान देगी ।

श्री गुलजार सिंह (राजौंद) : आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का बड़े जोश और प्यार से स्वागत करता हूं । इस अभिभाषण में हमारी स्टेट की भलाई के लिये बहुत ही अच्छी बातें बताई गई हैं । अभी पीछे जो हमारी स्टेट में फलड आया उसने सैकड़ों साल पिछले रिकार्ड को मात कर दिया । इसके साथ साथ हमारी हरियाणा सरकार ने और खास कर हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने भी इस भयंकर और खतरनाक फ्लड का मुकाबिला करने में सारे हिन्दुस्तान को. मात

कर दिया । हमारे हरियाणा के गरीब देहाती यह समझते हैं कि **चौधरी देवी लाल :** 'के दिल में गरीबों के लिये प्यार हैं । उन्होंने रात दिन 0ंची–नीची जगह पैदल चल कर लोगों को सहायता दी । इसीलिये मैंने यह बात कही है । इस बार फ्लड ने भी रिकार्ड तोड़ दिया और चौधरी साहब ने भी सेवा करने में रिकार्ड तोड़ दिया । अब मैं थोड़ी सी बात अपने हल्के के बारे में कहना चाहता हूं जहां से मैं चुना गया हूं । मुझे दुख है कि इस समय आई 0पी 0एम 0 साहब भी नहीं है और चीफ मिनिस्टर साहब भी नहीं हैं । डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा सदन को बताना चाहता हूं कि मेरे हल्के में अभी भी कुछ ऐसे गांव हैं जो पानी में डूबे हुए हैं । मैं रिक्वैस्ट करूंगा कि यह दिन हमें आगे के लिये न देखने पड़े इसलिये अभी से फ्लड रोकने के इंतजाम वहां पर किये जाएं । इसके बाद अभिभाषण में भ्रष्टाचार को दूर करने के लिये भी किक्र किया गया है । यह कितना सुन्दर नारा है कि ' भ्रष्टाचार बन्द करो' लेकिन साथ साथ यह कुछ कडुवा भी है । कडवा इसलिये हैं कि यह केवल कहने से ही भ्रष्टाचार बन्द नहीं होगा बल्कि हम सबको चाहिये कि हम इस पर अमल करें । हमने अगर इस नारे को कामयाब बनाना है तो हम सब को यह प्रतिज्ञा करनी होगी कि इस काम में हमने सहायता करनी है तभी भ्रष्टाचार खत्म होगा । जब हम लोग यह कस्म खाएगे कि हमने कोई बेईमानी नहीं करनी है तभी हमारे नेता का सिर 0ंचा उठेगा और तभी हम दूसरे कर्मचारियों को इस बारे में कहने के काबिल होंगे । डिप्टी स्पीकर साहब, दूसरा नारा हमारे नेता ने पानी के प्रबन्ध के बारे में

दिया । यह भी बहुत ही सुन्दर नारा है और सारी स्टेट की भलाई के लिये है और यह कामयाब भी हुआ है । क्योंकि बिजली के मामले में इस बार हमारे हरियाणा में पोजीशन अच्छी है और आगे भी उम्मीद है कि बिजली और बढ़ेगी । इसके अलावा जो नहरों का पानी है उसको अभी बढ़ा तो नहीं सके लेकिन उसके लिये मेरी चौधरी साहब से प्रार्थना है कि जो एस 0वाई 0एल 0 की स्कीम है उसके लिये वे बहुत जल्दी कदम उठाएं ताकि हरियाणा में जो पानी का झंझट है वह भी हमेशा के लिये खत्म हो जाए ।

डिप्टी स्पीकर साहब, जनता में जो अंधकार था उसको दूर करने के लिए, जनता की बहबुदी के लिए, शहरी आजादी को बहाल करने के लिए राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में जिक्र किया है।

उपाध्यक्ष : बोलने वाले बहुत हैं, आप जल्दी खत्म करे ।

श्री गुलजार सिंह : जल्दी ही खत्म कर रहा हूं जी । मैं कह रहा था कि जो प्रदेश में अन्धकार था उसको दूर करने के लिए सरकार ने बहुत अच्छे कदम उठाए हैं । उस वक्त के कमजोर और डरपोक हुकमरानों ने जब यह देखा कि जनता उनसे दूर भाग रही है तो सं विधान को तोड–मरोड कर अमेंड किया और नादरशाह जैसे काले कारनामे सीख लिए । वह वक्त तो गु जर गया, लेकिन आज हमें और हमारी सरकार को इनसे सबक लेना

चाहिए क्योंकि बुरे आदमी से भी कुछ न कुछ सीख सकते हैं । हुन हालात में हमें कोई गलत कदम नहीं उठाना चाहिए ।

चौधरी खुरशीद अहमद (ताउडू): डिप्टी स्पीकर साहब, आपकी इजाजत से चन्द अप सात सरन में पेश करना चाहता हूं । गवर्नर साहब बहादुर ने हमारी विधान सभा के सामने जो एड्रैस पढ़ा है उसका धन्यवाद करने के लिए खड़ा हुआ हूं । इस एड्रैस में इस बात की झलक है कि हरियाणा स्टेट आपदा हरियाणा में जनता के लिए क्या क्या तरक्की के कदम उठाना चाहती है । आप इसको पढ़ कर देखें, गवर्नर साहब ने हर पहलू प र रोशनी डाली ीऐ । जहां तक सरकार के इरादों का ताल्लुक है, बड़ी सफाई से यह बात पेश की गई है कि जिस चीज की कमी सरकार महसूस करती है, जनता के कान में डालती है और उसको पूरा करने के लिए महदूद जराये से पूरे तौर पर हल करने की कोशिश करती है । सबसे पहले मैं सरकार को इस बात की मुबारिकबाद देता हूं कि जो डैमोक्रेटिक इक्टीच्पुशन्ज थे, जो लोकल लैवल पर फंक्शन करते थे जैसे मार्केट कमेटियां, म्युनिसिपल कमेटियां वगैरा फंक्शन करती थी, उन. में सरकार ने इलैक्शन करवाने का एलान किया । यह एक सराहनीय कदम है । देहात के छोटे छोटे कस्बों को इस बात का मौका मिलेगा कि वे अपना इन्तजाम खुद कर सकें और उनको वोट देने का हक जिससे वे काफी दिनों से महरूम हो चुके थे, उनको दोबारा दिया गया । उनमें एक नई लहर पैदा हुई । लेकिन ' इसकी दूसरी तरफ आफत–नागहानी में सारा सूबा बिगड़

गया था, चारों तरफ स्टेट में हाहाकार मच गई । यह साल हमारे लिए जहमत का था, आफत का था और बड़ी मुश्किल से स्टेट के हालात को संभाला है अपनी जनता को इस काबिल बनाया ताकि वहां फसल पैदा हो सके । लेकिन फसल पूरी तरह नहीं हो पाई है । मेवात के एरिये में 75 फीसदी इलाका ऐसा है जिस में फसल का बीज नहीं बोया जा सकता ।

राव बीरेन्द्र सिंह : जैसी नीयत है वैसी बरकत है.....

(व्यवधान)

चौधरी खुरशीद अहमद : अब मेवात में बड़ी उमदा स्कीमें बन गई हैं और मुझे उम्मीद है कि अगर उजीना डाइवर्शन ड्रेन, जिसको अभी अभी इरीगेशन डिपार्टमैट ने प्लान किया है कि चार पांच हजार क्युसिक वाटर की कपैसिटी की ड्रेन जमुना में डाल दी जाए तो मेवात का हलका फ्लड के कहत से फारिग हो जाएगा । मुझे खुशी है कि उस ड्रेन पर काम शुरु हो गया है और मैं समझता हूं कि इसका काम अगली बरसात शुरु होने से पहले पूरा हो जाएगा । इसके लिए मैं सरकार का बहुत मशकूर हूं । स्वामी जी ने भी बताया कि हमारे हलके में काफी मदद हुई है और जो कमी रह गई है उसके लिए सरकार को बहुत कुछ करना बाकी है और इसके लिए चन्द तजावीज आई हैं । जो दो चार गांव फ्लड के दौरान पानी में उलझ जाते हैं, आने जाने के साधन नहीं रहते, उन के लिए गवर्नर एड्रैस में पैसा इंडीकेट किया है जिससे उनको आने जाने के साधन मुहैया किए जाएंगे और यह

काम अगली बरसात के पहले किया जाएगा । मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि हमारे ताउडू हलके में, ताउडू जाने के लिए एक सइक भी नहीं बनी हुई । सिर्फ एम 0ई 0एस 0 की रोड है जो फौज की सड़क है । इस सडक से अगर हम जाएं तो वे कहते हैं कि तुम लोगों का पडी इधर से नही गुजैर सकता । बरसात के दिनों में हसनपुर से ताउडू गांव को जाना हो तो कोई रास्ता नहीं रहता । अगर सबरस गांव की तरफ से जाएं तो फ्लड का सामना करना पड़ता है । पिछले दिनों वहां एक गांव की औरत की डैथ हो गई लेकिन बाकी लोगों को, गांव वालों ने अपनी जाने खतरे में डालकर बचा लिया । लेकिन इन गांवों को बाढ़ की लपेट से बचाने के लिए गवर्नर साहब ने अपने भाषण के पुष्ठ 6 पर इन्तजाम करवाया है ।

डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपका ध्यान पावर जनरेशन की तरफ दिलाता हूं । हरियाणा में पावर की बड़ी भारी दिक्कत होती है, खास तौर पर सर्दियों के मौसम में, जब बिजली का कोटा आता है । कड़कती सर्दी में जनवरी के महीने में किसान की बुरी हालत हो जाती है जब वह खेतों को पानी देता है । किसान के लिए तरह तरह की दिक्कत है और इस दिक्कत को दूर करने के लिए गवर्नर एड्रैस के पैरा 14 में इंडिकेट किया गया है । फरीदाबाद का थर्मल प्लांट और पानीपत का थर्मल प्लांट जल्दी ही मुकम्मल करवा दिए जाएंगे । जब चालू हो जाएगा तो हरियाणा में बिजली सप्लाई का सिलसिला बदला जाएगा और लो गों को जो

आज दिक्कत हो रही है, वह नहीं रहेगी । ये दिक्कतें ऐसी हैं जिन पर एडमिनिस्टेरटिवली तवज्जो दी जाए तो ठीक हो जाएंगी ।

श्री फतेह चन्द : विज आन ए प्वायंट आफ आर्डर । डिप्टी स्पीकर साहब, जो सुझाव दिए गए हैं उन को मिनिस्टर साहब नोट नहीं कर रहे, सुन नहीं रहे हैं और बाद में अपनी स्पीचों में मैम्बरों को टालने की बात करते हैं । ये गौर से सुन नहीं रहे हें (व्यवधान)

चौधरी खुरशीद अहमद : आवाज जो दी जो दी है वह सुनी जाती है (व्यवधान) डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से कुछ बातें कहने जा रहा हूं और मुझे उम्मीद है कि जो साथी बैठे हैं, सब सु रेंगे, सुषमा स्वराज बैठी हैं, इनसे फालतू कौन सुनेगा.... (व्यवधान) बात कहने वाले हों, आवाज जरूर सुनी जाएगी । हां, मैं बिजली के मामले में कह रहा था कि बिजली के मामलों में कुछ ऐसी दिक्कतें हैं जो डायरैक्ट कंज्यूमर को इफैक्ट करती है । और यह दिक्कतें छोटे स्टाफ के हाथों भुगतनी पड़ती है । छोटे स्टाफ की वर्किंग को देखें, मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि पब्लिक के साथ ज्यादतियां हुई हैं । मिसाल के तौर पर ताउड. सब–स्टेशन में 21– 1–78 को एक रात में तकरीबन 50 मीटर जल गए । मैं गांवों की लिस्ट भी दूंगा जहां–जहां जले हैं, जैसे हसनपुर में 8, फतहपुर में 4 और इसी तरह आस पास के गांवों में 50 मीटर एक रात में जले । जले

इसलिए कि वोल्टज कम दी । जो मीटर जले हें उन पर बिजली बोर्ड की सील मौजूद है लेकिन जो –व ओल्टज होने की वजह से जले और यह महकमे का फाल्ट था । किती फाल्ट से मीटर जल गया और महकमे के छोटे मुलाजम कहते हैं कि इसकी कीमत जमीदार को देनी होगी । जब जमिदार जस्टिफाईड है, उसका कोई कसूर नहीं है तो उसको इस तरह पीने लाईज क्यों किया जाए? जहां तक कुनैक्शन देने का ताल्लुक हु, लाईन इपरिटेंडेंट, लाइनमैन बहुत हजरत होते हैं । मैं जनवरी–फरवरी के महीनों में,अपने हलके के तकरीबन 2 0– 30 गांवों में गया । किसी भी गांव में हजरत लाइन सुपरइनटेन्डेट का मुझे पता नही मिला उसकी शिकायत बिजली के महकमे के अफसरों तक नहीं पहुंची । शिकायत पहुंची भी होगी त । उनके कान पर जूं तक नहीं रेंगी । बिजली बोर्ड इस प्रकार की हरकात कर रहा है । उस सुपरइन्टेन्डेन्ट की बिजली. बोर्ड ने कोई इन्कावयरी नहीं की । मैंने एस0डी0ओ 0 सिविल से रिक्वैस्ट की और एस 0 डी 0 ओं 0 सिविल ने उसका ट्रांसफर किया और दूसरा एक्शन भी लिया । बिजली का सारा महकमा उमकी हिमायत के लिए आ गया । दूसरा लाइन सुपरइनटेडेन्ट जें।. ईमानदार था, जिसने सारी बातों को बताया था, उसका कैरियर खराब करने के लिए सारा बिजली बोर्ड तुल गया । हुमारे चीफ मिनिस्टर साहब का नारा है कि करप्शन बन्द करो और पानी का प्रबन्ध करें। परन्तु बिजली बोर्ड वालों का उलट ही नारा है कि पानी को बन्द करो और करप्शन का प्रबन्ध करे।. । हमारे जौहर साहब जो इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड के चेयरमैन हैं,

तो बड़े लिटरेरी आदमी हैं, उनके होते हुए ऐसी बात नहीं होनी चाहिए । मैं आपकी मार्फत अर्ज करता हूं कि जो इस किस्म के अफसर हैं जो इस किस्म की गड़बड़ करते हैं उनके खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लिया जाना चाहिए ताकि आगे से यह बात न करे ।

11.00 बजे

मैं आपके जरिए से एक बात और भी कहना चाहता हूं । पैरा 29 में गवर्नर साहब ने पुलिस के बारे में जिक्र किया हए । उन्होंने कहा है कि पुलिस की रिसपोन्सनैस बहूत बड गई है । हर किस्म के केस को रजिस्टर किया जायेगा । मैं आपकी मार्फत यह कहना चाहता हू कि आई0जी 0। डी0अरूाई0जी, एस0 पी0 और डी0एस0पी लैवल तक शायद रिसपोन्सनैस हो लेकिन जब थानेदार की अदालत में पेश होते है तो उनकी तरफ से ठीक रिसपोन्स नहीं आता है । यूक केस का मुझे पता है वह मुन्नक गांव के बारे में है । उस गाव से कोई सौ दरखास्ते गई होंगी लेकिन उस थानेदार ने कोई एक्शन नहीं लिया जब तक वहां झगड़ा और कतरन नहीं हो गये । आज से चा र दिन पहले जब मैं सैशन अटैन्ड करने के लि ' चला तो. पता चला कि उस गांव में गोली चली है । एक आदमी कतल हुआ कितने ही जख्मी हुए । इस बात को देख कर मुझे महसूस होता है कि रिसपोन्सिवनैस रिपोर्ट पर नहीं होती है । मुझे एक शेर बाद आ गया–

हम दुआ लिखते रहे वे दगा पढ़ते रहे,

एक नुकते से हमें मोहरम से मुजरिम कर दिया ।

यह केस अब रजिस्टर हुआ है अगर इस बारे में पहले ही प्रिवेनटिव मैयर्ज लिए जाते तो उस आदमी की जान बच सकती थी । मरने के बाद केस रजिस्टर हुआ तो. क्या बात हुई? गे मैं आपकी मार्फत सरकार से अर्क करूंगा कि नीचे के लैवल पर झंझोड कर समझाये कि स्टेट की पालिसी क्या है, स्टेट क्यॉ करन. । चाहती है? ये बाते ड़' के नोटिस में आ जायें तो ऐसी गड़बड़–घोटाले की बातें नहीं होगीं ।

मैं इरीगेशन एन्ड पावर विभाग की तरफ भी सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं । इरीगेशन एन्ड पावर के जितने भी प्रोजैक्ट हैं वह उनको पूरा करने की पूरी कोशिश कर रहा है । फ्लड से राहत भी दिलायी है और पानी पहुंचाने के लिए भी पूरी कोशिश कर रहा है लेकिन जो छोटे छोटे रजबाहे होते हैं उनके बारे में सरकार कहती है कि लोग खुद निकालें और खासकर ऐसे हालात में जहां पर बहुत बड़ी ड्रैनज और कैनाल पड़ती है । मैं यह समझता हूं कि इरीगेशन डिपार्टमेंट की सही पालिसो नहीं है । मैं आपकी विसासत से एक मिसाल देता हू । एक छोटा सा गांव है कालहिया । उस गांव के लोगों ने अपनी फसल को पानी देने के लिए एक रजबाहे के लिए दरखास्त दी । मैंने कल महकमे के जवाब को देखा । उन्होंने लिखा है कि हमारे पास फन्ड नहीं

है, अगर गांव वाले चाहें तो खुद निकाल लें । यह रजबाहा नूह ड्रेन के नीचे से निकलना है । इस रजबाहे को निकालने के लिए महकमे वालों को ही काफी पैसा चाहिए । गांव के लोग इसको अपनी मेहनत से कैसे निकालेंगे । उनके समझने में कसर रही, मैंने इस बारे में एक्स0ई0एन 0 साहब को भी टेलीफोन किया था लेकिन वे मिले नही । गांव के लोग जो अनट्रेन्ड हैं वे इस काम को कैसे कर सकते हैं । ऐसी छोटी छोटी तक्लीफें आम आदमियों को परेशान करती हैं । सरकार का विचार तो अच्छा है, तरक्की भी स्पीड से काम चाहती है लेकिन जब तक नीचे का अमला सही काम नही करेगा तब तक जल्दी से काम नही हो सकते । जिन लोगों का दिन–रात पब्लिक से वास्ता पड़ता है, जिनका डायरेक्ट सम्बन्ध है वे जब तक ठीक काम नहीं करेंगे तब तक आम आदमी को राहत नहीं मिल सकती । मैं आपकी विसासत से कहना चाहता हूं कि इस महकमे की दिन रात पब्लिक के साथ डीलिंग रहती है । तो जो आदमी करप्शन करता हो या लोगों को इस प्रकार से टालता हो उनके खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लिया जाना चाहिए । गवर्नर साहब ने अपनी स्टेट की पालिसी इस एड्रैस के अन्दर बतायी है । इस स्टेट में लोगों के वैलफेयर के बारे में, विकास के बारे में बहुत कुछ इस एड्रैस में दिया है । इन सारी बातों को स्टेट में लागू करना चाहिए मैं इन अलफाज के साथ आपका शुक्रिया अदा करता हूं कि आपने बोलने के लिए टाईम दिया ।

राव बीरेन्द्र सिंह (अटेली) : माननीय डिप्टी स्पीकर साहब, श्री जगन्नाथ जी को खामोश होने का हुक्म दें । यह गाली देने का काम अब चीफ पार्लियमेंटरी सैक्रेटरी के पास नहीं छोड़ा गया है । यह गाली देने का काम तो एक मिनिस्टर के पास चला गया है । एजूकेशन के महकमे में आ गया है, बड़े कलचर्ड महकमे में आ गया है । (व्यवधान) राम पाल जी आप पिछले दिनों को याद किया करो (व्यवधान) ।

कंवर राम पाल सिंह : हम तो आज के दिन को भी याद करते हैं । (व्यवधान)

राव बीरेन्द्र सिंह : माननीय डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे अफसोस है कि गवर्नर साहब ने जो एड्रैस इस हाउस (एवान) मे दिया, मैं बदकिस्मती से बीमारी की वजह से हाजिर होकर सुन नहीं सका । लेकिन मैंने बड़े गौर से सारे एड्रैस को पड़ा है ।

गवर्नर साहब का एड्रैस तो रस्मी होता है । दरअसल हकीकतन तो यह इस सरकार का एड्रैस था और यह हमारे लिये बड़ी अक्सोस नाक बात है कि अभी तक हिन्दुस्तान में लम्बे चौड़े दावों के बावजूद गवर्नर साहब यह समझते हैं कि उनका काम तो सिर्फ सरकार के कहने के मुताबिक दस्तखत करना और काम करना है । हालांकि बाजह तौर पर देश के नेताओं ने बार–बार कहा है कि गवर्नर खाली रस्मी तौर पर कांस्टीच्यूशनल हैड नही है बल्कि गवर्नर भारत सरकार का हर स्टेट के अन्दर एक

नुमायन्दा होता है । सरकार किस तरीके से चलती है, उसे ठीक चलाने का और नुक्स निकालने का काम उनका है । आम आदमियों को भी पता है कि हमारे प्रधान मन्त्री श्री मोरार जी देसाई ने यह बात साफ तौर पर कही है कि इस सरकार को ठीक तौर पर चलाने की आपकी जिम्मेवारी है । आप सैट्रल गवर्नमैंट के नुमायन्दे की हैसीयत से वहां बैठे हैं । कहां तक हमारे गवर्नर साहब, इस जिम्मेवारी को निभा पायेंगे, यह तो आगे देखने की बात है । वैसे हमें उनसे उम्मीदें बहुत हैं, इसलिये कि उनका पुराना रिकार्ड राजनीति में बड़ा साफ सुथरा रहा है, उनका तजुर्बा बहुत है और हम यह भी जानते हैं कि उन्हें हरियाणा से, हरियाणा के लोगों से उतना ही प्यार है जितना हममें से किसी और को यानी हरियाणा के आदमी को होगा । मैं यह बात सिर्फ इशारतन ही कहना चाहता हूं । (इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य चौधरी खुरशीद अहमद पदासीन हुए) । मुझे इस बात का पूरा अहसास है कि हम गवर्नर के मुतालिक ज्यादा यहां पर डिस्कशन नहीं कर सकते और अगर कोई करता है तो वह मुनासिब बात नहीं है ।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री जगन नाथ :) : कर भी रहे हो बोर यह भी कह रहे हो कि कर नहीं सकते ।

राव बीरेन्द्र सिंह : मैं तो उनके बारे में अच्छी बात ही कह रहा हूं । पिछले दिनों राष्ट्रपति जी ने जो एड्रैस पार्लियामैंट के दोनों हाउसिज को दिया, उसमें उन्होंने एक बात बड़े मार्के की

इस जनता राज को चलाने वालों के लिये कही थी कि किसी भी डैमोक्रेसी को ठीक तौर पर चलाना इस बात पर मुनहसिर करता है कि कितना साफ–सुथरा एडमिनिस्ट्रैशन पब्लिक के लीडर, राज को चलाने वाले आवाम को दे सकते हैं और यह निहायत जरूरी है कि उनके मन्शा और उनकी नीयत के पर जनता को पूरा–पूरा विश्वास है । क्या हमारे सूबे में यह बात है? अगर नही है तो यह गवर्नर का काम हो जाता है कि वह हालात को देखे कि सूबे की एडमिनिस्ट्रेशन में क्या धांधलियां हो रही हैं और उसके पर अपनी रिपोर्ट सैट्रंल गवर्नमैंट को दे । खाली खामोश बैठ कर देखने से काम नहीं चलेगा और न ही गवर्नर का खामोश हो कर बैठे देखते रहना काम ही है । एक बात गवर्नर साहब ने अपने एड्रैस में यह कही है कि पिछली तानाशाह सरकार का खात्मा हो चुका है । अब यह जनता की सरकार आयी है लेकिन यह जनता की सरकार कैसी आयी है यह मैं अपने आप नहीं कहता, इनसे पूछिये जो ट्रेजरी बैन्चिज पर बैठे हैं । तानाशाह सरकार पिछली थी या अब की है, यह मेरी बहिन श्रीमती सुषमा स्वराज से पूछिये । आपको पता है इस चीफ मिनिस्टर पर और इस सरकार पर तानाशाह होने के, मिनिस्टरों ने इल्जाम लगाये हैं, मुझे कहने की जरूरत नहीं है । आज हरियाणा में डिसीडैन्ट्स के साथ और उनके रिश्तेदारों के साथ क्या सलूक हो रहा है, यह आज हरियाणा का ही नहीं, देश का बच्चा–बच्चा जानता है । इन हालात में ये गरीब मुट्ठी भर अपोजीशन वाले तो गिला कर ही नहीं सकते । अगर हमारे कत्ल

के मनसूबे भी बनाये जायें तो भी हम गिला नहीं कर सकते और चौधरी देवी लाल से यह उम्मीद पूरी–पूरी की जा सकती है ।

श्री सभापति : यह गलत बात है ।

राव बीरेन्द्र सिंह : थोड़े दिन हुए आप भी लाबी में यही बात कह रहे थे ।.

सरदार लछमन सिंह : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । चेयरमैन साहब, मेरे आनरेबल अपोजीशन के मैम्बर बड़े तजुर्बेकार आदमी हैं और चीफ मिनिस्टर भी फ चुके हैं । क्या इस किस्म के इल्जाम एक लीडर आफ दी हाउस के पर लगाना कि उनसे यह उम्मीद भी की जा सकती है कि वह इनका कत्ल भी करवा सकते हैं, क्या यह उचित है, मेरी दरख्वास्त यह है कि यह रिमार्क्स प्रोसीडिग्ज से एक्सपंज होने चाहिये' ।.... (विध्न)..

श्री सभापतिः सरदार लछमण सिंह जी ने जो प्वायंट आफ आर्डर उठाया है, यह बिल्कुल रैलेवैन्ट है । इस किस्म के इल्जाम बगैर किसी वजुहात के लगाना आपकी शान के शाया नहीं है । मैं आपसे दरख्वास्त करूंगा कि आप उन रिमार्क्स को विदड्रा कर लीजिये ।

राव बीरेन्द्र सिंह : मैंने यह नहीं कहा कि वे मेरा कत्ल भी करवा सकते हैं । मैंने ऐसा कोई इल्जाम नहीं लगाया ।.... (विघन)....

श्री सभापति : देखिये राव साहब, अगर आप विदड्रा नही करेंगे तो these will have to be expunged.

राव बीरेन्द सिंहः अच्छा, आप ही दोहरा दीजिय मैंने क्या कहा है ।

श्री सभापतिः वह दोहराने के काबिल नहीं हैं ।

सरदार लक्ष्मन सिंह : मैं दोहरा देता हूं । इन्होंने यह कहा था कि चौधरी देवी लाल से इन्हें कत्ल की उम्मीद भी हो सकती है ।

राव वीरेन्द्र सिंहः मैंने यह कहा है कि हमें गिला नहीं हो सकता अगर हमारा कत्ल भी हो जाये ।

श्री सभापति : आप इन्हे विदद्रा कर लीजिये ।

राव बीरेन्द्र सिंह : बहुत अच्छा जी, मैं विदड्रा कर लेता हूं । मैं यह कह रहा था कि तानाशाही चीफ मिनिस्टर साहब को बहुत अखरती रही है और आज जो वह गवर्नर साहब से तानाशाही को समाप्त करने की बात कहलवा रहे हैं, उनको यह खुद देखना चाहिए कि उनकी सरकार के मातहत कैसे हालात चल रहे हैं । उनकी एडमिनिस्टेरशन में डिसीडैन्ट्स के जो ब्यान रोज अखबारों में आते रहे हैं, उनको कहें तो मैं तपसील के साथ बता दूं । जो कुछ आपकी मिनिस्टर सहिबा ने अखबारों में ब्यानान दिए हैं कहे तो वह तफसील के साथ बता दूं

श्री सभापति : जरा हाउस के टाईम का ख्याल रखिये ।

चौधरी राम किशन : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । मैं राव साहब से यह निवेदन करना चाहूंगा कि आज राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर डिस्कशन हो रहो है, उन्हे उस पर ही बोलना चाहिये और इसके साथ ही साथ मैं यह भी निवेदन करूंगा कि और सदस्यों ने भी बोलना है इसलिये आप हरेक सदस्य के लिये कोई समय निश्चित कर दें तो मेरे ख्याल से ठीक रहेगा ।

राव बीरेन्द्र सिंहः जब आप प्वाएंट आफ आर्डर पर टाईम दे रहे हैं तो फिर मेरे टाईम का क्या होगा । मेरा समय ते यूं ही खत्म हो जाएगा ।

श्री सभापतिः आप बोलना तो शुरू करे ।

राव बीरेन्द्र सिंह : चेयरमैन साहब, मैं तानाशाही की बात कह रहा था । डा 0 साहब को और सरदार लछमन सिंह को पुछ लीजिए । चौधरी देवी लाल संयुक्त विधायक दल को छोड़कर गए थे तो उन्होंने ए क पैम्फलैट निकाला था कि मैंने संयुक्त विधायक दल कों छोड़ा । उस वक्त डाक्टर साहब ने वह पैम्फलैट पढ़कर सुनाया और उस वक्त इनकी और लछमण सिंह की राय कुछ और थी । यह कहते थे कि चौधरी देवी लाल का संयुक्त विधायक दल की सरकार को तानाशाह कहना बिल्कुल गल्त है ।

Mr. Chairman : Better sense prevails.

राव बीरेन्द्र सिंह : चेयरमैन साहब, कल यहां पर श्री मांगे राम ने कहा (व्यवधान) कि ट्रेडर्ज से जबरदस्ती चन्दा वसूल किया जा रहा है और चीफ मिनिस्टर ने इन्कार किया । (व्यवधान) लेकिन आज अखबारों में ट्रेडर्ज की ऐसोसिएशन के प्रेजोडेन्ट का बयान छपा है उसमें उन्होंने कहा है कि हमसे जबरदस्ती स्माल सेविंग तपा कल्चरल शो के लिए पैसा इकटठा किया जाता है (व्यवधान) । डाक्टर साहब जब मैंने और आपने सरकार चलाई थी उस वक्त तो यह बात नहीं हुई थी । चेयरमैन साहब, इस एड्रैस में फ्लड की बात की गई है । यह तो ठीक बात है कि ऐसे फ्लड नहीं आए ओर सौ करोड़ रुपए का नुक्सान हुआ । इस बात को मैं मानता हूं लेकिन ऐसे फ्लड पहले क्यों नही आए । मैंने अर्ज किया कि जैसी. नियत वैसी बरकत । एक वह भी वक्त था जब संयुक्त विधायक दल की सरका र थी तेंय जिस समय किसान चाहता बा रिश हो जाती थी और जब चाहता था कि बारिश बन्द हो तो बारिश बंद हो जाती थी । हमने बिजली का अपना पूरा हिस्सा पंजाब से लेकर हरियाणा के।' दिया था । आज तो हालत यह है कि रावी ब्यास का झगड़ा तय– नही हो. पायॉ है । हेड बक्स' जो एक्ट के मुताबिक भाखडा मैनेजमेंट को जाने थे उनकी बाबत पंजाब वाले कह रहे हैं कि हम उनका मेनेजमेंट भाखडा बोर्ड कों नही देंगे । आप उसकी बाबत कोई बात नहीं कर रहे हैं । हालांकि सैन्ट्रल गवर्नमेंट ने फैसला किया है कि इनका इन्तजाम भाखडा बोड' को सौंप देना चाहिए लेकिन हमारी हरियाणा सरकार चुप बैठी हुई है । चौधरी देवी लाल ने बादल से दोस्ती कर ली

तो वह बादल हरियाणा मे बरसेगा और फिर हरियाणा में फ्लड नहीं आएगा तो फिर कहां आएगा । एक तरफ तो फ्लड आया और दूसरो तरफ परनाला आ गया.. (व्यवधान). पंजाबी में बरनाला के परनाला कहते हैं... (हंसी)... । मैं यह बता. दूं कि बरनाला साहब मेरे यहां अटेली में पैदा हुए थे आपको शायद यह मालूम न हो

श्री सभापति : अच्छा, ते । फिर सारी मुसीबत की जड़ आपके यहां से है ... (हंसी)... ।

राव बीरेन्द्र सिंहः कहा जा रहा है कि फ्लड से बहुत नुक्सान हुआ और इसलिए अब इकानाक्मी की बात की णो रही है । फ्लड रिलीफ के लिए काम किया जा रहा है । टिड्डी दल.. (व्यवधान)... जिस तरह से गांव की ओर चढ़ता है उसी तरह आफिसर्ज की फौज वहां जाती है । जितना आफिसर्ज के टी 0ए0,डी 0ए 0 पर खर्च होता है क्या उसके मुत। बिक काम होता है? वहां पर आफिसर्ज जाते हैं, एम 0एल0एज0 जाते हैं, मिनिस्टर्ज जाते हैं । इनके पर खर्चा होता है । मैं पूछना चाहता हूं कि यह पैसा कहां से आता है? चेयरमैन साहब, आपके यहां मेवात में तो बहुत काम हुआ है आपको तो सब कुछ पता होगा

डाक्टर मंगल सैन : राव साहब आप तो बहुत नाशुकरे हो ।

राव बीरेन्द्र सिंह : चेयरमैन साहब, जो' बंद लगाये जा रहे हैं वे गांव को डु बाने के लिए बनाए जा रहे हैं । गांवों के

लोग बन्द नही बनाना चाहते लेकिन आप वहां पर बन्द बना रहे हैं.. (व्यवधान)... । यह सरकार तो यह चाहती है कि अपोजीशन न रहने पाए ।

श्री सभापति : पर्सनल डिस्कशन को आप छोडिए । आप एक–दों मिनट में अपनी बात खत्म करिए ।

चौधरी लाल सिंह : आन ए प्वाएंट आफ आर्डर । जिस सरकार ने हमारे बच्चों को रोंदा है और हमें दुखी किया है उस सरकार की राव साहब हिमायत कर रहे हैं । राव साहब मेरे पास अखबार की कटिंग्ज हैं आप इनको पढ़कर देखें कि उस सरकार ने कितने जुल्म किए है और आप उस सरकार की हिमायत के लिए खडे हुए हैं ।

श्री सभापति : राव साहब, आप एक दो मिनट में खत्म करिए ।

राव बीरेन्द्र सिंह : मैं एक दो मिनट में ही खत्म कर रहा हूं । आज पुन्डरी के अन्दर जो कुछ हो रहा है, निहंगों ने वहां पर जो कुछ किया है, सरकार उसके लिए क्या कर रही है । यह सरकार उनको इनाम दे रही है । आज वहां चौधरी बंसी लाल की जय के नारे लग रहे हैं.. (व्यवधान). । चीफ मिनिस्टर साहब आ गए हैं । ये बताएंगे कि वहां पर क्या ऐक्शन लिया जा रहा है ।

चौधरी लाल सिंह : राव साहब उसी सरकार की आप तारीफ कर रहे हैं जिसने मेरे बच्चों पर इतने जुल्म किए और उस आदमी की तारीफ कर रहे हैं जिसने इतने जुल्म किये हैं ।

श्री हरफूल सिंह : आन ए प्वाएंट आफ आर्डर । राव साहब, गवर्नर ऐडैरस पर बोल रहे हैं या बंसी लाल की तारीफ कर रहे हें?

राव बीरेन्द्र सिंह : गवर्नर एड्रैस में कही यह नही कहा गया कि रा वी व्यास के पानी का क्या बनेगा । रोज पंजाब वाले कह रहे हैं कि हैड वर्क्स का मैनेजमेंट भाखडा मैनेजमेंट को नहीं सौंपेगे । चौधरी साहब यह बताए कि इसके लिए वे क्या कर रहे हैं । निहंगों के लिए मुआवजे का एलान किया जा रहा है । अगर इक्वायरी हो रही है तो दस हजार रुपया क्यों दिया जा रहा है? इसका मतलब यह है कि वे बे कसूर थे । बाबा सन्ता सिंह के साथ क्या अन्डरस्टेंडिंग हु ई है? हम तो इस बात से परेशान हैं कि वे कहते हैं कि हमें नजराना दिया गया और यहां पर कहा जाता है कोई नजराना नहीं दिया गया । वह कहते हैं कि हमारी अन्डरस्टेंडिंग हो गई है और यह कहते हैं कि को ई अन्डरस्टेंडिग नहीं हुई । क्या नजराना उनको दिया गया है और क्या अन्डरस्टेंडिंग आपस में हुई है यह बात हरियाणा के लोगों को बतानी चाहिए । जवा हर लाल नेहरु कैनाल का जिक्र किया है । मैं इस बारे में ज्यादा लम्बा चौड़ा नहीं कहता । सिर्फ एक प्वाएंट के बारे में और कहूंगा और वह है एजूकेशन ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल) : बस उसकी कमी है आपके लिए ।

राव बीरेन्द्र सिंहः आप तो बहुत पटे लिखे हैं. (व्यवधान)... गवर्नर साहब ने अपने ऐड्रैस में कहा है कि हमने कालिजों के मुताल्लिक इंक्वारियां मुकर्रर कर दी हैं । चेयरमैन साहब, सब से ज्यादा अजीब चीज जो देखने में आई, वह यह है कि एजुकेशन के अन्दर युनिवर्सिटियों का कोई स्टेटस होता है लेकिन इन्होंने यूनिवर्सिटियों के स्टेटस को रिड्यूस करके डी 0पी 0आई 0 के महकमें के बराबर रख दिया है । यूनिवर्सिटी को भी पुलिटीक्लाइज किया जा रहा है । रोजमर्रा हु कम डी0 पी 0आई 0 आफिस से चलते हैं । हमें कोई एतराज नहीं होगा अगर ये शिक्षा केन्द्रों को निष्पक्ष रूप से सुधारें लेकिन हमें सभी तरफ से नजर आ रहा है कि जिन आदमियों ने उन कालेजों को बड़ी श्रद्धा से बनाया था अब ये उनके कालेजों को खत्म करने जा रहे है लेकिन इन्हेंने खुद तो कभी चिड़ियों के लिये छतों पर खुण्डी में पानी भी नहीं रखा होगा और इस बात को ये भलाई का काम बता रहे हैं । चेयरमैन साहब, रिवाडी पर तो इनकी खासतौर से मेहरबानी हुई है । एक मिनिस्टर को तो मिनिस्टरी सिर्फ इसी लिये दी गयी है कि तुम किती तरीके से इन कालेजों को खत्म कर दो..

Mr. Chairman : Please take your seat now. you had your time.

राव बीरेन्द्र सिंह : मैं मुख्य मन्त्री जी से अर्ज करूंगा कि चूंकि वे बहुत पुराने पार्लियामेटेरियन हैं और इनका पोलिटीकल कैरियर भी बहुत अच्छा रहा है, अभी अभी चीफ मिनिस्टर भी बने हैं, जनता की लहर ने आपको यहां तक लाकर बैठाया है, इसलिये आप हरेक काम को सोच समझ कर करे और अपने एडमिनिस्ट्रेशन के स्टैन्डर्ड को बढ़ाएं, ताकि हरेक को इन्साफ मिल सके । उनको चाहिये कि वे पोलिटिक्स को हरेक बात में न घुसेडें, बदले की भावना से कोई काम न करें । हरियाणा के हित की लड़ाई में हम हमेशा आपके साथ हैं । जो भी लड़ाई लड़नी पड़ेगी उसमें हम आपको पूरा साथ देंगे और आप कामयाब रहेंगे । मैंने सरदार प्रताप सिंह कैरों के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी थी.....

चौधरी देवी लाल :: बड़ा अच्छा निभाया था ।

राव बीरेन्द्र सिंह : आपने तो सब के साथ निभाया है । सरदार प्रताप सिंह कैरों के साथ निभाया है, पंडित भगवतदयाल शर्मा के साथ निभाया है ।

श्री सभापति : राव साहब, आप अपनी स्वीच को वाइड अप करें आपका टाइम खत्म हो चुका है ।

राव बीरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहब, अगर आपकी इजाजत नहीं 'है तो मैं बैठ जाता हूं ।

शिक्षा मत्री (कर्नल राव राम सिंह :) : चेयरमैन साहब, राव साहब गवर्नर साहब के एड्रैस पर व ओल रहे थे या कि मरसी की पैटीशन चीफ मिनिस्टर साहब को पेश की जा रही थी । अगर यह मरसी की पैटीशन थी तो बाहर भी की जा सकती थी ।

सरदार लछमन सिंह (कालका) : चेयरमैन साहब, पेशतर इसके कि गवर्नर साहब के ऐडैरस पर अपने विचार रखूं, मुझे अपने पुराने साथी, राव बीरेन्द्र सिंह जी, जोकि बहुत पुराने सियासतदान हैं, पर बड़ा अफसोस आ फा है कि वे आज बोलते–बोलते इतनो नोची सतह पर आ गये हैं कि आपको भी एक दो बार उन्हें अपनी स्पीच बन्द कर देने को कहना पड़ा । राव साहब तो बड़े पुराने पार्लियामेन्टेरियन हैं उनको तो चाहिये कि वे अरने दूसरे साथियों को ट्रेनिंग दें कि किस तरीके से अपोजीशन का रोल अदा किया जाता है पर वे इस में कामयाब नहीं रहे । चेयरमैन साहब, हमें तो यह अफसोस ही रहता है कि अपोजीशन वाले सरकार के खिलाफ व बोलते ही नहीं हैं, यह सारी जिम्मेवारी हमें ही निभानी पड़ती है । सारा हरियाणा जानता है कि हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने किस तरह से त्याग का सबूत दिया है उनके पास आज एक भी महकमा नहीं है पर जब राव साहब चीफ मिनिस्टर थे तो 25 में से 22 महकमें उनके पास थे । (तालियां) हमारे मुख्य मंत्री जी का इससे ज्यादा त्याग और क्या हो सकता है । राव साहब को हम यकीन के साथ कह सकते हैं कि राव साहब एक भी करप्शन का सबूत नहीं दे सकते, सिर्फ कहने से

कुछ नहीं बनता, कोई एक कंक्रीट मिसाल राव साहब दें तो हम सारे उनके आगे अपना सिर झुका देंगे ।

राव बीरेन्द्र सिंह : आपकी अपनी पार्टी दे रही है, मैं तो बाद में देता हूं ।

सरदार लछमन सिंह : चेयरमैन साहब, सभी जानते हैं कि जनता पार्टी का विधान कितना विशाल है, यहां पर किसी आदमी के पर किसी तरह की अपनी कोई भी बात कहने की कोई पाबन्दी नहीं है, आजादी है । अगर कोई थोड़े बहुत आदमी ऐसी कोई बात करते हैं तो मैं आपको यह बता देना चाहता हूं कि आपको उनका कोई फायदा होने वाला नहीं है । डिसीडेन्ट्स हो सकते हैं, लेकिन वे पार्टी के अन्दर हैं, हर आदमी पार्टी का एक वफादार सिपाही है । (तालियां) आपको किसी से कोई फायदा पहुंचने वाला नहीं है । लेकिन मैं समझता हूं कि राव साहब इतने खुश क्यों हैं क्योंकि वे अभी–अभी नयी इन्दिरा कांग्रेस में शामिल हो गए हैं ।

राव बीरेन्द्र सिंह : मैं तो नहीं हुआ कांग्रेस आई में, आपको यह किस ने कह दिया, किस ने इतलाह दे दी । विशाल हरियाणा पार्टी किसी में शा मिल नहीं हुई ।

सरदार लछमन सिंह : राव साहब कह रहे हैं कि जनता पार्टी ने जो रोल अदा किया है, वह सामने आ रहा है, राव साहब 2 अप्रैल का दिन अभी अ। पके सा मने आ रहा है, करनाल के

अन्दर अभी चुनाव होने जा रहे हैं । इतना विशाल अ योजन हें। रहा है, आपको पता– लग जाएगा । अभी–अमी साढे 10 हजार वोटों से चौधरी उदय सिंह दवा जीत कर आये हैं (तालियां) यह क्या कम बात है? चेयरमैन साहब, अब मैं गवर्नर साहब के एड्रैस के बारे में कुछेक बातों पर अपने ख्यालात का इजहार करूंगा । गवर्नर साहब ने अपने अभिभाषण में जो किसानों की भलाई के लिये, जिनके जिस्म नंगे होते थे, पांव नंगे थे, गुरबत के कारण मारे फिरते थे, काम किये हैं, उसके लिये मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं । यह सरकार सचमुच बधाई की पात्र है । अगर कहीं पर इंडस्ट्री में किसी किस्म की क्राइसिक अ। यी हैं तो उस वक्त भी सरकार लोगों की मदद के लिये अ। यी है लेकिन किसानों की बहबूदी. के लिये आज से पहले किसी भी सरकार ने कुछ नहीं कियो । यह पहली सरकार है जिसने जमीदारों की मदद करने का एलान किया है । चेयरमैन साहब आज आपकों पता है कि गुड़ और गन्ने की कीमते काफी गिर चुकी हैं लेकिन बदकिस्मती की बात तो यह है कि अखबार वाले कहते हैं कि चीजों की कीमतें घट गयी हैं, 4 0, 50 परसेन्ट कीमतें होल सेल में गिर गई हैं । दिक्कत सिर्फ यह है कि रिटेल वाला काबू में नहीं आ रहा है इसलिये में रो सरकार से रिक्वेस्ट है कि इस तरफ तवज्जो दे और रिटेल वालों को काबू में करे जो आज एक चीज 150 से लेकर 300 में बे च रहा है । दूसरी बात जो मैं सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं वह यह है कि आज– जिन चीजों की कीमतें गिरी हुई हैं, आज जब गुड़ का भाव 7 क्य 80

रुपये है तो तीन महीने के बाद यही भाव 200 रुपये तक पहुंच जाएगा । इसलिये सरकार से मेरी प्रार्थना है कि अभी से इन बातों की तरफ ध्यान दे और पूरी चौकिंग हो ताकि कोई व्यापारी ऐसी कोई हरकत न कर सके जिससे कि लोगों को परेशानी पैदा हो ।

चेयरमैन साहब, एक और बात जे मैं कहने जा रहा हूं वह है बिजली और पा दो के सम्बन्ध में । बिजली पानी के लिये एक बहुत अच्छा काम सरकार ने किया है । इसके साथ साथ मैं एक रिकवैस्ट सरकार से यह करूंगा कि अम्बाला ही एक ऐसा जिला है जहां पर कि नहरें कम हैं । जमना नहर का पानी जब उनके खेतों के साथ से गुजरता है तो उन लोगों के साथ क्या गुजरती है, जिन लोगों के अपने खेतों को पानी नहीं मिलता है । इसलिये लोगों की दिक्कतों को देखते हुए सरकार को चाहिए कि वहां पर जो डीप ट्यूबवैल्ज लगाये गये हैं जब तक नहरों की व्यवस्था नहीं हो जाती तब तक वे ट्यूबवैल वहां न लगाये जाएं क्योंकि लोगों ने जो अपने ट्यूबवैलज लगा रखे हैं, उनको इन डीप टयूबवैलज के कारण काफी नुकसान हो रहा है । मैं एक सुजैशन देना चाहता हूं कि अगर भाखडा कैनाल से शिवालिक डिस्ट्रीब्यूटरी से जमना में पा नो फैस दिया जाए तो सारा अम्बाला जिला सैराब हो सकता है । अगर ऐ सा किया जा ता है तो अम्बाले के लोग आपके बहुत एहसानमंद होंगे । एक बात राव साहब ने यह भो कही कि चौधरी साहब अक। लिये से मिले हुए हैं । तो राव साहब आपके कहने से जनता पार्टी अकालियों से

बिगाड़ नहीं करेगी । हम पंजाब वालों से आप से ज्यादा लेकर दिलाएंगे । हमारा उनके साथ कोई झगड़ा नहीं है, चण्डीगढ के मामले पर भी को ई झगडा नहीं है और न ही हरियाणा कोई झगड़ा करना चाहता है । हम अमन चाहते हैं । जो निहगों की बात है वह भी हल हो जाएगी राव साहब आप बेफिक्र रहें । चेयरमैन साहब, मैं एक और अज' करना चाहता हू कि चौधरी साहब ने बहुत दफा एलान किया है कि हरियाणा की सैकिड लैंग्वेज पंजाबी होगी । मैं कहना चाहता हूं कि पंजाबी के साथ साथ उर्दू भी होनी चाहिये । यहां पर इन दोनो भाषाओं को पढ्ने वाले रहते हैं । इस मामले में मैं अपोजीशन के भाइयों से भी कहूंगा कि इसको अच्छे दिल से सोचें । जब हम इस नारे से चलते हैं कि हम एक हैं और हमारा देश एक है तो यह डिसक्रिमिनेशन नहीं होगे चाहिये । जितनी जुबानें कोई जानता है उसके'य उतना हो फायदा होता है । अगर ऐसा किया जाता है तो हमारी स्टेट एक प्रोग्रैसिव स्टेट कहलवाएगी । आज आप अखबारों में पढ़ते है कि बंटवारे के लिये कमीशन बैठेगा लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि हरियाणा किसी भी स्टेट को अपने इलाके की एक इंच भी भूमि नहीं देगा ।

इसके बाद जहा तक लिंक रोड्ज का सवाल है उसके लिए मैं कहूगा कि हरियाणा के अन्दर जितने तब–माउटेनियस ऐरियाज हैं उनको इग्नोर किया गया है । इस काम को या तो सरकार भूल जाती है या खर्चा ज्यादा आने की वजह ते इसे छोड

दिया जाता है. जो कालका और छछरौली वगैरह का एरिया है यहा के पहाडी लोग आपकी तरफ देखते हैं कि उधर भी कमी आपका ध्यान जाएगा या नही । पहाड की ठंडी हवा खाने के लिए तो हम चले जाते हैं लेकिन उन की दिक्कतों की तरफ हम ध्यान नही देते । इसलिए मैं यह कहना चाहता हू कि पहाडो को एशो–इशरत के लिए ही नहीं रखा जाना चाहिए बल्कि उनकी कठिनाइयों की तरफ भी ध्यान देना चाहिए इसके बाद मैं एजूकेशन के बारे में अर्ज करना चाहता हू

श्री सभापति : अब आप वाइंड अप करें

सरदार लछमन सिंह : चेयरमैन साहब, आपका हुकम हो गया है इसलिए मैं यह कह कर अपना भाषण समाप्त करता हू कि गवर्नर साहब के एड्रेस मे जिन बातों का जिक्र है अगर उनको इम्पलीमैंट कर दिवा जाए तो मैं यकीन के साथ कह सकता हू कि हरियाणावासियो को किसी किस्म का गिला नही रहेगा हरियाणा हने एक दिवालिया स्टेट मिंत्री थी लेकिन आज आप देखें कि कितनी जल्दी इस सरकार ने यहा डिवैल्पमैंट कर दी। मैं अपने चीफ मिनिस्टर साहब को एक बार फिर मुबारक– बाद देता हू कि उन्होने बहुत बडा त्याग किया है और डि–सैटरलाइजेलन आफ पावर का एक बहुत बडा उदाहरण दिया है । मैं चाहता हू कि इसईट्ट तरह से डि–सैटरलाइजेलन आफ पावर नीचे तक जानी चाहिये ताकि लोगों को छोटे छोटे कामो के लिए रोज चण्डीगढ़ न आना पडे

चौधरी सत कवर (इसना') : माननीय चेयरमैन साहब, मैं गवर्नर साहब के अभिभाषण के लिए उनको धन्यवाद देने के लिए खडा हुआ हू । हरियाणा के अन्दर जनता पार्टी की सरकार बनने से पहले हरियाणा (की जनता के दिल में जो भय के बादल छाये हुए थे वह हरियाणा मे जो जनता सरकार आई और उसके महान नेता **चौधरी देवी लाल** : के कुर्सी पर वैठने के बाद वह तमाम भय जनता के दिल से दूर हो गये, वह सारा डर का वातावरण दूर हो गया. हमारे गवर्नर साहब ने अपने अभि– भाषण मे स्कूली–शिक्षा की बात कही है कि गांवो के अन्दर स्कूली–शिक्षा पर ज्यादा खर्च किया जाएगा, यह बडी खुशी की बात एं लेकिन चेयरमैन साहब, इस देश की और प्रदेश की बडी बद–किस्मन्त्री रही कि यहा पर दो किस्म के स्कूल चलते आए है । एक स्कूल तो वे अक्ष जिनके अन्दर बहुत बडे बड़े घरों के लडके कारों में बैठ कर जाते कुए तथा जिनके अध्यापकों और प्रिसिपलो की तनखाहें हजारों रुपये होती है । वह लडके सोफों पर बैठ कर पढते हैं और जब वे स्कूलौ से निकल कर जाते हैं तो उनको बडी बड़ी कुर्सियां मिलती हैं लेकिन दूसरी तरफ वे छोटे स्कूल हैं, टूटे स्प स्कूल हैं और उनके लिये भी मन्त्री जी ने यह कहा कि पैसे को कमी की वजह से हम। उन्हें बहुत जल्दी ठीक नहीं कर पाएंगे । ते'य उनमें जो बच्चे पढ्ने के लिये जाते हैं वह बोरियों और टाट पर बैठते हैं । इन बच्चों के लिये पिछली सरकार ने तो पूरी सुविधा दी नहीं लेकिन हमारी सरकार भी इस ओर पूरा ध्यान अभी तक नहीं दे पाई हैं । मैं **चौधरी देवी लाल** : जी का ध्यान इस तरफ दिलाना

चाहता हूं कि शिक्षा के अन्दर जब तक समान स्तर लागू नहीं किया जाएगा क्व तक देहात में रहने वाले बच्चो की पढाई का ठीक इंतजाम नहीं हो पाएगा! वे बच्चे अच्छे अच्छे औहदों पर नहीं बैठ पाएंगे । मेरी सरकार से एक और दर्खास्त है कि इन स्कूलों के अन्दर जो पछाई आज तक चली आ रही है वह सिर्फ क्लर्क बनाने वाली शिक्षा है । जब तक टैक्नीकल शिक्षा नहीं दी जाएगी, हाथ का काम नहीं सिखाया जाएगा तब तक कोई भी सरकार इतने आदमियों को रोजगार नहीं दे सकेगी । जो बच्चे मैट्रिक, बी0ए 0 या एम 0ए0 पास करके निकल जाते हैं उनको आज कही भी नौकरी नहीं मिलती अगर उनको टैक्नीकल शिक्षण दी जाए तो वे अपना कोई धंधा चला सकते हैं । इसके बाद गवर्नर साहब ने अपने अभिभाषण में बेरोजगारी को दूर करने के बारे में कहा कि हम लोसों को लघु उयथे लगाने के लिये लोन देकर बेरोजगारी को दूर करेंगे । मेरे ख्याल में इससे अच्छी योजला कोई और नहीं हो सकती । जनता पार्टी सरकार ने और खास कर **चौधरी देवी लाल** : जी ने यह जो योजना बनाई है इसके लिये मैं उनका हार्दिक स्वगत करम हूं । इस योजना से उन्होंने जात पात का झगड़ा भी खत्म कर दिया है । क्योकि चार चार, पांच पांच लकको की एक यूनिट होगी जिसमें एक लड़का हरिजन का होगा, एक बैकवर्ड क्लास का तथा एक किसान का होगा और एक महाजन का होगा । इनको सरकार दस हजार से लेकर एक लाख तक का लोन देगी । इसमें एक बात और अच्छी की गई है कि ऐसे लड़कों से बैक सियोरिटी नही लेगा । इसके अन्दर एक कमी

है कि यूनिट तो मंजूर करवा ली जाती है क्योंकि जिले में जो डी0 आई0 औ0 होता है वह मंजूर कर देता है तथा डायरैक्टर भी मंजूर' कर देता है लेकिन उसके कद जब वह बैक में पैसे लेने के लिये जाते हैं तो बैक वाले उनको पैसे नहीं देते । बैंक वाले यह कह देते हैं कि या तो शियोरिटी दो या सिक्योरिटी दो तथा जो कारखाना लगाना है उसका तजुर्बा दो । अगर उनमें शियोरिटी देने की हिम्मत होर्ती तो वे लघु उद्योग क्यों लगाते । इसलिये मेरी दर्खास्त यह है कि जितने भी लड़के लघुरू उद्योग के लिये लोन लेना चाहें उन्हें यह लोन बिना किसी तकलीफ उठाये दिया जाए और जो' समस्या बैकों की तरफ से उठाई गई है इसको दूर किया जाए । यह समस्या जरूर दूर होनी चाहिये चाहे सरकार को अपनी किसी कापरेशन के द्वारा यह कर्जा देना पड़े ।

इसके आगे गवर्नर साहब ने अपने अभिभाषण में पुलिस के बारे में लिखा है कि बिना किसी किस्म की रुकावट के अब केस दर्ज किये जाते है । इस बात में कोई शक नहीं कि पहले जिस तरीके से थानों में और चौकियों में भ्रष्टाचार चल रहा था वह जनता सरकार के आने के बाद अब खत्म हो गया है । उस समय देहातों के लोग थाने और चौकी के सामने से गुजर नहीं सकते थे लेकिन माननीय **चौधरी देवी लाल** : की सरकार ने सिस्टम में ऐसा परिवर्तन कर दिया कि अब लोग सीधे पुलिस कप्तान तक पहुंच सकते हैं, उससे बात कर सकते हैं और तमाम

अफसरों को हिदायत दे दी कि सुबह 11 बजे से 12 बजे तक एक घंटा जनता की बात सुनें । मैं अपने जिले की बात कह रहा हूं कि मेरे जिले से कोई इस किसम की शिकायत नहीं आती कि थाने के अन्दर कोई बड़ा आदमी रिश्वत लेता हो । एक बात जरूर है कि पुलिस वाले कई बार पहली शिकायत दर्ज नहीं करते और मौके पर आकर लोगों से सलाह– नामा नहीं कर पाते, इस ओर ध्यान नहीं देते । अगर ऐसा करें तो जो जुल्म होने वाला है उससे बच सकते हैं । सोनीपत के अन्दर एक घटना हुई । चेयरमैन साहब, सोनीपत के अन्दर एक रंग उद्योग फैक्ट्री है । उस फैक्ट्री के अन्दर कई महीनों से हड़ताल चलती आ रही थी, लोग 5 महीने से फैक्ट्री के बाहर हड़ताल पर बैठे हैं । फैक्ट्री के मालिकों ने कहा कि उठ जाओ । उन्होंने कहा कि हमारा हिसाब–किताब कर दो, हम चले जाएंगे । यह बात पुलिस के नोटिस में थी । एक दिन मालिकों ने गुण्डों को लेकर उन हड़ताली मजदूरों पर हमला कर दिया । एक शर्मा जी थे, शरीफ लड़का था, प्रधान था उसकी मौत हो गई । इस झगडे में बड़ी बे–इन्साफी हुई । मैं गृह मन्त्री के नोटिस में लाना चाहता हूं कि जो गरीब मजदूर किराया लेकर या टैक्सी लेकर मंत्रियों के बंगलों पर नहीं जा सकता, उसके साथ इतना अन्याय क्यों हुआ । जो फैक्ट्रियों के मालिक हैं, वे अपनी तरफ से या दूसरी तरफ से दबाव डलवा लेते हैं, मिस–गाईड करते हैं । मन्त्री जी मौके पर जा कर देखें, चाहे किसी एम0एल0ए0 को भेजें, उसकी इक्वायरी करवाएं क्योंकि वहां पर बड़ा जुल्म हुआ है । केवल शर्मा ही नहीं

मारा गया उसकी मां को चाकू मारे गये, उसकी दादी को मारे गये । अगर इस किस्म. के अपराध होंगे तो मैं मन्त्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि यह बहुत बुरी बात है । अगर पुलिस अफसरान की इस किसम की ढील पाई जाए तो उनको सजा देनी चाहिए ।

चेयरमैन साहब, अगली बात गवर्नर साहब ने अपने अभिभाषण में पानी के बारे में कही । मुख्य मन्त्री जी का प्रोग्राम है कि पानी का प्रबन्ध करेंगे । बहुत से लोगों ने पानी के बारे में कहा, लेकिन मैं चूंकि उस इलाके से सम्बन्धित हूं जिस में बुरी तरह से बाढ़ आई । चेयरमैन साहब, ऐसे इलाके में जनता पार्टी की सरकार ने जिस तरह से काम किया, उसकी मिसाल कहीं नहीं मिल सकती । जिस प्रकार मुख्य मन्त्री ने गांव गांव में जाकर मिट्टी की टोकरियां डालीं, फोटो खिचवाने के लिए नहीं, बल्कि सच्चे दिल से काम करने की भावना से टोकरियां उठाई । मैं अपनी कांस्टीचुएंसी की बात बताता हूं । 5 गांवों में मुद्धा मन्त्री गए । विरोधी पक्ष ने शायद यह बात कह दी कि मुख्य मन्त्री जी के साथ तमाम डिपार्टमैंट चला जाता है जिससे खर्चा बहुत होता है, लेकिन मैं अपनी कांस्टीच्यूएंसी की बात बताता हू । जिन गांवों में वे गए वहां पांच पांच हजार फुट से ज्यादा मिट्टी उठाकर, गांव वालों ने काम किया, लोगों ने खुद किया । जहां मुख्य मन्त्री ने टोकरी डाली वहां एक गांव के लोगों ने 50 हजार का काम किया । मुख्य मन्त्री ने उनको कहा कि पैसे ले लो, ठेकेदार को भी तो पैसे देने

ही थे, आपको दे देंगे तो क्या हो जाएगा । गांव वालों ने कहा कि हमें पैसे की जरूरत नहीं है, आप बाढ़ रोकने के इन्तजाम में लगे रहें और इसी तरह में हमारी समस्याओं को निपटाते रहें । मैं मुख्य मन्त्री जी का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने बाढ़ ग्रस्त इलाके में दिन रात एक करके काम किया, यह बहुत सराहनीय है । मैं एक बात आपके नोटिस में लाना चाहता हूं । बाढ़ से लोगों में इतनी भुखमरी हो गई कि लोगों ने अपने जेवर बेचे और अपनी इज्जत बचाई । लोगों के घरों में अनाज नहीं रहा था, जेबर बेचकर अनाज खरीदना शुरू किया था । ऐसे समय में सरकार ने जिस तरह से लोगों तक अनाज पहुंचाया, वह बहुत सराहनीय है । मैं सिरसा, हिसार, कुरुक्षेत्र और पंजाब के इलाके के लोगों का धन्यवाद करता हू जिन्होंने बहुत ज्यादा तादाद में हमें चारा दिया और दूसरी प्रकार की मदद दी । मैं मुख्य मन्त्री के नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं कि नया चारा आने में दो महीने बाकी हैं । इस इलाके में चारे की सख्त कमी है । बाढ़ आने से चारे की समस्या बड़ा गंभीर रूप धारण कर गई है, इसको निपटाने का प्रयत्न सरकार की तरफ से अवश्य होना चाहिए ।

चेयरमैन साहब, रोहतक जिले में नहरों का जो पानी आता है उस पर कई सालों से 40 फीसदी कट चली आ रही है । अगर इस कटौती को खत्म न किया गया तो लोगों की हालत खराब हो जाएगी । एक तरफ तो बाढ़ से नुक्सान होता है और दूसरी तरफ पानी की इतनी बड़ी कटौती होने के कारण जमीदारों

को पानी कम मिल रहा है । इसकी वजह से अनाज की पैदावार कम हो गई । जितना अनाज रोहतक जिले को पैदा करना चाहिए था उतना पैदा नहीं कर पाता । मेरी मुख्य मन्त्री जी से यह अर्ज है कि पानी की कटौती को बन्द करे । चेयरमैन साहब, एक अर्ज और है, जिसेके बारे में बहुत से सदस्यों ने कहा है कि किसान का गन्ना बरबाद हो रहा है । इसका कोई न कोई हल सरकार को निहालना होगा । यूपी. में 1 तारीख को आन्दोलन होने जा रहा है । यहां के लोग भी आन्दोलन कर सकते हैं लेकिन उनको पता है कि यह जनता की सरकार है, लोगों की भलाई के लिए कुछ कर सकती है और करेगी । लेकिन लोग भी कब तक धीरज रखेंगे । किसान ने रात को पानी दे कर, कई प्रकार के कष्ट बरदाश्त करके जो गन्ना पैदा किया है उसकी बुरी हालत है । इन हालात को खत्म करने के लिए माननीय मुख्य मन्त्री साहब कोई न कोई ऐसा कदम उठाएं ताकि लोगों की इस समस्या को हल करने में यह सरकार सफल हो । बाकी जितनी बातें गवर्नर साहब ने इस अभिभाषण के अन्दर कही हैं, उन के लिए गवर्नर साहब का बहुत धन्यवाद करता हूं । चेयरमैन साहब, ये सारी बातें पूरी होने के बाद, जनता पार्टी ने चुनाव के दौरान लोगों से जो वायदे किए थे उन को पूरा करने की ओर यह बहुत बड़ा कदम है । मैं सरकार को और गवर्नर साहब को धन्यवाद देते हुए अपना स्थान लेता हूं ।

उद्योग मन्त्री (डाक्टर मंगल सेन): चेयरमैन साहब, आज राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर विचार हो रहा है । (विघन एवं शोर) (इस समय बहुत से सदस्य बोलने के लिए खडे हुए)

Mr. Chairman : I have called upon the Minister for Parliamentary Affairs. I would request the Hon. Members to please resume their seats.

12.00 बजे

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल) :: स्पीकर साहब, अब टाईम हो गया है इसलिए मेरे ख्याल में –डिप्टी लीडर को बोलने की इजाजत होनी चाहिए । डस्वटर मंगल सैन चेयरमैन साहब, मैं निवेदन कर रहा था कि गवर्नर साहब के अभिभाषण पर बहस आज चल रही है । यह कल शुरू हुई थी । आज मैं जब हाउस में आया तो मेरे आदरणीय मिल राव बीरेन्द्र सिंह जी तकरीर कर रहे थे । उस समय उनकी जबाने–मुबारिक में तानाशाह का लफज था । मैं चौंक गया कि ये तानाशाह किसको कह रहे हैं । अपने दायें बायें बैठे हुए दोस्तों को कहू रहे हैं या हमें अलंकृत किया जा रहा है । राव साहब, तानाशाह की परिभाषा अब बदल गई है । इन्होंने शायद डिक्शनरी में नहीं देखा कि डिक्टेटरशिप किसको कहते हैं । आज ये कहते हैं कि तानाशाही का सलूक हरियाणा में हो रहा है । राव साहब शायद उस वक्त तन्दरुस्त नहीं थे । थोड़ी सी इनको शायद तकलीफ हो गई थी । उसके लिए तो मुझे स्वसे हमदर्दी है लेकिन इं यह अर्ज करना चाहता हूं कि इन्होंने

तानाशाही का बडा भारी नंगा नाच नहीं देखा और मुझे अफसोस है कि बाहर होते हुए नहीं देखा । हम तो नहीं देख पाए क्योंकि मजबूर थे । हम तो उस समय जेल की चार दीवारी में बंद थे । लेकिन ये तो नई दिल्ली के चौराहों से घर को आते जाते थे । तानाशाही इनकी आंखों के सामने नंगा नृत्य कर रही थी । जम्हूरियत का जनाजा दिल्ली और हरियाणा में बहुत बुरी तरह से निकाला जा रहा था । लेकिन चेयरमैन साहब, इनकी बात सुन करके बड़ा अफसोस होता है । कोई नौसीखिया यदि ऐसी बात करे तब भी मान जाएं लेकिन एक सीजन्ड पार्लियामैन्टेंरियन, एक स्टैन्डिग का पार्लियामैन्टेरियन यदि इस तरह हकायत पर पर्दा डाले तो बहुत अफसोस की बात है ।

राव बीरेन्द्र सिंह : आपको चान्स मिल गया इसलिए शुक्रगुजार होना चाहिए । (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

डा0 मंगल सैन : स्पीकर साहब, ये हमें कहते हैं कि इनको चान्स मिल गया लेकिन मैं कहता हूं अगर तानाशाही रहती तो ये भी यहां नहीं आ पाते क्योंकि चुनाव का मौका ही नहीं मिल पाता । लच्छे सभा में तो लोगों ने इनको स्वीकार नहीं किया और सोचा कि असैम्बली में ही भेज देते हैं क्योंकि पुराने राजे हैं । स्पीकर साहब, मैं तो कहना चाहता हूं कि जम्हूरियत चले । मिसाल के तौर पर सदन में कल ही हमने 44वे संविधान संशोधन का अनुमोदन किया है । स्पीकर साहब, मेरे दोस्त उस समय कहां थे जब हिन्दुस्तान में जुडीशियरी का गला घोटा जा रहा था, जिस

समय भारत के संविधान का हुलिया बहुत बुरी तरह से बिगाड़ा जा रहा था?

राव बीरेन्द्र सिंह : उस समय मैं पार्लियामैंट में था और सब–से पहला औबजैक्शन रिकार्ड के पर मेरा है ।

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, दिल रखने वाले लोग तो उस समय जेल की चार दीवारी के अन्दर थे और म्यूचुअल अन्डरस्टैंडिंग वाले लोग शायद पार्लियामैंट में आ जा सकते थे । खैर, मैं इस बात का अब ज्यादा जिक्र नही करता क्योंकि ताना– शाही आज के माहौल में बिल्कुल शोभा नहीं देती । तो स्पीकर साहब, मैं कहना चाहता हूं कि किसी भी व्यक्ति को कृतघ्न नहीं होना चाहिए । अपोजिशन में हम भी थे । हम भी सरकार की आलोचना करते थे । डैमोक्रेसी में अपोजिशन के बिना सरकार पूरी नहीं बनती । इनका फर्ज है कि हमको प्रपोज करें, इ नका फर्क है कि यदि हम न मानें तो अपोज करें और अगर इनमें दम हो तो डिपोज करे बशर्ते कि उस बात को जनता माने । डैमोक्रेसी में अपोजिशन का बड़ा नोबल और पायस रोल है । स्पीकर साहब, यह नहीं होना चाहिए कि जब रोल अदा करने का वक्त हो तब तो कह दें कि सियासत से हमारा क्या मतलब लेकिन जब माहौल ठीक हो जाए तो कह दें कि हरियाणा में तानाशाही हे, जम्हूरियत नहीं ।

राव वीरेन्द्र सिंह : डाक्टर साहब, आपके साथ यहां मैं अपोजिशन का लीडर था । क्या आप उस बात को भूल गए?

डाक्टर मंगल सैन : मैंने तो कहा कि आप बहुत सीजन्ड पार्लियामैन्टेरियन हैं, आप बहुत अनुभवी हैं । ... (विध्न) ... स्पीकर साहब, इसीलिए तो अफसोस आता है । इनके मुंह से ऐसे शब्द शोभा नहीं देते । स्पीकर साहब, माननीय राज्यपाल जी ने बिल्कुल ठीक कहा है कि हमने डैमोक्रेटिक इंस्टीच्यूशंज को रैस्टोर किया है । आजकल जिनसे इनकी दोस्ती है, जिनके गम में ये दु:खी हो जाते हैं उस भाई ने कुरुक्षेत्र में 2 1 मई, 1968 को हल्फ लिया था और आते ही मार्किटिंग कमेटियों के चुनाव खत्म कर दिए, जिला परिषदों का फाता पढ़ दिया, म्यूनिसिपल कमेटियों को छुट्टी कर दी क्योंकि डैमोक्रेसी से उन्हें बदबू आती थी । तभी तो रक्षा मंत्री बनते ही और केन्द्र में जाते ही उन्होंने कहा कि क्या होती है डैमोक्रेसी, क्या होता है चुनाव, पांच साल नहीं तो सात साल के बाद हो जाएगा, अब्बल तो होना ही नहीं चाहिए । लेकिन स्पीकर साहब, जनता का दबाव बड़ा जबदस्त होता है । उन्होंने अपनी बात मनवा ही ली । इन्हें तो हमारा मश्कूर होना चाहिए, हमारा धन्यवाद करना चाहिए परन्तु धन्यवाद ये शर्माते हुए नही करते । ये सोचते है कि अगर इन्होंने तारीफ कर दी तो लोग इन्हें क्या कहेंगे । लोग सही आदमी की तारीफ करते हैं । तो स्पीकर साहब, मैं तो कहना चाहता हूं कि सरकार ने इस मामले में

सही कदम उठाए हैं और वह इसके लिए मुबारिक–बाद की पाल है ।

स्पीकर साहब, यहां मेरे एक आदरणीय मिल ने कहा कि साहब इतना बड़ा भारी खर्चा कर दिया । टिड्डी दल की तरह ये लोग पहुंचे । लेकिन इन्होंने देखा नहीं कि टिड्डी दल कब गया । हमने तो हर अपोजीशन के व्यक्ति को निमंत्रण दिया था और कहा था कि यह पार्टी का सवाल नहीं है, यह देश का सवाल हे, हरियाणा की गरीब जनता का सवाल है, देहात को बचाने का सवाल है! किसानों की खड़ी फसलों को तबाह होने से बचाने का सवाल है! मेरे हरिजन भाई की टूटी हुई झौंपडी को बचाने का सवाल है । अगर आपको हमदर्दी है तो हमारे साथ आओ । लेकिन इन्होंने तकलीफ नहीं की । इस हाउस के लीडर ने 65 साल की उमर में अपने सिर पर टोकरी उठाई । मेरे जैसे व्यक्ति ने भी जिसने कभी टो करी नही उठाई थी टोकरी उठाई मगर बजाए तारीफ करने के ये इसकी आलोचना करते हैं । इन्हे बहन है कि शायद यह संजय टाईप प्रोग्राम हुआ होगा जिसमें सारी पुलिस ऐडमिनिस्ट्रेशन झोंक दिया गया था ।

श्री अध्यक्ष : जिनकी गर्दन में दर्द थी उन्होंने भी टोकरी उठाई ।... (विध्न)..

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, क्या कहा कि इनकी गर्दन में बल नहीं आया?

श्री अध्यक्ष : नहीं, मैंने तो कहा कि जिनकी गर्दन में दर्द थी उन्होंने भी टोकरी उठाई ।... (विध्न)....

डाक्टर मंगल सैन : स्पीकर साहब, मैं बड़े अदब से कहता हूं कि हमने हरियाणा को बाढ़ से तबाह होने से बचाने के लिए जितना हो सका ईमानदारी से काम किया । स्पीकर साहब, ऐमरजैंसी समाप्त होने के बाद देश और प्रदेश के जीवन में परिवर्तन आया, लोकतंत्र बहाल हुआ और जो लोग तबाह हो रहे थे, घुटन में थे, बोल नही सकते थे उनको हमने बोलने की आजादी दी । जनता ने हमें शक्ति दी और हमने किए हुए वायदे को पूरा किया । स्पीकर साहब, कई दोस्त शोर करते हें कि आज प्रदेश में ला–लैसनैस बढ़ गई है । लेबर अनरैस्ट बहुत जबदस्त है । एक भाई ने तो कहा कि चोरियां और डाके भी बढ़ गए हैं । स्पीकर साहब, बात दरअसल यह है कि पहले लोग थाने में घुस नही सकते थे, उनकी रिप्रोर्ट दर्ज नहीं होती थी लेकिन आज हमने हिदायतें दे रखी है कि यदि कोई भी व्यक्ति, कोई भी दुःखी, परेशान आदमी थाने में आए तो उसकी रपट जरूरी दर्ज की जाए । आज हम हरियाणा की पुलिस को जो मेरे दोस्तों की बिगाडी हुई थी, रास्ते पर ला रहे हैं और मुझे खुशी है कि वह हमें पूरा सहयोग दे रही है और जनता की भावनाओं के अनुसार काम में लगी हुई है । स्पीकर साहब, आज ला एंड आर्डर आगे से ज्यादा स्टेबल है । पड़ौसी राज्य उत्तर प्रदेश में आप देखे कि क्या हो रहा है । मुझे किसी दूसरे प्रदेश के बारे में कुमैन्ट करने का

अधिक्तर नहीं है लेकिन मैं समझता हूं कि हमारे यहां काफी शांति है । अगर कही कमी है तो स्पीकर साहब, उसे सरकार पूरा करने की कोशिश में लगी हुई है । हमारा प्रदेश राजधानी के साथ सटा हुआ है । यहां कई उद्योग धन्धे बन गए है । दिल्ली में उनके लिए जबदस्त मार्किट है । स्पीकर साहब, लेबर और मजदूर भी तो इस देश के नागरिक हैं । उन्हें भी जिन्दा रहने का अधिकार है । उन्हें भी कुलैक्टिव बारगेन करने का अधिकार है । स्पिकर साहब, अगर वे अपने कुलैक्टिव बारगेन करने के अधिकार का इस्तेमाल करते हैं, वे अपना डिमांड का चार्टर पेश करते है, गेट मीटिंग करते हैं या नारे लगाते है, जलूस निकालते है तो ये लोग कहते है कि ला– लैसनैस बढ़ गई हे । स्पीकर साहब, मैं इस बात को जरूर स्वीकार करूंगा कि हमारी फराखदिली का, हमारी उदारता का, जैनरौसिटी का कुछ ऐलीमैन्ट जो कि ऐकस्ट्रिमिस्ट ऐलोमैंट हैं, नाजायज ऐक्सप्लायटेशन करना चाहता है और प्रदेश में तोड़–फोड़ कराना चाहता है लेकिन इस बात से सरकार बड़ी सचेत है और वह ऐसा नहीं होने देगो । कुछ पूजीपतियों को पुरानी गलत आदत पड़ी हुई है । मेरे भाई संत कंवर जी ने तो बडे सिवियर रिमार्कस पास कर दिए कि वे मिनिस्टरों की कोठियों पर कार लेकर आते हैं । मैं अपने माननीय मिल को कहना चाहता हूं कि किसी भी पूंजीपति को किसी मन्त्री के यहां मजदूर के खिलाफ आने की इजाजत नही दी जा सकती और न मैंने कमी दी है । मामला सब–जूडिस है, उस पर मै कुमैन्ट नही करना चाहता । अदालत में मामला गया हुआ है । मैं निवेदन करना चाहता हूं

कि पूंजीपतियों को बैड कैरक्टर्ज को इम्पलायी नही करने दिया जायेगा और लेबरर्ज को डराने धमकाने की इजाजत नही दी जायेगी और न ही उनकी जैन्विन एक्टीविटीज को रोकने दिया जायेगा । इस सरकार की नीति साफ और वाजह है । हम मजदूरों के अन्दर ऐसे ऐली– मेंट्स को जो कानून को अपने हाथ में लेना चाहते है या तशद्दद करना चाहते हैं, नहीं करने देंगे । जो पूंजीपति बैड कैरेक्टर को खरीदना चाहेंगे और नाजायज दबाव मजदूरों पर डालेंगे उनको भी ऐसा नहीं करने दिया जायेगा ।. (तालियां)स्टेट का, राज्य का काम है कि वह इम्पायर या रैफरी के तौर पर काम करे ।

राव वीरेन्द्र सिंह : बहिन जी लेबरर्ज के लिए कुछ करना चाहती था उनसे आपने यह महकमा क्यों ले लिया?

डाक्टर मंगल सैन : आपको दूसरा दर्द शुरू हो गया । कई लोग मगरमच्छ के आंसू बहाएंगे । हरियाणा में जनता पार्टी की सरकार आने पर स्ट्डैन्ट्स के अन्दर कुछ आन्दोलन हु ए । हरियाणा की नवयुवक पीढ़ी उभर रही ीऐ, इन के कन्धो पर हरियाणा का भार है । उनकी कुछ कठिनाईयां थीं । हमारी सरकार ने उनकी कठिनाईयों को बड़ी कुशलता से अनुभव किया । पिछले 10– 12 दिनों से आई0आई0 के बच्चे सड़कों पर नारे लगा रहे थे । मेरा विमान है मैंने विभाग के लोगों से पूछा कि इन लोगों की क्या मांग है? उन्होंने वताया कि इनको यह कठिनाई है । मैंने उनकी कठिनाई को महसूस किया । आज मुझे

सदन को यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि उन हो बातें सुनकर उन्हें आश्वासन दिया कि आपकी कठिनाई पर ध्यान दिया जाएगा । उन्होंने आज से वह स्ट्राइक वापिस ले ली है । आज हरियाणा में विद्यार्थियों के अन्दर कोई अनरैस्ट नहीं है ।

स्पीकर साहब हमारी पुलिस को कई काम नाखुशगवार भी करने पड़ते हैं । राव साहब भी इस बात को एप्रिशिएट करेंगे कि कमीशन बैठने पर गवाहियां कराने में और मुलजिम और मुजरिम को सजा दिलवाने का बडा भारी काम होता है । सारे देश में कमीशन बैठे । हरियाणा में भी बैठे । आखिर मारूति की धरती जो गरीब किसानों से खोंसकर भूतपूर्व प्रधान मन्त्री के बेटे को दी गई थी जिसका उन्हें क्लेम भी पूरा नहीं मिला । तो आखिर हरियाणा में ही तो कमीशन बैठना था । कमीशन तो हरियाणा में ही बैठने थे, जहां नसबन्दी के नाम पर गोलियां चलीं, लाशों के ढेर हुए, दामाद सडक बनाई गई, मन्दिरों को गिराया गया, जाति–सम्मान समाप्त किया गया, मकान गिराए गए तो यह स्वाभाविक ही था कि यहां रैड्डी कमीशन बैठा ।

श्री सुरेन्द्र सिंह : एक बंगलौर में कमीशन बैठा था उसके बारे में तो अखबारों में पढ़ लिया होगा ।

डाक्टर मंगल सैन : चोर की दाढ़ी में तिनका । मैं तो यह कहने में मजबूर हूं । आपने गुनाह किए हैं, आप बच नहीं सकते ।

श्री सुरेन्द्र सिंह : आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर । इस सदन के अन्दर कई तरह के अलजामात लगाए जाते हैं । राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जनता पार्टी के, विशाल हरियाणा पार्टी के और इंडीपैडैन्ट मैंबरों की तरफ से विचार प्रकट किए गए, परन्तु पुरानी सरकार पर जनता पार्टी के पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर अलजामात लगा रहे हैं । तो आप मुझे भी स्पीच करने का मौका दें तब मैं यह बताएंगा कि पिछली सरकार ने क्या किया और यह सरकार क्या करने जा रही हे?

श्री अध्यक्ष : चौधरी सुरेन्द्र सिंह जी आप बैठ जाइए । मैं एक और आबजर्वेशन करूंगा । आपने बैठे–बैठे यह बात शुरू करके इन्ट्रप्शन की है । आपने जो कुछ भी कहना है, खड़े हो कर कहें ।

Dr. Mangal Sein : I do not want to give him any importance. मैंने उनका नाम नहीं लिया है ।

Shri Surrender Singh : On a point of Personal Explanation, sir. Mr. Speaker : Not yet .

Shri Surrender Singh : On a Point of Order, Mr. Speaker. Since this matter is subjudice he should not raise it on the floor of the House. If the Minister wants to say something let him go to the court. I will cross-examine him and others will also be given an opportunity to cross-examine

Dr. Mangal Sein : He is no body to cross-examine me. (Interruptions),

Shri Surrender Singh : If you want to say something, go to the court of law. Why subjudice matters are being raised here ?

डाक्टर मंगल सैन : मेरी बड़ी अदब से प्रार्थना है कि यहां कमीशन क्यों बैठा कमीशन इसलिए बैठा कि पुरानी सरकार ने जो काम किये उनको देख कर लज्जा आती है । उन्होंने बहिन भाइयों को नंगा किया । बुढ़िया मां को मारा ।

श्री गंगा राम : आन ए प्वांयट आफ आर्डर भर । यह इन्दिरा का बाच्छडा तो मेरे खूटे पर ही ठीक था । मैं आपसे यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि जो गवर्नर साहब का अभिभाषण है, इस पर अगर एक दिन और बढा दिया जाता तो हकीकत में असली मुलजिमों का जो जनता सरकार का ओढना ओढ़े बैठे हैं, उनका भी पता चल जाता । इसलिए मेरी मुख्य मन्त्री जी से प्रार्थना है कि गवर्नर एड्रैस पर मुझे अवश्य समय दिया जाना चाहिए ।

डाक्टर मंगल सैन : है तो स्पीकर साहब बड़ी इन्नोसैन्स से बात कर रहा था और बड़ा इनोसैन्ट सा आदमी हूं । हमारी एडमिनिस्ट्रैशन पर कितना दबाव रहा है और वह क्यों रहा हे? है इस बारे अर्ज कर देना चाहता हूं । हमारी पुलिस का बड़ा अच्छा रेस्पोन्स रहा है । पुलिस ने पब्लिक ग्रिविन्सीज और पब्लिक कम्प्लेन्ट्स को सुना । अब हमने तो तय किया हैकि लगभग 250

इन्वैस्टीगेशन अफसर और अप्वांयट किए जाएं । मैंने अपने मन्त्री परिषद के साथियों को लिखा है कि वे इस बात की मन्जूरी दें ताकि प्रदेश में जो गुनाहगार हैं उनके बारे में इनक्वायरी हो सके ।

स्पीकर साहब, बातें तो बहुत सी करने वाली हैं, अब क्योंकि माननीय मुख्य मन्त्री महोदय ने बोलना है, इसलिए नगरपालिका के बारे में मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि मेरे. पुराने साथियों ने तो गरीबों का गला ही दबा दिया था । रेहड़ी वालों की फीस इन्होंने 6 रुपए से बढ़ाकर 80 रुपए कर दी थी अब फिर से, जब से जनता पार्टी 'की सरकार आई है, इसने 6 रुपए कर दी है । स्पीकर साहब, जो तहबाजारी अब एक रुपया फी गज के हिसाब से ली जा रही थी, वह हमने फिर से 10 पैसे कर दी है । स्पीकर साहब, यह सरकार हर कदम गरीबों के पक्ष में ले रही है । हमने हरियाणा के बड़े–बड़े पूंजीपतियों को और कारखानेदारों को जिनको, पिछली सरकार अपने मतलब के लिए इस्तेमाल किया करती थी, पर भी 'नहीं मारने दिया । हम गरीब को उसका हक ले करके दे रहे हैं । मैं आपके द्वारा सदन को यह बताना चाहता हूं कि यह सरकार गरीब के पक्ष में है, मेहनतकश के पक्ष में है । इन शब्दों 'के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं ।

मुख्य मन्त्री (चौधरी देवी लाल) : : स्पीकर साहब, हरियाणा के गवर्नर साहब के एड्रैस में हमारी सरकार ने फ्लड के

दिनों में लोगों की जो मदद की और जो इरादा था, उस इरादे पर बधाई का प्रस्ताव रखते हुए चौधरी रिजक राम जी ने जो कहा, और चौधरी राम लाल जी ने जिसकी हिमायत की, उससे यह साफ जाहिर है कि इस सरकार ने राजगद्दी सम्भालते ही ऐसा काम किया है जिसके लिए सिवाय बधाई के या मुबारिकबाद देने के और कोई चारा ही नही था । यह इस बात से स्पष्ट है कि इसकी मुखालफित किसी ने भी नहीं की । – (विध्न)मेरा कहने का मतलब यह है कि कुछ साथियों ने कुछ सुझाव दिए हैं । उन सुझावों को मानना तो सरकार का अपना फर्क बनता है । जैसे चौधरी जगजीत सिंह पोहलू ने एक सुझाव दिया । मैं उनके सुझाव के मुताल्लिक इनको यह बताना चाहता हूं कि सरकार ने लड़कियों को उनके खाबिन्द की जायदाद में हक देने का फैसला कर लिया है । – – (थम्पिग)इसके साथ–साथ ही उन्होंने बेरोजगारी के बारे में कहा है ।

राव वीरेन्द्र सिंह : आन ए प्वांयट आफ इनफर्मेशन सर । यह जो फैसला किया है यह हरियाणा सरकार ने किया है या हिन्दुस्तान की सरकार ने किया है कि हिन्दु सक्सैशन एक्ट में इस तरह की तरमीम की जाये?

चौधरी देवी लाल : यह हमारी सरकार ने फैसला किया है ।

राव वीरेन्द्र सिंह : हरियाणा सरकार तो उस एक्ट में तरमीम कर ही नहीं सकती, यह तो सिर्फ प्रस्ताव पास कर सकती है । – (विघन)–

चौधरी देवी लाल : हमने वही किया है । – (थम्पिग) – उन्होंने यह भी कहा है कि बादल साहब की दोस्ती का यह मतलब नहीं कि हम अपना हक छोड़ दें । आखिर इसका भी कोई न कोई हल निकाला जाना चाहिए । राव साहब ने भी इसका जिक्र किया और यह भी कहा कि एस0वाई0एल 0 के बारे में अभी तक कोई फैसला नही हुआ ।

स्पीकर साहब, मैं आपकी मार्फत राव साहब का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहूंगा कि उनकी भी सरकार यहां पर रही है और इन कांग्रेसियों की भी सरकार सैन्टर में, हरियाणा में और पंजाब में लगातार 7 साल तक रही है लेकिन ये आज तक इसका कोई फैसला नही करा पाए । यहां तक कि लैण्ड भी एक्वायर करने का कोई फैसला नही हुआ । हमारे आपस के ताल्लुकात का सबसे पहला नतीजा यह निकला है और वह आप लोगों के सामने है कि हमारी सरकार बादल सरकार के साथ बातचीत करके इस नतीजे पर पहुंची है कि उन्होंने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है । वह नोटिफिकेशन मैं पढ़कर सुना देता हूं ताकि कोई एतराज वाली बात न रहे । – (थम्पिग)– अगर अब भी इनको कोई शक रह गया हो, तो वह भी दूर हो जाए कि यह

लैण्ड एक्वायर हो रही है या नहीं । पंजाब की सरकार इस काम के लिए पूरी कोशिश कर रही है । नोटिफिकेशन मे लिखा है:—

"Whereas it appears to the Governor of Punjab that land is likely to be required to be taken by Government at the public expenses for public purpose namely for constructing Sutlej Yamuna Link canal in Village Kamalpur and Sarala Kalan. Tehsil Rajpura, District Patiala."

राव वीरेन्द्र सिंहः कौन से सैक्शन का नोटिफिकेशन हे?

चौधरी देवी लाल : सैक्शन 4 और 17 का नोटिफिकेशन है । मैं राव साहब कौ एक बात यह भी बता द् कि सैशन की वजह से रुकावट पड़ गई, वरना स्पीकर साहब, मुझे उस फंक्शन को प्रिजाइड करना था और बादल साहब ने उसका उद्घाटन करना था ।

एक आवाज : राव साहब को भी उसमें इन्वाईट कर लेना ।

चौधरी देवी लाल : मैं राव साहब को भी इनवाईट करूंगा । मैं जानता हूं कि वे आएंगे तो यहां भी नही, जैसे कि श्रमदान के वक्त इनको भी इन्वाईट किया गया था, लेकिन ये नहीं आए । —— (विध्न) —— मेरा कहने का मतलब यह है कि हमने पार्टी की तरफ से श्रमदान शुरू नही किया था । हमने तो गवर्नमैंट की तरफ से शुरू किया था और हर पार्टी को इन्वीटेशन

भिजवाया था । मुझे बड़ा अफसोस है कि उस काम में भी वे नहीं आए ।

राव बीरेन्द्र सिंहः जब आपने यह फैसला किया, क्या उस वक्त आपने सब पार्टीज को बुलाया था?

चौधरी देवी लाल : जब कोई फैसला गवर्नमैंट की तरफ से होता है तो उस वक्त तमाम पार्टीज को कन्सल्टेशन के लिए नहीं बुलाया गता । इसके अलावा एक सुझाव यह. भी दिया गया है कि मौजूदा सरकार कांग्रेस सरकार वाली गलतियां न करे । मैं पोहलू साहब से यह कहता हूं कि अगर हम भी कांग्रेस सरकार वाली गलतियां करेंगे तो हमारा भी वही हशर होगा जो आज कांग्रेसियों का हो रहा है । इसके साथ–साथ एक और खुशखबरी. की बात मैं आप लोगों को दूगा । बहुत समय से यह शोर चल रहा था कि यूनिट बेसिज पर बिजली न देकर फ्लैट रेट पर बिजली दी जाये । तो हमारी सरकार भी फ्लैट रेट पर किसानों को बिजली देने जा रही है । ––(थम्ग्गं) –– अगली बात तो जो थोड़ी सी अहितकर–सी थी, वह मैं आप लोगों के सामने रखना चाहता हूं । हरियाणा में निहंगों ने उद्धम मचा रखा है । यह उद्धम हमारे से दो अढाई साल पहले भी जब कांग्रेस सरकार थी, उस वक्त भी इन्होने मचा रखा था । जहां कहीं भी ये थोड़ी बहुत जमीन खाली देखते हैं, वहीं अपना झंडा गाड़ देते हैं । जैसे कही पर शमशान की भूमि खाली पड़ी हो वकफ की जमीन थी, उस पर ये कब्जा कर लिया करते थे । हमारी सरकार ने मजबूती

के साथ इनका मुकाबला किया और इसका नतीजा यह हुआ कि अब हम उनसे वह जमीन खाली कराने में सफल हो गए हैं । पुण्ड्री में निहंग जमीन छोड़कर चले गए है । कैथल का केस अदालत में पैडिंग है । अब वहां पर कोई झगड़ा नहीं है ।

राव बीरेन्द्र सिंह : जो दीवार उन्होंने वहां परकंस्ट्रक्ट कर ली थी, उसका क्या बना?

चौधरी देवी लाल : वह उसे छोड्कर चले गए है ।

Shri Shamsher Singh : What about judicial enquiry,

चौधरी देवी लाल : मैजिस्टिरियल इनक्वायरी चल रही है । उसकी रिपोर्ट आने के बाद देखा जाएगा । अब कुछ भाइयों ने लम्बी–चौड़ी भ्रष्टाचार पर तकरीर की और यह कहा 'भ्रष्टाचार बन्द हो पानी का प्रबन्ध हो' यह केवल एक नारा है । उसके साथ ही साथ यहां पर यह इल्जाम भी लगाया गया कि अफसरान की मारफत चन्दा इकट्ठा किया जाता है । मुझे बहुत खुशी है कि भाई मांगे राम ने यह इल्जाम वापिस ले लिया, लेकिन मैं आप लोगों को यह अर्ज करना चाहता हूं कि मेरी सरकार बातों में विश्वास नही रखती, काम करने में विश्वास रखती है । इन्दिरा गांधी का 20 सूत्री प्रोग्राम था संजय साहब का 4 सूली प्रोग्राम था, लेकिन मेरा खे सूली प्रोग्राम है । मेरा कोई लम्बा चौड़ा उन लोगों की तरह 20 या 4 सूत्री प्रोग्राम नही है मेरा तो सिर्फ दो सूत्री प्रोग्राम है । मैं पहले भी ऐलान कर चुका हूं । आज फिर इस हाउस में

यह ऐलान कर रहा हूं । अब आप लोगों का यह फर्ज बनता है कि आप इस कार्य में सहयोग दें और आज फिर ऐलान करता हू कि कोई भाई सौ रुपए रिश्वत किसी से लेते हुए पकड़वा दे तो सरकार की तरफ से पांच सौ रुपया दिया जाएगा । सबसे बड़ा एक इल्जाम यह लगाया गया कि किसी मैंबर के रिश्तेदार के घर टेलीफोन लगा हुआ है । यह एक स्वाभाविक बात है कि अगर एक एम0 एल0 ए0 बाहर देहात का रहने वाला है और उसकी आमदोरफ्त शहर– में है, तो वहां टेलीफोन लगवाना पड़ेगा और टैलीफोन का खर्चा उसी के जिम्मे होगा । इस तरह का इल्जाम मेरे साथियों के खिलाफ कोई नहीं लगा सकता ।

इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट की बाबत इल्जाम लगाया गया । इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट हमने नहीं बनाए । यह पहले की सरकार के बने हुए हैं और लगातार चले आ रहे है और इस डिवैल्पमैंट की हालत में इस तरह की म्युनिसिपल कमेटेयां कभी टूट जाती हैं और कभी एडमिनिस्ट्रेटर के अख्तियार में आ जाती हैं । तो इम्प्रूवमैंट आज के वक्त में तभी हो सकता है जब बाकायदा इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट बनाए जाए । इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट कोई रिश्वत का अड्डा नही है ।

राब बीरेन्द्र सिंह : कितने ऐसे इम्प्रूवमैंट ट्रस्ट हैं जिनमें पहले कांग्रेस के मैंबर थे और जब आपकी सरकार बनी, तो आपने कितने बनाए?

चौधरी देवी लाल : : यह तो आप असैम्बली क्वैश्चन कीजिए, फिर जवाब दे दिया जाएगा । राव साहब ने एक यह इल्जाम लगाया कि गाली देने का काम पहले कहीं चीफ पार्लियामैंट्री सैक्रेटरी के सुपुर्द कर रखा था और कहने लगे कि अब किसी मिनिस्टर को यह काम दे दिया है ।

राव वीरेन्द्र सिंह : मैंने यह नहीं कहा था ।

चौधरी देवी लाल : आपकी स्पीच में यह था । राव साहब ने हमारी सरकार को तानाशाह कहा । लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने कोई ऐसे हालात पैदा नहीं किए जिससे यह साबित होता हो कि हम तानाशाह हैं । अलबत्ता ये अपोजीशन में होते हुए भी तानाशाहों के जेरेशाय बैठे रहे और हम लोग जेल की चारदीवारी के अन्दर बन्द थे । अपोजीशन में होते हुए भी इनकी इतनी हिम्मत नहीं हुई कि तानाशाहों के खिलाफ कोई आवाज उठा सकें ।

राव वीरेन्द्र सिंह : मैं इन्तजार कर रहा था कि आप बाहर आ जाएं।

चौधरी देवी लाल : राव साहब और इल्जाम नहीं लगा सकते, तो अब एक ही इल्जाम लगाया कि इनके डिसिडैन्ट चौधरी साहब के खिलाफ यहां तक कहते हैं कि शायद देवीलाल से यह भी तवक्को की जा सकती है कि वह कत्ल करवा दे । इस किस्म के इल्जाम राव साहब लगा रहे हैं । इससे जाहिर होता है कि

हमारे आपस के झगड़े हैं । हमारे जो आपस के झगड़े हैं, उनसे आपका कोई वास्ता नहीं है, स्टेट का उनसे कोई वास्ता नहीं है । हम आपस में सौ बार झगडेंगे, आपका इससे कोई वास्ता नहीं है । (व्यवधान) इसके अलावा राव साहब ने इतना भी मुनासिब नहीं समझा कि फ्लड के काम में सहायता करें, जो थोड़ा बहुत फ्लड का काम था उसमें हमने सरकार की तरफ से कोशिश की कि आइंदा के लिए फ्लड न आ सकें । उसके लिए रुपया था नहीं । हमने यह सोचा कि श्रमदान के जरिए, मेहनत के जरिए फ्लड का प्रबन्ध किया जायें । लोगों में इस किस्म का आत्मविश्वास पैदा किया जाये, ताकि वह अपनी मदद आप कर सकें । राव साहब ने उसमें भी इल्जाम लगाया कि जौ टोकरियां उठाते थे, वह भी एक किस्म की रिश्वत मानी जाती थी । वह भी रिश्वत से उठवाई जाती थीं । मेरा राव साहब से यह कहना है कि आप कम से कम ऐसे कामों में जो नेक हों, जो जनता के हित के लिए हों, उनकी तो मुखालफत आपको नहीं करनी चाहिए । इन्होंने यह भी कहा कि पहले फ्लड क्यों नहीं आये और आगे कहा कि जैसी नियत वैसी बरकत । इनकी नियत माडी थी इसलिए सैलाब आ गए । ऐसी बातें करना ठीक नहीं ।

राव साहब ने इल्जाम लगाया कि कालेजों में बहुत बे इन्तजामी है । इसके बारे में सरकार को एक एक्ट भी लाना पड़ेगा, क्योंकि सारी स्टेट के अन्दर प्राइवेट कालिजों की हालत बहुत खराब है, उनका इन्तजाम बहुत खराब है और उसके लिए

कोशिश की जाती है कि हर स्टूडैन्ट से पांच दस हजार रुपया कन्ट्रीब्यूशन के बहाने लिया जाये । यह केवलं राव साहब के कालेज की बात नहीं है सारी स्टेट के प्राइवेट कालिजों की हालत है । – (व्यवधान)

राव वीरेन्द्र सिंह : मेरे यहां ऐसा नहीं है अगर ऐसा होता, तो मैं साढ़े बारह हजार वोटों से जीतकर न आता ।

चौधरी देवी लाल : राव साहब को तो सबसे बड़ी फिक्र यह हो रही है कि जो कालिज की आमदनी का सिलसिला बना हुआ है वह सिलसिला बन्द न हो जाये ।.. (व्यवधान)..

राव बीरेन्द्र सिंह : बगैर इनक्वायरी के ग्रान्ट बन्द कर दी ।

चौधरी देवी लाल : उसके लिए एक कमेटी बनी हुई है । वह इनक्वायरी कर रही है । रिपोर्ट आने वाली है, उस रिपोर्ट के आधार पर फैसला किया जा रहा है कि आइन्दा के लिए ऐसे कालेजिज का क्या किया जाये । सरकार की हालत तो अच्छी नहीं है और उधर क्रदशन है । इन्तजाम चल नहीं पा है । तो इनको टेकओवर करने के अलावा और कोई रास्ता दिखाई नहीं दे पा है ।

राव वीरेन्द्र सिंह : आप इनको नैशनेलाईज कर दे ।

चौधरी देवी लाल : नैशनेलाईज तो करना ही पड़ेगा.. (व्यवधान).. । बेरोजगारी के बारे में कहा गया कि बेरोजगारी दूर करने के लिए हमारी सरकार ने कुछ नहीं किया । मैं सदन को बताना चाहता हूं कि हमने फैसला किया कि इंडस्ट्रियलाईजेशन को रूरल इंडस्ट्री– यलाईजेशन की शक्ल में बदला जाये और उसमें इस ढंग से मदद की जाये ताकि दस हजार से एक लाख तक कर्जा हासिल कर सकें और उस इंडस्ट्री से वे लोग अपना रोजगार चला सकें । 1 10 के करीब यूनिट बन गए हैं और अगले साल तीन सौ के करीब और यूनिट बन जाएंगे । – (थम्पिग)अगर बेरोजगारी के लिए इस ढंग से मदद की जाये तो यह दूर हो जाएगी ।

मिनिस्ट्री में इजाफे की बात कही गई । वह इजाफा तो मुमकिन है । मिनिस्ट्री के लिए तो यह सारे झगड़े चल ये हैं । हमारी सरकार ने लड़कियों की शिक्षा पर पूरा जोर दिया है । हमने यह पालिसी अपनाई है कि जितने हाई स्कूल और प्राइमरी स्कूल अपग्रेड किए जाएं. वे सब स्कूल, लड़कियों के किए जाएं । अगर गांवों में लड़कियों के स्कूल नही होंगे, तो लड़कियां पढ़ाई जारी नहीं रख पाएंगीं, क्योंकि पढ़े लिखे लोग जैसे वकील हैं, डाक्टर हैं, उनकी लड़कियां तो शहर में पढ़ लेती हैं लेकिन देहात की लड़कियां शहर में जाने से कतराती हैं । इसलिए सरकार ने यह फैसला किया । मैं आप लोगों से दरख्वास्त करुंगा कि आप इस बारे में सरकार का साथ दें । सरकार ने अपने हिसाब से यह

फैसला किया है । इसके मुताबिक कोई भी ऐसी शिकायत नहीं मिलेगी, जिसमें किसी को कुछ कहने का अवसर मिले ।

राव वीरेन्द्र सिंह : हैड वर्क्स की बात भी बता दीजिए ।

चौधरी देवी लाल : जहां तक हैड वर्क्स का ताल्लुक है उसके बारे में सैन्ट्रल गवर्नमैंट का एक एक्ट है उसके मुताबिक फैसला हुआ है । सैन्ट्रल गवर्नमैंट के साथ इस बारे में बातचीत चल रही है । हैड वर्क्स के बारे में एमीकेबली सैटलमैंट हो जाएगा ।

राव बीरेन्द्र सिंह : पंजाब सरकार की तरफ से सैन्ट्रल गवर्नमैट को एक मैमोरैन्डम दिया गया है कि जो अब तक डिस्क्रिमिनेशन या इनजस्टिस पंजाब केसाथ हुआ है उसको फिर से देखा जाये । वे सारी चीज को फिर से री–ओपन कराना चाहते हैं । तो क्या जो हरियाणा के साथ इनजस्टिस हुआ है उसके बारे में भी हरियाणा सरकार कुछ करने जा रही है?

चौधरी देवी लाल : ऐसा कुछ नहीं दिया गया है ।

राव वीरेन्द्र सिंह : क्या नहीं दिया गया?

चौधरी देवी लाल : कुछ नही दिया स्पीकर साहब, गवर्नर साहब के एड्रैस पर किसी भी भाई ने किसी किस्म की मुखालफित नहीं की और न ही कोई ऐलीगेशन ही लगाया है ।

इसलिए मैं समझता हूं कि जो गवर्नर साहब का एड्रैस है इस पर और ज्यादा बोलने की आवश्यकता नहीं है । डन शब्दों के साथ मैं गवर्नर साहब को बधाई देता हूं और हाउस से यह दरख्वास्त करता हूं कि यह जो मोशन है, इसको पास किया जाये ।.. (तालियां)..

श्री सुरेन्द्र सिंह : हमें टाईम नही मिला, स्पीकर साहब ।

श्री अध्यक्ष : मैं एक बात जरूर कहूंगा कि **चौधरी** सुरेन्द्र सिंह ने कहा कि टाईम नहीं मिला । यह मामला बिजनैस एडवाईजरी कमेटी के सामने आया था । उस वक्त हमने कहा कि गवर्नर एड्रैस के लिए तीन दिन रखे जाएं । उस वक्त कुछ इधर के मैंबर साहिबान थे, इंन्होंने यह कहा चूंकि हम बजट पर डिस्कशन के लिए चार दिन रखना चाहते हैं, इस लिए गवर्नर एड्रैस के लिए दो दिन ही काफी हैं ।

राव वीरेन्द्र सिंह : बजट पर बोलने के लिए चार दिन हो गए हैं ।

श्री सुरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, हमारी पार्टी को टाईम नहीं मिला, उस वक्त हमें ज्यादा टाईम दिया जाये ।

एक आवाज : कौन सी पार्टी?

श्री सुरेन्द्र सिंह : अगर आज भी आपको पार्टी नजर नही आती है तो आपको नजर क्या आता हे?

Mr. Speaker: Question is—

That an Address be presented to the Governor in the following terms—

"That the Members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the address which he has been pleased to deliver to the House on the 27th February, 1978."

The motion was carried.

श्री अध्यक्ष : हाउस कल सुबह 9.30 बजे तक के लिए मुलतवी किया जाता है ।

12. 45 बजे

(The Shaba then *adjourned till 9.30 a. m. on Thursday, the 2nd March, 1978.)